THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

## मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन नक्सलियों को किया ढेर

गढ़चिरोली, 13 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया। घटना महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि नक्सलियों के पेरीमिली दलम के कुछ सदस्य विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भामरागढ़ तालुका के कटरांगट्टा गांव के पास जंगल में डेरा डाले हुए हैं। जानकारी मिलने के बाद, गढ़चिरौली पुलिस की एक विशेष लड़ाकू शाखा सी-60 कमांडो की दो इकाइयों को तुरंत इलाके की तलाशी के लिए भेजा गया। टीमें तलाशी अभियान चला रही थीं, तभी नक्सलियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी।

वर्ष-28 अंक : 52 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.7 2080 मंगलवार, 14 मई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## मुंगेर में पर्ची न देने पर सुरक्षाकर्मियों पर पथराव

# 10 राज्यों की 96 सीटों पर 62.31 फीसद मतदान

> आंध्र में विधायक-वोटर ने एक-दूसरे को थप्पड़ मारे > कांग्रेस प्रत्याशी के भाई ने शख्स को लात मारी

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के चौथे फेज में सोमवार को 9 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की 96 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश की 175 और ओडिशा की 28 विधानसभा सीटों पर भी मतदान हुआ। चुनाव के बीच पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में तीन लोगों की अलग-अलग वजह से मौत हुई है। पश्चिम बंगाल के बोलपुर में वोटिंग से एक दिन पहले टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या हो गई। टीएमसी ने सीपीआई (एम) समर्थकों पर बम धमाके का आरोप लगाया है। दुर्गापुर में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हुई है।

बिहार के मुंगेर में वोटिंग से पहले एक पोलिंग एजेंट की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मुंगेर में ही वोटिंग के दौरान पर्ची नहीं देने के आरोप में कुछ लोगों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और 2 युवकों को हिरासत में ले लिया। महाराष्ट्र के बीड में एक न्यूज चैनल के पत्रकार की हार्ट अटैक से मौत हुई है। शाम 5 बजे तक सभी लोकसभा सीटों पर 62.31 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 75.66 प्रतिशत और जम्मू कश्मीर में सबसे कम 35.75 प्रतिशत वोटिंग हुई। इसके अलावा आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में 67.99 प्रतिशत और ओडिशा विधानसभा के फर्स्ट फेज में 62.96 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। मध्य प्रदेश के खरगोन के शहरी क्षेत्र में पोस्ट ऑफिस चौराहा स्थित बूथ क्रमांक 124 की वीवीपैट मशीन खराब होने से करीब एक घंटा मतदान प्रभावित रहा। मशीन को बदलने के बाद मतदान शुरू हो पाया। पश्चिम बंगाल के वर्धमान में भाजपा नेता दिलीप घोष की गाड़ी पर पथराव हो गया। हमले में दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

| राज्य | मतदान प्रतिशत |
|---|---|
| आंध्र प्रदेश | 68.04% |
| बिहार | 54.14% |
| जम्मू-कश्मीर | 35.75% |
| झारखंड | 63.14% |
| मध्य प्रदेश | 68.01% |
| महाराष्ट्र | 52.49% |
| ओडिशा | 62.96% |
| तेलंगाना | 61.16% |
| उत्तर प्रदेश | 56.35% |
| पश्चिम बंगाल | 75.66% |
| **औसत** | **62.31%** |

### विधानसभा चुनाव

| राज्य | मतदान प्रतिशत |
|---|---|
| आंध्र प्रदेश | 67.99% |
| ओडिशा फेज-1 | 62.96% |

## वाईएसआर सीपी विधायक ने मतदाता को मारा थप्पड़ पीड़ित ने भी तमाचा मारा तो टूट पड़े सहयोगी

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव के दौरान आंध्र प्रदेश से विधायक की दबंगई का एक वीडियो सामने आया है। विधायक वीआईपी कल्चर का लाभ लेने के लिए मतदान के लिए लगी लाइन को नजरअंदाज करके आगे बढ़ रहे थे तभी एक मतदाता ने इस पर आपत्ति जता दी। इससे विधायक आहत हो गए और उन्होंने मतदाता को थप्पड़ जड़ दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

कथित वायरल वीडियो में दिख रहे विधायक का नाम ए शिवकुमार है। वे तेनाली विधानसभा से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विधायक हैं। बता दें, वर्तमान में आंध्र में वाईएसआर की ही सरकार है। वीडियो में विधायक ने जैसे ही मतदाता को थप्पड़ मारा। तुरंत मतदाता ने भी एक चांटा खींच के उल्टा मार दिया। तभी विधायक के साथ खड़े सहयोगी भी मतदाता पर टूट पड़े और जमकर उसकी पिटाई कर दी। हालांकि, आसपास के लोगों ने बीच-बचाव की खूब कोशिश की। 10 सेकंड के वायरल वीडियो में सुरक्षाकर्मियों को हस्तक्षेप करते हुए नहीं देखा गया। सोशल मीडिया में विधायक की कड़ी आलोचना की जा रही है। सत्तारूढ़ दल और विपक्ष घटना पर आपस में भिड़ गए हैं। टीडीपी प्रवक्ता ज्योत्सना तिरुनागी ने बताया कि घटना से साफ समझ आता है कि सत्तारूढ़ पार्टी हताश हो गई है। उन्हें समझ आ गया है कि वे हार रहे हैं। यह हास्यास्पद है।

# केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की मांग खारिज

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट से सोमवार (13 मई) को खारिज हो गई है। जस्टिस खन्ना ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा, हम हाईकोर्ट के फैसले पर दखल नहीं दे रहे। दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना को मामले में एक्शन लेना चाहते हैं तो ले सकते हैं। दरअसल, शराब नीति घोटाले के आरोपी अरविंद केजरीवाल फिलहाल अंतरिम जमानत पर हैं।

ईडी ने उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद भी उन्होंने ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया, जिसे लेकर संदीप कुमार नामक शख्स ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाई कोर्ट ने 50 हजार का फाइन लगाते हए 10 अप्रैल को याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। आज जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा, याचिका में कानूनी अधिकार को लेकर क्या मांग है? हमें इस सब में क्यों जाना चाहिए? हम याचिका खारिज करते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को याचिका खारिज करते हुए कहा था, ये कार्यपालिका का मसला है। एसीजे मनमोहन ने कहा, इस याचिका पर हमें सुनवाई नहीं करना चाहिए। कार्यपालिका को ये मामला देखना चाहिए। इसमें न्यायपालिका के दखल की कोई गुंजाइश नहीं है। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने 2018 में एक ट्वीट करते हुए 'आई सपोर्ट नरेंद्र मोदी' नाम के ट्विटर पेज के संस्थापक और संचालक पर भाजपा आईडी सेल पार्ट-2 जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया था।

# पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी तो हम पहना देंगे

* मुजफ्फरपुर में मोदी ने पूछा-डरपोक पीएम देश चला सकता है क्या?

हाजीपुर/मुजफ्फरपुर/छपरा, 13 मई (एजेंसिया)। बिहार दौरे के दूसरे दिन सोमवार को पीएम मोदी ने हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और छपरा के सारण में सभा की। हाजीपुर में पीएम ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी वाले सरकार चलाते थे तब ईडी ने 10 साल में 35 लाख जब्त किए थे। हमने हमारी सरकार में 2 हजार 2 सौ करोड़ रुपये जब्त किए हैं। जिसे ले जाने में 70 ट्रक लगेंगे।

हाजीपुर में पीएम मोदी ने कहा कि मैं यहां चिराग के लिए वोट मांगने नहीं आया हूं। वो तो जीतने ही वाला है। उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान को जितने वोट मिले थे उससे ज्यादा वोट चिराग के लिए चाहिए। उनसे ज्यादा वोट मिलेंगे तभी रामविलास जी की आत्म को शांति मिलेगी। चिराग मुझे इसलिए पसंद है क्योंकि उनके व्यवहार में रामविलास जी के बेटे होने के गुरूर का नामोनिशान नहीं था। मैं चिराग को अपने बेटे की तरह देखता हूं। इस बच्चे में सीखने और जानने की ललक है।

**बिहार को पलायन और तबाही दी**

पीएम ने कहा कि आरजेडी के राज में सिर्फ अपहरण उद्योग ही फल-फूल रहा था। कांग्रेस और इन लोगों ने बिहार को सिर्फ पलायन और तबाही दी। पीएम ने कहा कि लालटेन वालों ने बिहार में अंधेरगर्दी फैलाई है। जंगलराज दिया है। आरजेडी हो या कांग्रेस दोनों पार्टियों ने तुष्टिकरण को अपना सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार बनाया है।

हैदराबाद में मतदान के लिए कतार में खड़ी महिलाएँ।

## कर्नाटक सेक्स स्कैंडल, किडनैपिंग केस में रेवन्ना को जमानत

### कोर्ट ने एसआईटी में जांच करने का कहा, प्रज्वल को लाने विदेश नहीं जाएगी टीम

बेंगलुरू, 13 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल की पीड़ित महिला की किडनैपिंग के केस में सोमवार (13 मई) को जेडीएस नेता एचडी रेवन्ना को स्पेशल कोर्ट से सशर्त जमानत मिल गई है।

उन्हें पांच लाख रुपए के बॉन्ड पर जमानत दी गई है। कोर्ट में रेवन्ना को दो निजी जमानतदार भी पेश करने पड़े। अदालत ने रेवन्ना को एसआईटी जांच में सहयोग करने और सबूतों को नष्ट या छेड़छाड़ नहीं करने का भी निर्देश दिया है। पुलिस ने होलेनरसिपुरा विधायक एचडी रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न पीड़िता के अपहरण में शामिल होने का आरोप लगाया है, जिसके साथ उनके बेटे प्रज्वल पर यौन उत्पीड़न और रेप के आरोप हैं। एचडी रेवन्ना, देवगौड़ा परिवार के पहले सदस्य हैं जिन्हें किसी केस में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था। उधर, प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी ने रविवार (12 मई) को अश्लील वीडियो वायरल करने के मामले में दो लोगों चेतन और लिकित गौड़ा को गिरफ्तार किया। दोनों को 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भी भेजा दिया है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा है कि केस की जांच कर रही एसआईटी प्रज्वल को वापस लाने के लिए विदेश नहीं जाएगी। 26 अप्रैल की वोटिंग के बाद प्रज्वल जर्मनी चले गए थे। उनके खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी किया है।

# दिल्ली सीएम हाउस में मुझसे मारपीट : स्वाति मालीवाल

> केजरीवाल के पीए ने पीटा > पुलिस बोली-सांसद ने 2 बार फोन कर जानकारी दी

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। आप की राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सोमवार को आरोप लगाया, दिल्ली सीएम हाउस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस बारे में सुबह करीब साढ़े नौ बजे सीएम हाउस से मालीवाल ने पीसीआर कॉल की थी। कॉल के बाद दिल्ली पुलिस सिविल लाइंस स्थित सीएम हाउस पर पहुची।

दिल्ली डीसीपी (नार्थ) मनोज मीना ने बताया, सुबह 9:34 बजे सिविल लाइंस थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई जिसमें एक महिला ने कहा कि उसके साथ सीएम हाउस में मारपीट की गई है। कुछ देर बाद सांसद मैडम थाने आईं, लेकिन बाद में शिकायत देने की बात कहकर चली गईं।

पुलिस ने कहा कि कॉलर ने अपना नाम आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल बताया। कॉल करने वाली महिला ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री का पीए विभव कुमार पीट रहा है। ये कॉल सीएम हाउस से की गई। पुलिस को पीसीआर पर ऐसे दो कॉल आए। इसके बाद दिल्ली पुलिस सीएम हाउस पहुंची। हालांकि मौके पर स्वाति नहीं मिली। जब पुलिस सीएम

हाउस पहुंची तो स्वाति मालीवाल वहां से जा चुकी थीं। प्रोटोकॉल के तहत दिल्ली पुलिस सीएम हाउस के अंदर नहीं जा सकती है। पीसीआर कॉल की सच्चाई क्या है? पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है। ऐसे में स्वाति अगर शिकायत देती हैं तो पुलिस केजरीवाल को भी मुकदमे में आरोपी बना सकती हैं।

**भाजपा नेताओं ने कहा, ये शर्मसार करने वाली बात, पुलिस जांच करे :**

नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने कहा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में (उनके उकसाने पर) उनके ओएसडी ने स्वाति मालीवाल पर हाथ उठाया है, उनके साथ दुर्व्यव्हार किया है। अगर ये सच है तो भाजपा इसकी निंदा करती है। ये शर्मसार करने वाली बात है और इसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जवाबदेही बनती है कि अगर उन्हीं की पार्टी की एक महिला सांसद, उन्हीं की मौजूदगी में, उन्हीं के घर पर सुरक्षित नहीं है तो दिल्ली की बेटियां कैसे सुरक्षित रहेंगी।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, एक महिला सांसद के ऊपर अगर इस तरह की बात हुई तो आप के बाकी नेताओं को बोलना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता शाज़िया इल्मी ने केजरीवाल के पीए को 'दुष्ट' करार दिया। उन्होंने कहा कि वह राजधानी में आप के बारे में तबसे सबकुछ जानती हैं जब वे खुद पार्टी सदस्य थीं। इल्मी ने कहा कि आप के भीतर गंदगी है और मैं इसके बारे में सब कुछ जानती हूं क्योंकि मैं पहले पार्टी में थी। मैं जानती हूं कि आप कैसे काम करती है। यह इस तरह की पहली घटना नहीं है।

भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोमवार को दावा किया कि आप सांसद स्वाती मालीवाल के साथ सीएम केजरीवाल के पीए बिभव कुमार ने मारपीट की है। ये घटना सीएम हाउस में हुई, लेकिन कोई आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।

### रायबरेली मेरी दो माताओं की कर्मभूमि

## इसीलिए लड़ने आया चुनाव : राहुल गांधी

रायबरेली, 13 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तहत प्रचार के लिए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सोमवार को रायबरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि रायबरेली मेरी दो माताओं की कर्मभूमि है इसलिए मैं यहां से चुनाव लड़ने आया हूं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरी दो माताएं हैं। एक सोनिया गांधी और दूसरी इंदिरा गांधी। रायबरेली मेरी इन दोनों माताओं की कर्मभूमि है। इसीलिए, मैं यहां से चुनाव लड़ने आया हूं। कांग्रेस पार्टी देश के युवाओं के लिए क्या करने जा रही है, ये बताने मैं रायबरेली आया हूं।

उन्होंने कहा कि रायबरेली से हमारे परिवार का रिश्ता 100 साल पुराना है। यह चुनाव इतिहास का पहला चुनाव है, जिसमें संविधान की रक्षा की लड़ाई कांग्रेस लड़ रही है। यह लड़ाई गरीबों की रक्षा के लिए है। सरकार बनी तो हर महिला के खाते में प्रतिमाह 8,500 रुपये भेजेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को बेरोजगार कर दिया है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर हर युवा को अप्रेंटिसशिप मिलेगी। 15 अगस्त तक 30 लाख नौकरी देने का काम कांग्रेस पार्टी करेगी और देश में ठेकेदारी प्रथा बंद होगी।

# 'पीओके भारत का हिस्सा है और रहेगा'

* भारत-ब्रिटेन एफटीए, यूएन से लेकर चीन पर विदेश मंत्री ने की बात

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक महोत्सव की शुरूआत हो गई है। आज लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए मतदान हो रहा है। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता पर बात की। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का रुख स्पष्ट है। एक दिन हम पीओके के अवैध कब्जे को खत्म करके और इसे वापस भारत में मिला देंगे। विदेश मंत्री ने कहा, हम अपनी मुद्रा यानी भारतीय रुपये में व्यापार करने पर जोर दे रहे हैं।

भाजपा नेता जयशंकर ने कहा, भारत और ब्रिटेन वर्तमान में एक मुक्त व्यापार समझौते पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उम्मीद है कि दोनों पक्ष ऐसी सहमति पर पहुंचेंगे जो दोनों के लिए काम करेगी। हमें विश्वास है कि हम इसे आगे ले जाने की कोशिश करेंगे। हम निश्चित रूप से इसे आगे ले जाने के बारे में बहुत गंभीर हैं। मेरी उम्मीद है कि अगले कार्यकाल में अगर सब कुछ ठीक रहा तो यह हमारी व्यापार प्राथमिकताओं में से एक होगा। मोदी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने कहा, मोदी सरकार का रुख स्पष्ट है। वहीं संसद का प्रस्ताव भी है कि पीओके भारत का हिस्सा है, यह हमेशा भारत का हिस्सा था और यह भारत का हिस्सा होगा। हमारा लक्ष्य है कि एक दिन हम पीओके को कब्जे से मुक्त करा लेंगे और इसे वापस भारत में मिला देंगे।

### कनाडा से अभी तक ऐसा कुछ नहीं मिला, जिसकी जांच हो सके-निज्जर हत्या मामले में बोले जयशंकर

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडा की तरफ से की गई चौथी गिरफ्तारी पर केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत को इस मामले में कनाडा की तरफ से अभी तक कुछ ऐसा नहीं मिला, जिसपर एजेंसी जांच कर सके। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि अगर कनाडा के पास इस मामले को लेकर किसी भी हिंसा से संबंधित जानकारी है तो भारत इसकी जांच के लिए तैयार है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा, हमें कनाडा की तरफ से कभी भी ऐसा कुछ नहीं मिला, जो हमारी एजेंसियों द्वारा जांचने के योग्य हो। पिछले कुछ दिनों में इस मामले में हुए बदलाव को लेकर मेरे पास जानकारी नहीं है।

## सीबीएसई बोर्ड रिजल्ट डिक्लेयर 12वीं में 87.98 प्रतिशत, 10वीं में 93.60 प्रतिशत हुए पास

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 12वीं का रिजल्ट जारी करने के एक घंटे बाद अब 10वीं का रिजल्ट भी जारी कर दिया है। स्टूडेंट्स ऑफिशियल वेबसाइट results.cbse.nicin या cbseresults.nic.in पर जाकर रिजल्ट चेक कर सकते हैं। इस साल क्लास 10 में 2,238,827 स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया था।

इनमें से 2,095,467 कैंडिडेट्स पास हुए हैं। 10वीं का पासिंग पर्सेंटेज 93.60 प्रतिशत रहा। पास पर्सेंटेज इस साल 0.48 प्रतिशत बढ़ा है। 2023 में ये 92.12 प्रतिशत था। लड़कियों का पासिंग पर्सेंटेज 94.75 प्रतिशत है जबकि लड़कों का 92.71 प्रतिशत है। इस बार 12वीं में 87.98 प्रतिशत स्टूडेंट पास हुए हैं। पिछले साल की तुलना में पासिंग पर्सेंटेज 0.65 प्रतिशत बढ़ा है। लड़कों की तुलना में लड़कियों का पासिंग पर्सेंटेज 6.40 प्रतिशत ज्यादा है। इस बार 91 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियां पास हुई हैं।

# अमित शाह का दावा : वोट बैंक खोने के डर से राम मंदिर नहीं गए राहुल गांधी

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। आज चौथे चरण के लिए मतदान हो रहे हैं। तीन चरणों के मतदान अभी भी बाकी है। दिल्ली में सत्ता काबिज करने के लिए सभी दल एक दूसरे पर जमकर आरोप लगा रहे हैं। एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह महाराष्ट्र पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने न सिर्फ मुद्दे का समाधान किया बल्कि राम मंदिर के निर्माण में भी मदद की। राहुल गांधी को भी मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन राहुल गांधी नहीं गए क्योंकि उन्हें अपना वोट बैंक खोने का डर था। भाजपा को ऐसा कोई डर नहीं है।

**वीर सावरकर का कांग्रेस ने अपमान किया :**

महाराष्ट्र के धुले में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टिकरण के लिए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 भी नहीं हटाया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का भी विरोध किया। उन्होंने कांग्रेस के रूख पर उद्धव ठाकरे की राय जानने की कोशिश की। गांधी और कांग्रेस ने वीर सावरकर का अपमान किया। इस बारे में ठाकरे का क्या कहना है? इंडी गठबंधन के सहयोगी एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म का अपमान किया है। क्या उद्धव उनसे सहमत हैं? केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस ने राहुल को करीब 20 बार "लॉन्च और रीलॉन्च" करने का प्रयास किया। क्या वे लोग चंद्रयान लॉन्च कर सकते हैं? क्या उनकी सरकार कभी पाकिस्तान को उचित जवाब दे सकती है? क्या उनकी सरकार देश में नक्सलवाद या आतंकवाद को खत्म कर सकती हैं? क्या वे भारत को समृद्ध बना सकते हैं?

**20 मई को धुले में मतदान :**

बता दें, शाह धुले लोकसभा सीटे से भाजपा उम्मीदवार और पूर्व रक्षा राज्य मंत्री सुभाष भामरे के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। कांग्रेस ने धुले में भामरे के खिलाफ पूर्व विधायक शोभा बच्चाव को मैदान में उतारा है। यहां 20 मई को मतदान होना है।

# देशभर में वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए अनोखी पहल

## कहीं फ्री में पोहा-जलेबी तो कहीं मिल रही इनाम

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। देशभर में लोकसभा चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर निर्वाचन विभाग ने कमर कस ली है। चुनाव आयोग इसके लिए कई तरह के उपाय आजमा रहा है। कहीं फोन करके तो कहीं खाने-पीने की व्यवस्था करके मतदाताओं से वोट डालने की अपील की जा रही है। इसी कड़ी में एक और अनोखी पहल की गई। जनता से कहा जा रहा कि वोट करो और फ्रिज, टीवी, बाइक, वाशिंग मशीन और मिक्सर जैसे इनाम लेकर जाओ।

**सचिन तेंदुलकर का आ रहा लोगों के पास फोन**

मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा वोट डालने को लेकर जागरूक करने के लिए क्रिकेट के 'भगवान' कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर को नेशनल आइकॉन बनाया है। लोगों के पास चुनाव आयोग और सचिन तेंदुलकर के फोन आ रहे हैं। वह लोगों से ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए कह रहे हैं।

सचिन तेंदुलकर फोन पर कहते हैं, 'हेलो! मैं आप सभी को वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक पारंपरिक मर्यादाओं को बनाए रखेंगे। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को बनाए रखते हुए धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी लालच से प्रभावित हुए बिना सभी अपने मतदान का प्रयोग करें।'

वोटरों को फ्री में मिल रहा पोहा-जलेबी और आइसक्रीम का स्वाद

कई राज्यों में वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों ने तय किया है कि वे मतदान के शुरुआती घंटों में वोट डालने वाले लोगों को पोहा, जलेबी, आईसक्रीम और अन्य खाद्य पदार्थ मुफ्त में परोसेंगे। लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी बढ़ाने को लेकर पहले मतदान फिर जलपान की तर्ज पर कई रेस्टोरेंट खाने-पीने में काफी छूट देने की बात सामने आई। जानकारी के मुताबिक, मतदान के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाने पर नोएडा में 50 से ज्यादा रेस्टोरेंट में लोगों को खाने-पीने पर भारी छूट मिलने वाली है। इसके साथ ही नोएडा के सेक्टर 137 में बने एक निजी अस्पताल में भी मतदान के बाद हेल्थ चेकअप और जांच फ्री करने की बात कही गई है। वहीं, पोहा, जलेबी, आईसक्रीम और अन्य खाद्य पदार्थ मुफ्त में परोसने की पेशकश मध्यप्रदेश में मतदान को बढ़ावा देने के लिए की गई।

**पहले आओ वाली इनामी योजना**

इसी कड़ी में मतदान फीसदी बढ़ाने के लिए कई जिला प्रशासनों ने अनोखा नवाचार शुरू किया है। जनता को वोट डालने के लिए कहा जा रहा कि वोट करो और इनाम लेकर जाओ। अब जो वोट डालने आएगा उसका ड्रॉ निकलेगा। इसमें उसे हीरे की अंगूठी, फ्रिज, टीवी, बाइक, वाशिंग मशीन और मिक्सर जैसे कई इनाम मिल सकते है। जगह - जगह मतदान केंद्रों पर वोटरों की सुविधाओं का खास ध्यान रखा गया। लोकतंत्र के इस उत्सव में लोग बढ़-चढ़कर शामिल हों, इसके लिए जिला प्रशासन व्यापक प्रबंध कर रहा है। मतदाताओं को वोट डालने के दौरान गर्मी न झेलनी पड़े, इसके लिए बूथ के बाहर तंबू लगाए गए हैं और ठंडे पानी के साथ ही कूलर की भी व्यवस्था की गई है।

### मतदान करने से मिली हीरे की अंगूठी

भोपाल में मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए भोपाल के कई पोलिंग बूथों पर लॉटरी स्कीम का आयोजन किया गया था। एक बूथ पर तो एक मतदाता की किस्मत ही चमक गई। योगेश साहू नाम के एक मतदाता ने सुबह 11 बजे हुए पहले ड्रॉ में हीरे की अंगूठी जीती।

दरअसल, प्रशासन ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए यहां लकी ड्रॉ निकाला था। भोपाल जिला प्रशासन ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अनोखी पहल की थी। यहां प्रशासन की ओर से हर बूथ पर लकी ड्रॉ की घोषणा की गई थी।

## रोचक खबरें

### पहियों की जगह लगा दिए धारदार ब्लेड

**बाइक का कारनामा देख लोगों को नहीं हुआ आंखों पर यकीन**

बाइकों के शौकीन अक्सर मोटरसाइकिल को अलग लुक देने के लिए बाइक को मॉडिफाई करवाते ही रहते हैं. यूं तो आजकल बाइक को अलग लुक देने के लिए मॉडिफिकेशन करवाना काफी चलन में है, जिसे लेकर लोगों की दीवानगी देखते ही बनती है. इंटरनेट पर अक्सर ऐसे वीडियो सामने आते रहते हैं, जिसमें कभी कोई बाइक से मीलों की दूरी तय करता नजर आता है, तो कभी कोई अपनी बाइक की खूबी दिखाते हुए उस पर प्यार लुटाते हुए नजर आता है. हाल ही में एक ऐसा ही चौंका देने वाला वीडियो सामने आ रहा है, जिसे देखकर यूजर्स भी हक्के-बक्के रह गए हैं. यकीनन वीडियो में दिख रही बाइक के पहियों को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे।

वीडियो में दिख रही मोटरसाइकिल के पहिए सामान्य पहियों से जरा हटके हैं. देखा जा सकता है कि, वीडियो में दिख रही बाइक के पहिए की जगह धारदार ब्लेड लगाई गई है. वीडियो में इस अजीबोगरीब पहिए वाली बाइक को अलग-अलग जगह दौड़ाकर भी दिखाया जा रहा है. क्या कभी आपने सोचा था कि, ऐसी भी बाइक देखने को मिलेगी, जो बड़े-बड़े धारदार ब्लेड पर भी दौड़ रही है. वीडियो को देखकर हैरानी होना लीजिमी है. वीडियो में एक शख्स धारदार ब्लेड वाले पहियों वाली बाइक को बर्फ पर ही नहीं, बल्कि जमीन पर भी दौड़ाता नजर आ रहा है। वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, आप सोच भी नहीं सकते कि साव ब्लेड इतने जबरदस्त पहिए भी बन सकते हैं. महज 25 सेकंड के इस वीडियो को अब तक 16.5 मिलियन लोग देख चुके हैं, जबकि 81 हजार से ज्यादा लोगों ने इस वीडियो को लाइक किया है. वीडियो पर यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, शानदार लग रहा है. वहीं कई यूजर्स ने इसे खतरनाक बताया।

### अब मिल सकेंगे एलियंस के होने के सबूत

**उल्कापिंड में वैज्ञानिकों को मिले सुराग, डीएनए खोलेगा सारे राज**

एलियंस की खोज सदियों से जारी है. वैज्ञानिक कभी किसी भी अनोखी चीज की पड़ताल से नहीं चूकते हैं जिसमें जरा भी संदेह होता है कि वह एलियन के होने के सबूत हो सकता है. इनमें स्पेस से पृथ्वी पर गिरे उल्कापिंड भी शामिल हैं. अब उन्होंने एक उल्कापिंड में पांच खास डीएनए निष्कर्ष निकाले हैं, जो एलियंस के अस्तित्व की ओर इशारा कर सकते हैं।

इस बात की पुष्टि करना कि हमारे ग्रह से परे जीवन है या नहीं, यह जानने के लिए अब वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष चट्टान के कुछ टुकड़ों का अध्ययन किया है. बाहरी अंतरिक्ष के मलबे के ये टुकड़े पिछली सदी में पृथ्वी पर गिरे थे और इनमें "न्यूक्लियोबेस" हैं, जो आकाशगंगा के पार जीवन का संकेत दे सकते हैं।

वैज्ञानिक अब चट्टानों में पाए जाने वाले पांच प्रमुख घटकों का विश्लेषण कर रहे हैं, जिनमें चट्टानों पर पाए जाने वाले एडेनिन, गुआनिन, साइटोसिन, थाइमिन और यूरैसिल के कोड शामिल हैं. शोधकर्ताओं का कहना है कि सामग्री बाहरी अंतरिक्ष से आई थी या पृथ्वी से टकराने के बाद अंतरिक्ष चट्टान से जुड़ी हुई थी, यह अभी तक पता नहीं है, लेकिन यह खोज वर्तमान में एलियन जीवन के होने के संकेत देती लग रही है. नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के डैनियल ग्लैविन ने बताया कि टीम ने डीएनए और आरएनए और पृथ्वी पर जीवन में पाए जाने वाले सभी आधारों का सेट पूरा कर लिया है, और वे उल्कापिंडों में मौजूद हैं. यह जापान में होक्काइडो विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध पर आधारित है.भू-रसायनज्ञ यासुहिरो ओबा और उनके सहकर्मी तरल उल्कापिंड धूल के विभिन्न रासायनिक पदार्थों को निकालने की एक तकनीक लेकर आए थे।

### ये है दुनिया की सबसे बड़े गाल वाली महिला

**10 साल में बिलकुल बदल गई है सूरत, लोग बोले, ये क्या किया?**

खूबसूरत लगने के लिए कई महिलाएं और खास तौर पर फिल्म उद्योग से जुड़ी महिला कलाकार खास तरह की सर्जरी कराती हैं. कोई अपने होठ बड़े करने के लिए ऐसा करता है तो कोई अपने फिगर के लिए. लेकिन कई बार सौंदर्य बढ़ाने के लिए की गई इस कवायद में मामला उल्टा ही पड़ जाता है. ऐसा ही एक प्रसिद्ध मॉडल के साथ हुआ था जो आज दुनिया के सबसे बड़े गालों वाली महिला के तौर पर पहचानी जाती है।

**नियमित रूप से गुदवाती है टैटू**

अनास्तासिया पोक्रेशचुक नाम की मशहूर मॉडल का लुक हमेशा इतना आकर्षक नहीं होता था. उन्होंने अपने अनोखे चीकबोन्स के कारण अपने लिए नाम कमाया है. अपने चेहरे के चरम आकार को निखारने के लिए वह नियमित रूप से टैटू गुदवाती है. लेकिन दस साल पहले यूक्रेनी प्रभावशाली व्यक्ति का लुक कहीं अधिक प्राकृतिक था. उन्होंने अपने घुंघराले भूरे बालों को अपनाया और मेकअप के प्रति कम रुख अपनाने को प्राथमिकता दी।

**और गोरी हो गई हैं अनास्तासिया**

तब से, 36 वर्षीय महिला गोरी हो गई है, उन्होंने अपने होंठ बड़े कर लिए हैं, अपने गालों पर इंजेक्शन लगाया है और कई अजीब सौंदर्य उपचार अपनाए हैं. उनका बदलाव कितना नाटकीय रहा है, यह दिखाने के लिए उन्होंने इंस्टाग्राम पर पहले और बाद की तस्वीरें साझा की हैं। पोस्ट का शीर्षक था, "26 और 35, पहली तस्वीर में कोई हयालूरोनिक एसिड नहीं है." और लोग इस नाटकीय बदलाव से दंग रह गए, जिनमें से 16,600 से अधिक लोगों ने तस्वीरें पसंद कीं. अनास्तासिया के चेहरे के विकास पर उसके फॉलोअर्स की मिली जुली प्रतिक्रियाएं आई हैं. जहां कुछ लोगों को उनका सर्जरी से हुआ बदलाव पसंद आया, वहीं दूसरों ने कम प्रशंसा की।

## 12वीं की परीक्षा में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 96.99 प्रतिशत छात्र पास

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के मुताबिक सीबीएसई 12वीं कक्षा की परीक्षा में दिल्ली के सरकारी स्कूलों का परिणाम 96.99 प्रतिशत रहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीबीएसई 12वीं कक्षा की परीक्षा में दिल्ली के सरकारी स्कूलों का परिणाम शानदार रहा है। यह न केवल पिछले वर्ष के हमारे अपने प्रदर्शन से बेहतर है, बल्कि दिल्ली के स्कूलों का रिजल्ट सीबीएसई के राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकल गया है।

दिल्ली सरकार के स्कूलों में वर्ष 2022-23 में 91.59 प्रतिशत रिजल्ट था, जो इस वर्ष 2023-24 में बढ़कर 96.99 प्रतिशत हो गया है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि 2023-24 के लिए सीबीएसई कक्षा 12 के राष्ट्रीय परिणाम का औसत 87.98 प्रतिशत है, वहीं, दिल्ली सरकार के स्कूलों ने 96.99 प्रतिशत रिजल्ट दिया है। इस प्रदर्शन के लिए सभी छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और पूरे शिक्षा विभाग को बधाई। इस बार सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में कुल 16 लाख 21 हजार 224 छात्र शामिल हुए थे, जिनमें से 87.98 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। बोर्ड के मुताबिक पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष 0.65 फीसदी अधिक छात्र पास हुए हैं। बोर्ड परीक्षाओं में कुल 1,22,170 छात्रों की कंपार्टमेंट आई है। सीबीएसई 12वीं में 24,068 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या करीब 1.48 प्रतिशत है। वहीं, 7 प्रतिशत से अधिक छात्र 90 फीसदी से अधिक अंक लाने में सफल रहे।

## अभिजीत गांगुली ने हाईकोर्ट में लगाई याचिका, हत्या के प्रयास के मुकदमे को बताया फर्जी

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय में पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गांगुली जो कि तामलुक लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार भी है, उन्होंने पुलिस के खिलाफ याचिका दायर की। जिसमें उन्होंने पुलिस का उन पर हत्या के प्रयास करने का आरोप पर मुकदमा फर्जी बताया। कोलकाता के तामलुक सीट से भाजपा ने पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गांगुली को मैदान में उतारा। उन पर हाल ही में पुलिस ने धारा 307 के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। इस मुकदमे के खिलाफ पूर्व न्यायाधीश ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। जिसमें उन्होंने शिकायत की है कि पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर अत्यधिक कार्रवाई की है। सोमवार को उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति जय सेन गुप्ता की अदालत में याचिका दायर की। मंगलवार को इस याचिका पर सुनवाई की जाएगी। पूर्व न्यायाधीश के वकील राजदीप मजूमदार ने पुलिस पर अधिक कार्रवाई का आरोप लगाया।

## सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के अधिकारियों को लगाई फटकार, कहा-राजनीति न हो

### दिल्ली के कचरे का उचित निपटारा मामला

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में कचरे का कानून के तहत उचित तरीके से निपटान नहीं किया जा रहा है। कचरे का उचित निपटारा नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई। साथ ही स्थिती पर खेद जताया।

इससे पहले शीर्ष अदालत ने पाया था कि राजधानी में रोज निकलने वाले 11,000 टन ठोस कचरे में से 3,000 टन का कानून के तहत उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है।

**कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए**

जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) समेत कई प्राधिकारों की ओर से पेश वकीलों से पूछा कि इसका समाधान क्या है। पीठ ने कहा कि कचरे का उचित निपटारा मामला दिल्ली के लिए काफी महत्वपूर्ण है और इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं होनी चाहिए।

**22 अप्रैल को सामने आई थी चौंकाने वाली बात**

पीठ ने कहा कि मामले में सुनवाई समाप्त हो चुकी है। लेकिन फिर से सुनवाई होगी। इस मामले पर 22 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने कहा था कि यह चौंकाने वाली बात है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम, 2016 को अस्तित्व में आए आठ साल बीत जाने के बाद भी दिल्ली में इसका पूरी तरह से पालन नहीं हो रहा है। कोर्ट ने कहा था कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की रिपोर्ट से साफ है कि दिल्ली से रोजाना औसतन 11,000 टन ठोस कचरा निकलता है, जिसमें से हर दिन सिर्फ 8,000 टन का ही निपटारा हो पाता है। कोर्ट ने कहा था कि इससे साफ है कि राजधानी में हर रोज 3,000 टन ठोस कचरे का कानून के तहत निपटान नहीं किया जाता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली छावनी बोर्ड को नोटिस जारी किया था और जवाब देने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण पर निगरानी के लिए गठित एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन (सीएक्यूएम) की एक रिपोर्ट पर विचार करते हुए कहा था कि यह एक गंभीर मुद्दा है।

## सरकार पर संकट के बाद एक्शन में आरएसएस

### सीएम और पूर्व सीएम के साथ आपात बैठक में की चर्चा

पानीपत, 13 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोकसभा चुनाव के दौरान हरियाणा के ताजा राजनीतिक समीकरणों को लेकर आपात बैठक ली है। इसमें आरएसएस के बड़े नेताओं ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अलावा राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने हर विषय पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि आरएसएस ने बैठक में चुनाव समीकरण पर चिंता जाहिर की और प्रदेश का चुनाव अपने हाथ में लेने की बात कही। संघ से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं ने भी सुनवाई न होने की बात कही। दो घंटे तक चली बैठक के बाद सीएम और पूर्व सीएम वापस चले गए।

**सेवा साधना केंद्र में हुई बैठक**

आरएसएस ने आपात बैठक रविवार रात को समालखा के पट्टीकल्याणा स्थित सेवा साधना केंद्र में हुई। इसमें आरएसएस के कई बड़े नेता पहुंचे। बैठक में तीन दिन पहले पंचकूला में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक की रिपोर्ट सबके सामने रखी गई। जिसमें साफ कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रदेश में सभी 10 सीटों पर जीत मिली थी। इस बार भी सभी 10 सीटों पर जीत का दावा किया जा रहा था, लेकिन समीकरण अपेक्षाकृत नहीं आ रहे हैं। रोहतक और सिरसा सीट पर जबरदस्त मुकाबला बताया जा रहा है। बाकी आठ सीटों पर भी लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। सीएम नायब सिंह सैनी और पूर्व सीएम मनोहर लाल ने अपनी बात रखी। इनके अलावा प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया और चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने भी अपने सुझाव रखे। संघ ने सभी 10 सीटों को खुद संभालने का फैसला लिया। यहां संघ कार्यकर्ता पहुंचेंगे।

**सांसद नहीं पहुंचे, बाकी को लौटाया**

संघ की बैठक में करनाल लोकसभा के सांसद संजय भाटिया नहीं पहुंचे। पार्टी ने उनका टिकट काटकर करनाल से पूर्व सीएम मनोहर लाल को टिकट दिया है। इनके अलावा प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता समेत कई नेताओं को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया। यहां तय लोग ही बैठक में शामिल हुए। बताया जा रहा है कि कई स्थानीय कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए। उन्होंने बैठक में सरकार में कार्यकर्ताओं के काम न होने और उनकी नाराजगी का बड़ा कारण बताया। भाजपा की प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि संघ की बैठक रविवार रात को पानीपत में हुई है। वह बैठक में शामिल नहीं थी।

## सीएम सुक्खू ने भाजपा पर साधा निशाना

शिमला, 13 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि चारों संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए हैं। नामांकन के बाद अब जनता की अदालत में जाएंगे।

सोमवार को शिमला संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी के नामांकन के बाद मुख्यमंत्री सुक्खू ने पत्रकारों ने बातचीत में कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं। यह चुनाव लोकतंत्र के भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है, देश की राजनीति को दिशा देने का चुनाव है। सुक्खू ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा ने जनता की भावनाओं का सौदा किया और 14 महीने पुरानी सरकार को नोट के दम पर गिराने और सत्ता हासिल करने की कोशिश की, चुनाव में इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएंगे। कहा कि जयराम ठाकुर का गणित कमजोर है। हिमाचल विधानभा में 62 का हाउस है। इनमें से 34 विधायक हमारे पास हैं। 25 भाजपा के पास हैं। यदि छह बागी चुनाव जीत भी जाते हैं तो भी भाजपा के पास 31 विधायक ही होंगे। निर्दलीय विधायकों की तीन सीटों पर चुनाव कब होंगे, यह अभी तय नहीं। ऐसे में पांच साल तक जयराम सत्ता के सपने ही देखते रहेंगे। पांच साल बात जनता तय करेगी कि सरकार किसकी बनेगी।

## जलवायु परिवर्तन : दुनिया में 2,000 प्रजातियां थीं जुगनुओं की, अब एक चौथाई ही बचीं

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। पहले के मुकाबले जुगनुओं का दिखना कम हो गया है और अब वे दूर-दराज के कुछ क्षेत्रों में सिमट गए हैं। एक अध्ययन के अनुसार, अंधेरी रात में एक साथ चमकते इन अलौकिक जीवों को निहारने का मौका लगता है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को नहीं मिलेगा।

दुनिया में जुगनुओं की करीब 2,000 प्रजातियां थीं, लेकिन अब एक चौथाई ही बची हैं और उनकी भी संख्या लगातार घटती जा रही है। इस अध्ययन में पेन स्टेट विवि, केंटकी विवि, अमेरिकी कृषि अनुसंधान सेवा विभाग और बकनेल विवि से जुड़े शोधकर्ता शामिल हैं। अध्ययन में फायरफ्लाई एटलस की मदद से किए गए 24,000 से अधिक सर्वेक्षणों का विश्लेषण किया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, पर्यावरण से जुड़े विभिन्न कारकों से जुगनू प्रभावित हो रहे हैं। इनमें थोड़े समय के लिए रहने वाले मौसम से लेकर लंबे में समय में जलवायु में होने वाले बदलाव तक शामिल हैं। तेजी से फैलते शहर, गहन कृषि और जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता को प्रभावित करते हैं।

**गर्म होती धरती से खो रहा प्रजनन के लिए आदर्श वातावरण**

अध्ययन के अनुसार, जुगनू समशीतोष्ण परिस्थितियों में पनपते हैं। गर्मियों में नम और आंशिक गर्म परिस्थितियां उनके प्रजनन के लिए आदर्श वातावरण पैदा करती हैं, जबकि सर्दी का मौसम अंडे, लार्वा और प्यूपा जैसे चरणों में जुगनुओं के विकास में मददगार होता है। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान में इजाफा हो रहा है और धरती गर्म हो रही है, इसमें जुगनुओं का पनपना कठिन होता जा रहा है। इसी तरह बारिश के पैटर्न में आ रहा बदलाव भी जुगनुओं को प्रभावित कर रहा है।

**कृत्रिम प्रकाश का भी असर**

कृत्रिम रोशनी जुगनू के वयस्क और लार्वा दोनों चरणों को प्रभावित करती है। मिट्टी में रहने वाले इनके लार्वा प्रकाश के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं, ऐसे में कृत्रिम प्रकाश उनके विकास चक्र और जीवित रहने की दर को प्रभावित करता है। तेजी से हो रहा शहरी विकास भी इनके लिए खतरा पैदा कर रहा है। ऊंची इमारतों, सड़कों और अन्य तरह के निर्माण जुगनुओं के प्राकृतिक आवास पर अतिक्रमण कर रहे हैं। इनकी वजह से जुगनुओं का प्रजनन क्षेत्र सिमट रहा है जो जुगनुओं की आबादी के लिए खतरा पैदा कर रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद



युविचार

जो व्यक्ति कभी हार नहीं मानता, वही सफलता का स्वाद चखता है।

# हैदराबाद में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न, डीईओ ने कई केन्द्रों का निरीक्षण किया : जिला निर्वाचन अधिकारी

## रोनाल्ड रॉस ने माधापुर में अपने मताधिकार का प्रयोग किया

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा कि जिले में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। उन्होंने कहा कि सोमवार को हैदराबाद, सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र और सिकंदराबाद छावनी विधानसभा क्षेत्र की सीमा के भीतर सभी मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, कुछ मतदान केंद्रों पर मॉक पोलिंग के दौरान कुछ समस्याएं उत्पन्न हुईं और उन्हें संबंधित इंजीनियरों की मदद से तुरंत ठीक कर लिया गया। सोमवार सुबह जिला निर्वाचन अधिकारी मुगलपुरा हरीबावली ने रायफायम स्कूल में बनाए गए मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान प्रक्रिया का निरीक्षण किया। अधिकारियों को कई निर्देश दिये गये। रोनाल्ड रॉस ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ वेंकटेश्वर फाइन आर्ट्स कॉलेज, माधापुर के मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय (जीएचएमसी मुख्यालय) में स्थापित नियंत्रण कक्ष से वेबकास्टिंग के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया की निगरानी की गई। उन्होंने अधिकारियों को उन मुद्दों के बारे में सचेत किया जो उनके ध्यान में आए। मतदाता हेल्पलाइन शिकायत केंद्र और एमसीसी केंद्र में कर्मचारियों के प्रदर्शन का निरीक्षण किया गया। उन्होंने पूछा कि क्या कोई शिकायत है। संबंधित कर्मियों को सतर्क रहने का आदेश दिया गया। डीईओ ने बताया कि जिले में मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई। जिले में सिकंदराबाद, हैदराबाद, संसद और सिकंदराबाद छावनी विधानसभा उपचुनाव हुए। पूरे जिले में 3986 मतदान केंद्रों पर 45 लाख 91 हजार 201 वोट पड़े। हैदराबाद संसदीय क्षेत्र में 1944 मतदान केंद्रों पर 22,17,9054 मतदाता, सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र में 1810 मतदान केंद्रों पर 21,20,401 मतदाता और सिकंदराबाद छावनी उपचुनाव में 232 मतदान केंद्रों पर 2,53,706 मतदाता हैं। 13 मई को मतदान के दौरान हैदराबाद संसदीय क्षेत्र में शाम 5 बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र में 39.17 प्रतिशत, कैंटोनमेंट निर्वाचन क्षेत्र में 42.48 प्रतिशत और कैंटोनमेंट निर्वाचन क्षेत्र में 47.88 प्रतिशत वोट पड़े। पूरी जानकारी रात तक मिलने की संभावना है। मतदान संपन्न होने के बाद इन वी के साथ मतदान कर्मी पूरे साजो-सामान के साथ सेक्टर पदाधिकारी के साथ उस विधानसभा क्षेत्र में बनाये गये रिसेप्शन सेंटर पर सुरक्षित पहुंच गये। वहां सेक्टरवार काउंटरों पर डाले गए वोटों की पूरी जानकारी लेने और चुनाव नियमों के मुताबिक रिपोर्ट देने के बाद घर जाने के लिए मुफ्त बस सुविधा की व्यवस्था की गई। इसके अलावा, मतदान अधिकारियों को डीआरसी केंद्र में भोजन और आवास प्रदान किया गया।

# मोदी विरोधी लहर से सरकार बनने में मदद मिलेगी : सीएम रेवंत

कोडांगल, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि पूरे देश में मोदी विरोधी लहर है, जिससे इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन सरकार बनने में मदद मिलेगी। सोमवार को विकाराबाद जिले के कोडंगल में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज से खुश नहीं है और इस बार केंद्र में भाजपा सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है। रेवंत रेड्डी ने कहा, भाजपा अब देश भर में केवल 336 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है। लेकिन, उसे 400 सीटें कैसे मिल सकती हैं? कांग्रेस पार्टी और भारत गठबंधन आने वाले दिनों में चल रहे लोकसभा चुनावों के बाद सत्ता में आएंगे और देश पर शासन करेंगे। उन्होंने कहा, देश में कोई धार्मिक आधार पर आरक्षण नहीं है और इसे सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के आधार पर लागू किया जा रहा है। मोदी आरक्षण पर लोगों से झूठ बोल रहे हैं और समुदाय के एक वर्ग को भड़काकर देश को गुमराह कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि तेलंगाना में लोकसभा चुनाव कांग्रेस सरकार के सौ दिनों के शासन पर एक जनमत संग्रह है और उन्होंने विश्वास जताया कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में 33.5 प्रतिशत वोट पाने वाली कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनावों में अधिकांश सीटें जीतकर अधिक प्रतिशत वोट हासिल करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा तेलंगाना राज्य में कानून और व्यवस्था को नष्ट करने और निवेश को गुजरात में स्थानांतरित करने की साजिश कर रही है। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया, भाजपा नेता तेलंगाना में उत्तर प्रदेश की स्थिति लाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि ऋण माफी कोई असंभव कार्य नहीं है और उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस सरकार 15 अगस्त तक 2 लाख रुपये के कृषि ऋण माफ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# हरीश ने सिद्दीपेट में अपना वोट डाला

सिद्दीपेट, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक हरीश राव ने आज सिद्दीपेट शहर के भारत नगर एंबिटस स्कूल में मतदान केंद्र संख्या 114 पर अपने परिवार के साथ मतदान करने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर बोलते हुए हरीश राव ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ भारत नगर में अपने वोट के अधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि लोग पूरे राज्य में मतदान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और कहा कि पहले से कहीं अधिक शहरों में मतदान में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि सवाल उठाने वाली आवाज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुद्धिजीवियों और शिक्षित लोगों को मतदान में भाग लेना चाहिए और कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सभी को मतदान में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने वोट के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

## लोकतंत्र के लिए जीवन आधार के समान : पार्थ सारथी

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य चुनाव आयोग के अधिकारी सी. पार्थ ने मतदाताओं से संसदीय चुनाव में अपने शक्तिशाली मतदान हथियार का उपयोग करने का आह्वान किया। पार्थसारधि ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ बंजारा हिल्स में दिल्ली पब्लिक स्कूल में स्थापित मतदान केंद्र में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एक सामान्य मतदाता के रूप में लाइन में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद उन्होंने कहा, हमारा वोट लोकतंत्र के लिए जीवन आधार के समान है। हमें याद रखना चाहिए कि वोट ही पांच साल में हमारा भविष्य तय करेगा। वर्तमान में विभिन्न कारणों से युवाओं की मतदान में रुचि कम होती जा रही है। बहुत से लोग सोचते हैं, "क्या होगा अगर मैं किसी को वोट नहीं दूंगा...क्या नहीं"। पानी की सभी बूंदें एक साथ मिल जाएं तो सागर बन जाता है और जब सब वोट करें तभी असली लोकतंत्र बनता है। इसके अलावा आपका वोट आपकी आवाज है।

## लोकसभा चुनाव में शाम 5 बजे तक 61.16 प्रतिशत मतदान

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में लोकसभा चुनाव में शाम 5 बजे तक 61.16 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे समाप्त हो गया, कुछ स्थानों को छोड़कर जहां मतदान दो घंटे पहले समाप्त हो गया। अधिकारियों के अनुसार, मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। आदिलाबाद विधानसभा क्षेत्र में 69.81 प्रतिशत मतदान हुआ, इसके बाद भुवनगिरी में 72.34 प्रतिशत, चेवेल्ला में 53.15 प्रतिशत, हैदराबाद में 39.17 प्रतिशत, खम्मम में 67.67 प्रतिशत, महबूबाबाद में 68.60 प्रतिशत, महबूबनगर में 68.40 प्रतिशत, मलकाजगिरी में 46.27 प्रतिशत, मेदक में 71.33 प्रतिशत, नागरकर्नूल में 66.53 प्रतिशत, नलगोंडा में 70.36 प्रतिशत, निजामाबाद में 67.96 प्रतिशत, पेड्डापल्ली में 63.86 प्रतिशत, सिकंदराबाद में 42.48 प्रतिशत, वारंगल में 64.08 प्रतिशत और जहीराबाद में 71.91 प्रतिशत मतदान हुआ।

सीपी हैदराबाद कोट्टाकोटा श्रीनिवास रेड्डी ने पुराने शहर में मतदान केंद्र का निरीक्षण किया।

# मुख्यमंत्री रेवंत, बीआरएस प्रमुख केसीआर, अन्य राजनीतिक नेताओं ने वोट डाला

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना के मंत्रियों ने लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ महबूबनगर निर्वाचन क्षेत्र के कोडंगल में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अपने परिवार के साथ मदीरा शहर के सुंदरय्या नगर में एक प्राथमिक विद्यालय में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने सिद्दीपेट जिले के अपने पैतृक गांव चिंतामदका में अपना वोट डाला। भाजपा तेलंगाना राज्य इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने हैदराबाद के बरकतपुरा में दीक्षा मॉडल हाई स्कूल में अपना वोट डाला।

मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और विधायक पद्मावती दंपति ने कोदडा शहर के नयानगर स्कूल में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस बीच, पंचायत राज मंत्री दानसारी सीताक्का ने मुलुगु जिले के जगन्नापेट गांव में मतदान किया। इसी तरह, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ हैदराबाद के नंदी नगर में जीएचएमसी सामुदायिक भवन में मतदान किया।

हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद वलीउल्लाह समीर ने जुबली हिल्स में अपना वोट डाला। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और पोन्नम प्रभाकर, करीमनगर भाजपा उम्मीदवार बंडी संजय, टीपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु यशकी गौड़ उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने तेलंगाना राज्य भर में अपने-अपने क्षेत्रों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

## केटीआर ने हैदराबाद में अपने परिवार के साथ वोट डाला

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज कहा कि चुनाव पांच साल में एक बार सरकार चुनने का एक दुर्लभ अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान ने यह तय करने का एक बड़ा अवसर दिया है कि लोग किस तरह की सरकार चाहते हैं। केटीआर ने शहर के बंजारा हिल्स के नंदीनगर में जीएचएमसी सामुदायिक हॉल में अपने बेटे हिमांशु और पत्नी शैलिमा के साथ मतदान किया। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने सभी से बाहर आने और मतदान के अधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने उन्हें अच्छी सरकारों, अच्छे नेताओं और लोगों के मुद्दों का प्रतिनिधित्व करने वालों को वोट देने की सलाह दी। उन्होंने आलोचना की कि तीन अधिकारियों वाली सरकार बिजली कटौती को दूर करने के लिए मतदान केंद्रों पर जनरेटर लगाने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि केसीआर उस पार्टी के नेता हैं जिसने तेलंगाना को जन्म दिया और उन्होंने तेलंगाना और तेलंगाना के भविष्य के लिए वोट दिया।

तेलंगाना लोक सभा चुनाव संपन्न होने के बाद प्रसन्न मुद्रा में सीईओ, तेलंगाना विकास राज, संयुक्त सीईओ सरफराज अहमद अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ।

## तेज रफ्तार टीएसआरटीसी बस ने टिफिन सेंटर को टक्कर मारा, तीन की मौत

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव जिले के रघुनाथपल्ली में आज सुबह टीएसआरटीसी गरुड़ बस के मोबाइल टिफिन सेंटर से टकराने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरटीसी गरुड़ बस ने रघुनाथपल्ली राजमार्ग पर एचपी पेट्रोल पंप पर मोबाइल टिफिन सेंटर को टक्कर मार दी, जिससे वहां टिफिन खा रहे तीन लोगों की मौत हो गई। घायल हुए कुछ अन्य लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## जनगांव में लाठीचार्ज के विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया

जनगांव, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गनुगापहाड़ गांव में सोमवार को एक बूथ पर वोट डालने आये लोगों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किये जाने के बाद कुछ देर के लिए तनाव व्याप्त हो गया।

ग्रामीणों ने पुलिस के अभद्र व्यवहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। हालांकि, पुलिस ने आरोपों का खंडन किया और कहा कि उन्होंने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया क्योंकि मतदान केंद्र के आसपास धारा 144 लागू थी।

## भाजपा ने सीएम रेवंत की टिप्पणियों के खिलाफ सीईओ के समक्ष शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राज्य महासचिव बंगारू श्रुति ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, तेलंगाना राज्य, बी.आर.के. भवन, हैदराबाद के समक्ष मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ आर.पी. अधिनियम की धारा 126 के तहत शिकायत दर्ज कराई। बंगारू श्रुति ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महबूबनगर संसदीय क्षेत्र के कोडंगल में अपना वोट डालने के बाद चल रहे चुनावों के संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 126 के तहत मौन अवधि नियम के तहत सख्त वर्जित है और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई कुछ टिप्पणियां इस प्रकार हैं: लोगों ने भाजपा को वोट न देने का फैसला किया है। मैं सभी मतदाताओं से महबूबनगर में कांग्रेस को वोट देने का आग्रह करता हूं। जादुई आंकड़ा भाजपा के लिए एक सपना है। मोदी और ईडी की जोड़ी तेलंगाना में काम नहीं करने वाली है। भाजपा का ग्राफ काफी नीचे गिर गया है। बंगारू श्रुति ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, ये टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हैं और इन पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

## रायबरेली में सीएम योगी बोले

# राहुल वोट मांगते हैं रायबरेली से और समर्थन मिलता है पाकिस्तान से

रायबरेली, 13 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को रायबरेली के सरेनी पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा कर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को लोकसभा चुनाव में कमल के फूल पर बटन दबाकर विजयश्री दिलाने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि अबकी बार-400 पार में रायबरेली भी रहेगा, क्योंकि यह अवध केसरी और अयोध्या की पावन धरा का क्षेत्र है। सीएम ने कहा कि पुलवामा में भारत के जवान शहीद हुए थे। पाकिस्तान का मंत्री उस घटना का समर्थन कर रहा था। वह मंत्री आज रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में बयानबाजी करता है। आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं। वे रहेंगे हिंदुस्तान में, वोट मांगेंगे रायबरेली से और समर्थन मिल रहा है पाकिस्तान से। सीएम ने विश्वास जताया कि जिसका समर्थन पाकिस्तान कर रहा है, रायबरेली उसका समर्थन नहीं करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने रायबरेली के बालेश्वर मंदिर में दर्शन-पूजन का भगवान शिव का आशीर्वाद भी लिया।

**कांग्रेस का न्याय पत्र भारत के प्रति साजिश का दस्तावेज**

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जो न्याय पत्र जारी किया है, वह भारत के प्रति अन्याय पत्र है। यह भारत के प्रति साजिश का दस्तावेज है। इसमें कांग्रेस गरीबी हटाने की बात कह रही है। दादी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था, आज तक पोता वही रट रहा है। वे बता रहे कि गरीबी हटाने के लिए संपत्ति का एक्सरे कराकर विरासत टैक्स लगाएंगे। आपके पूर्वजों की संपत्ति पर कांग्रेस की नजर है।

**राहुल गांधी को आतंकियों से नहीं, हिंदुओं से डर लगता है**

सीएम ने कहा कि कांग्रेस व सपा का गठबंधन देश के लिए खतरनाक है। दो युवाओं की जोड़ी धोखेबाज है। यह कह रहे हैं कि जीतेंगे तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो फिर छूटेंगे। यह लोग देश-प्रदेश के साथ अन्याय करने आ रहे हैं। राहुल गांधी उप्र के बाहर प्रदेश और भारत के बाहर देश की निंदा करते हैं। 2010 में यूपीए सरकार के समय अमेरिका के अधिकारी से कहा था कि भारत के अंदर आईएसआई, मुस्लिम कट्टरपंथियों, आतंकियों से नहीं, हिंदुओं से डर है। हिंदुओं को बदनाम करने वाले राहुल हिंदुओं से वोट मांगते हैं। यह जाति के नाम पर लड़ाएंगे, फिर आरक्षण को मुसलमानों में बंटरबांट करेंगे।

**कांग्रेस को चेताया, गाय हमारी माता है-जनम जनम का नाता है**

सीएम ने कांग्रेस को खानपान की स्वतंत्रता की बात पर चेताया, बोले कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक का भोजन एक ही है, लेकिन एक जगह उनके विचार बदल जाते हैं। वे जान लें कि गो हमारी माता है, जनम-जनम का नाता है। इसे काटोगो तो दो-दो हाथ हो जाएगा। कांग्रेस गोहत्या की छूट दे रही है। उन्होंने चेताया कि कांग्रेस के राम जन्मभूमि का पुण्य पाप में बदल जाएगा। सीएम ने अपील की कि कांग्रेस के इस पाप में नहीं पड़ना है। कांग्रेस देश के लिए खतरनाक खेलने जा रही है। देश उन्हें पहले ही बाहर का रास्ता दिखा चुका है।

**सीएम ने जनसभा से पहले बालेश्वर मंदिर में किया दर्शन-पूजन**

रायबरेली के सरेनी में जनसभा से पहले योगी आदित्यनाथ बालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से बाबा के दर्शन-पूजन किए। सीएम ने सुखी-समृद्धि उत्तर प्रदेश की कामना की तो बाबा से रायबरेली की जीत का भी आशीर्वाद लिया। सीएम योगी के साथ यहां रायबरेली से भाजपा प्रत्याशी व प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि इसके पहले रविवार को काशी दौरे पर रहे योगी आदित्यनाथ ने वहां काशी विश्वनाथ और काल भैरव के दर्शन-पूजन भी किए थे। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने रामसेतु को तोड़ने का कार्य किया था।

# ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप पर पुलिस से भिड़ा भाजपा कार्यकर्ता

## सेल्फी को लेकर मतदाता का विवाद

लखीमपुर खीरी, 13 मई (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के निघासन में सोमवार को मतदान के दौरान सिंगाही के बूथ पर सेल्फी लेने को लेकर मतदाता का पुलिस से विवाद हो गया। वहीं चौधरी पुरवा बूथ पर भाजपा कार्यकर्ता की पुलिस से झड़प हो गई। दरअसल, सिंगाही के राजाप्रताप विक्रम शाह इंटर कॉलेज में सिंगाही निवासी महेश अग्रवाल की पत्नी मीनाक्षी अग्रवाल गेट पर खड़ी होकर सेल्फी लेने लगी। इसी बीच एक सिपाही आया और उनसे बाहर जाने को कहा। इस बात को लेकर सिपाही से उनकी काफी नोकझोंक हो गई।

उधर चौधरी पुरवा बूथ संख्या 86 पर भाजपा कार्यकर्ता अनुज वर्मा का सुरक्षा में लगे सिपाहियों से विवाद हो गया। सुरक्षा कर्मियों के मुताबिक सुबह एजेंट बनने से पहले अनुज वर्मा ईवीएम में छेड़छाड़ कर रहे थे, इसको लेकर विवाद हो हुआ। अनुज ने बताया कि बूथ पर मौजूद सिपाही गठबंधन को वोट देने को लेकर दबाव बना रहे थे, इसको लेकर विवाद हुआ। एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि दोनों बूथों पर शांति है। मामूली बात हुई होगी।

**पर्ची न मिलने से वोट डालने को भटके मतदाता**

लखीमपुर खीरी में वोटर पर्ची न मिलने से सोमवार को मतदाताओं को वोट डालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कंट्रोलरूम में भी पर्ची न मिलने की सुबह 11 बजे तक 75 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई। शहर से सटे गांव सलेमपुर कोन में रविवार सुबह करीब नौ बजे कई मतदाता वोट डालने से वंचित दिखे। गोविंद नगर निवासी मतदाता सुजाता ने बताया कि उनको पर्ची नहीं मिली। वोट डालने पहुंची तो लिस्ट में नाम नहीं मिल सका। ऐसे में वह वोट नहीं डाल सकी। दंपती अशोक और पिंकी को भी इसी समस्या से दो-चार होना पड़ा।

इसी तरह गांधी विघालय, राजकीय इंटर कॉलेज, नगर पालिका आदि शहर के करीब 10 से 15 केंद्रों पर यही हाल नजर आया। मैगलगंज में वोटर पर्ची न मिलने से लोगों को वोट डालने के लिए भटकना पड़ा। यही हाल खीरी टाउन के राजकीय बालिका इंटर कालेज बूथ संख्या में 134 पर दिखा। पर्ची नहीं मिली तो वोटर परेशान नजर आए। इसी तरह पलिया, निघासन, गोला, धौरहरा आदि लगभग सभी क्षेत्रों में पर्ची की समस्या ने मतदाताओं को परेशान किया।

# जौनपुर में पत्रकार की गोली मारकर हत्या

जौनपुर, 13 मई (एजेंसियां)। जौनपुर में पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के सबरहद निवासी आशुतोष सोमवार सुबह घर से निकले। घर से 500 मीटर की दूरी पर बाइक सवार 2 बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सीने और पेट में 4 गोलियां लगी। आसपास के लोग आशुतोष को आनन-फानन में अस्पताल लेकर भागे। यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस बारे में अगर आशुतोष की शिकायत सुन ली गई होती तो आज शायद वह जिंदा होते।

**छोटे भाई की पत्नी ने बताई पूरी बात**

आशुतोष के छोटे भाई की पत्नी डॉली श्रीवास्तव ने बताया कि 10 दिन पहले शाहगंज कोतवाली में आशुतोष को बुलाया गया था। पुलिस ने कहा था कि आप घर से न निकलिए। घर में रहिए। आपकी जान को खतरा है। दो शूटर आपको मारना चाहते हैं। इस पर आशुतोष ने कहा कि मैं कब तक अपने घर में रहूंगा। आप मुझे सुरक्षा दे दीजिए। लेकिन, पुलिस ने सुरक्षा नहीं दी।

**नाश्ता करके घर से निकले थे**

छोटे भाई की पत्नी डॉली श्रीवास्तव ने बताया कि आज सुबह 9 बजे आशुतोष ने नाश्ता किया। फिर बुलेट से बाहर निकले थे। जाते समय कहा था कि थोड़ी देर में आकर खाना खाता हूं। लेकिन, कुछ देर बाद ही उन्हें गोली मार दिए जाने की सूचना मिली।

# अफजाल अंसारी के मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई टली, पिता-पुत्री ने किया नामांकन

## 20 मई को अगली सुनवाई

गाजीपुर, 13 मई (एजेंसियां)। गाजीपुर से सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी को गैंगस्टर मामले में मिली चार साल की सजा की सुनवाई को कोर्ट ने सोमवार को टाल दिया है। इसी बीच अफजाल और उनकी बेटी नुसरत अंसारी ने नामांकन किया।

प्रस्तावकों के साथ अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत अंसारी पहले नामांकन करने पहुंची। इसके बाद अफजाल अंसारी अपने प्रस्तावकों के साथ नामांकन करने पहुंचे। अफजाल के मामले में आने वाले फैसले के चलते उम्मीदवारी की अनिश्चितता को लेकर उनकी बेटी ने नामांकन किया है। गाजीपुर लोकसभा सीट पर इस बार रोचक चुनाव होगा। एक जून को होने वाले मतदान के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। उधर, सोमवार को अफजाल अंसारी के मामले में सुनवाई टल गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बहस के दौरान अधिवक्ता जीएस चतुर्वेदी, दयाशंकर मिश्र ने पक्ष रखा। अधिवक्ताओं ने कहा कि अफजाल अंसारी को राजनीतिक रंजिश में फंसाया गया है। उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। घटना के कई साल बाद गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया था। दर्ज मुकदमा फर्जी है। अफजाल अंसारी पांच बार विधायक और दो बार सांसद चुने गए हैं। बिना भेदभाव के लोगों की मदद करते हैं, इसलिए अपने क्षेत्र में लोकप्रिय हैं। न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई को आगे बढ़ाते हुए 20 मई कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अफजाल अंसारी की सजा स्थगित करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट को उनकी अपील पर 30 जून 2024 तक निर्णय लेने का निर्देश दिया था। हाई कोर्ट ने इससे पहले जमानत तो दे दी थी, लेकिन, सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

## मायावती का एलान

# केंद्र की सत्ता में आए तो अलग अवध राज्य की स्थापना करेंगे

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर में आयोजित चुनावी जनसभा में कहा कि केंद्र में बसपा सरकार बनने पर अलग अवध राज्य की स्थापना की जाएगी, जिसमें लखनऊ भी शामिल होगा। उन्होंने कहा भाजपा और आरएसएस मुफ्त राशन देने का प्रचार गांव-गांव जाकर कर रहे हैं। नमक अदा करने के बदले वोट मांग रहे हैं।

जबकि यह राशन जनता के टैक्स के पैसों से बांटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप भाजपा और आरएसएस का नहीं, बल्कि अपना नमक खा रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस और सपा को भी आरक्षण में भेदभाव करने पर घेरा।

# लखनऊ के 4 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

## बच्चों की छुट्टी, पेरेंट्स घबराए; एक ही मेल से आई धमकी

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। लखनऊ के 4 स्कूलों में सोमवार सुबह ई-मेल भेजकर बम होने धमकी दी गई। इनमें गोमतीनगर के विबग्योर, सेंट मैरी, पीजीआई और आलमबाग के एलपीएस स्कूल शामिल हैं। सूचना से स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी। बच्चों को कैंपस से बाहर निकाल दिया। पैरेंट्स को मैसेज भेजकर बच्चों को तुरंत घर ले जाने के लिए कह दिया।

डीसीपी ईस्ट का कहना है कि बम से उड़ाने की धमकी लखनऊ के तीन नहीं, चार स्कूलों दो दी गई थी। ये स्कूल थाना पीजीआई, आलमबाग, गोमतीनगर और विभूतिखंड अंतर्गत आते हैं। सभी जगहों की जांच की गई। किसी भी तरह का संदिग्ध सामान अभी तक मिला है। सभी धमकी एक ही मेल आईडी आई हैं। साइबर एक्सपर्ट्स, एटीएस और पुलिस टीम जांच में जुटी हैं। एनआईए से भी सहयोगा मांगा है।

**अचानक मैसेज देख घबराए परिजन**

पैरेंट्स आदित्य राज सिंह ने बताया सुबह बच्चे को स्कूल भेजा था। 1 घंटे बाद अचानक वॉट्सऐप पर मैसेज आ जाया। लिखा था कि सभी पेरेंट्स स्कूल आ जाएं और अपने-अपने बच्चों को जल्द से जल्द घर ले जाएं। कोई वजह नहीं लिखी थी, इसलिए थोड़ी घबराहट हुई। स्कूल पहुंचे तो काफी भीड़ थी। भगदड़ मची हुई थी। सभी बम होने की बात कर रहे थे।

# ठेकेदार पर अंधाधुंध फायरिंग, हालत गंभीर

मुजफ्फरपुर, 13 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा है, लेकिन इससे पहले बेख़ौफ़ अपराधियों ने सुबह सुबह एक ठेकेदार पर अंधाधुंध फायरिंग की। कई राउंड हुई फायरिंग में एक गोली ठेकेदार के सीने में लग गई, जिसके बाद वह वहीँ जमीन पर गिर पड़े। घटना से पूरे इलाके में मचा हड़कंप गोली की आवाज को सुन कर स्थानीय ग्रामीण मौके पर दौर पड़े और गंभीर रूप में जख्मी ठेकेदार को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया, जहां गंभीर हालत को देखते हुए शहर के निजी अस्पताल के रेफर किया गया।

# मीसा भारती का भारी मतों से जीतना तय, पीएम मोदी को बढ़िया से विदाई देना : लालू यादव

पटना, 13 मई (एजेंसियां)। बिहार की पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से महागठबंधन प्रत्याशी और लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए लालू प्रसाद यादव ने कहा कि इस बार मीसा भारती का भारी मतों से जीतना तय है।

लालू यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन को चुनना है और पीएम मोदी को चुनाव हराना है। उन्होंने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री मोदी और सीएम नीतीश कुमार रोड मार्च करने आए थे। पटना साहिब के लोग तो नहीं निकले, लेकिन, यह दोनों अपना मार्च हुलक-हुलक के करते रहे और राजद पर प्रहार करते रहे। उन्होंने कहा कि इनके प्रहार से हमको कुछ नहीं होने वाला है। इस बार नरेंद्र मोदी जाने वाले हैं, पक्का जा रहे हैं, इनको बढ़िया से विदाई देना है। तेजस्वी का तबीयत खराब है, फिर भी वह आप लोगों के बीच रोज आ रहे हैं। काफी समर्थन मिल रहा है। कार्यकर्ताओं की एकजुटता से हमारा मनोबल बढ़ गया है। पीएम मोदी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि वह आरक्षण और संविधान को खत्म करना चाहते हैं, लेकिन, उन्हें पता नहीं कि यह बाबा भीमराव अंबेडकर का बनाया हुआ संविधान है। जान रहे या जान जाए, देश के संविधान को मिटाने नहीं देंगे।

# लोकसभा चुनाव : 12 मुख्यमंत्रियों के साथ कल नामांकन करेंगे पीएम मोदी, सांसद और विधायक भी रहेंगे मौजूद

वाराणसी, 13 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को देश के 12 मुख्यमंत्रियों के साथ नामांकन करेंगे। इसमें भाजपा शासित और गठबंधन वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों के नाम शामिल हैं। कई मुख्यमंत्रियों का कार्यक्रम भी जिला प्रशासन के पास आ गया है। उसी हिसाब से तैयारियां भी कर ली गई हैं। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी भी रहेंगे।

भाजपा नेताओं के मुताबिक नामांकन में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, राजस्थान के भजन लाल शर्मा, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साह नामांकन में शामिल होंगे। इसके अलावा गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी नामांकन में शामिल होंगे। लोजपा के प्रमुख चिराग पासवान, अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर मौजूद रहेंगे।

**2019 में भी बड़े नेता रह चुके हैं मौजूद**

2014 में नामांकन के तत्कालीन उप्र प्रभारी अमित शाह और रविशंकर प्रसाद व मुख्तार अब्बास नकवी मौजूद रहे थे। वहीं 2019 के नामांकन में तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, मेघालय के मुख्यमंत्री सीके संगमा, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उप्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल, पीयूष गोयल, जेपी नड्डा, लोजपा प्रमुख रामविलास पासवान, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, पूर्व सांसद मनोज सिन्हा, शाहनवाज हुसैन, मनोज तिवारी समेत कई नेता मौजूद रहे थे।

# पीएम मोदी समेत 28 के खिलाफ याचिका दाखिल

**कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट का मामला; वाराणसी एमपी-एमएलए कोर्ट 23 मई को करेगा सुनवाई**

वाराणसी, 13 मई (एजेंसियां)। वाराणसी में पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इसमें सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर भी आरोप लगाए हैं। मामला मानव संरक्षण अधिनियम 1993 के तहत कोर्ट के सामने पेश किया गया है। याचिका अधिवक्ता विकास सिंह ने दाखिल की है। पीएम मोदी के अतिरिक्त 28 और लोगों के खिलाफ याचिका को वाराणसी के जिला एवं सत्र न्यायालय की एसीजेएम कोर्ट ने स्वीकार किया है। दाखिल याचिका में कोरोना महामारी के दौरान लगाई गई वैक्सीन से हो रहे साइड इफेक्ट का दावा किया गया है। याचिका में पीएम समेत कंपनी से जुड़े लोगों को जिम्मेदार बताया गया है।

कोर्ट ने सुनवाई के लिए 23 मई की तारीख तय की है। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी, सीरम इंस्टीट्यूट कंपनी, उसके चेयरमैन, सीईओ, एस्ट्रोजेन कंपनी और उसके चेयरमैन समेत 28 लोगों को पक्षकार बनाया है। वाराणसी में अधिवक्ता विकास सिंह ने 9 मई 2024 को वकील गोपाल कृष्ण के जरिए कोर्ट में आवेदन दिया। इसमें आरोप लगाया गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी, सीरम इंस्टीट्यूट कंपनी, उसके चेयरमैन, सीईओ, एस्ट्रोजेन कंपनी और उसके चेयरमैन समेत 28 विपक्षियों ने कोरोना महामारी में मनमानी की। सभी ने मिलीभगत करते हुए बिना किसी परीक्षण के कोविड शील्ड दवा बनाई। लोगों को भय दिखाया। कोरोना वैक्सीन जबरन लगवाई गई। इससे कंपनियों ने फायदा कमाया।

# पीएम ने पटना साहिब गुरुद्वारे में बनाया खाना, रोटी बेली

## लंगर में बैठे लोगों को परोसा भी; अरदास लगाई, माथा टेका

पटना, 13 मई (एजेंसियां)। बिहार दौरे के दूसरे दिन सोमवार को पीएम मोदी पटना सिटी के तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारे पहुंचे। पीएम ने यहां माथा टेका और अरदास की। यहां प्रसाद खाने के बाद पीएम लंगर वाले एरिया में गए। वहां उन्होंने खाना बनाया। प्रधानमंत्री ने रोटियां भी बेलीं। साथी ही लंगर में लोगों को अपने हाथ से खाना परोसा। पीएम सिर पर पगड़ी पहने हुए थे। वे गुरुद्वारे में करीब 20 मिनट रुके। उनके साथ रविशंकर प्रसाद और अश्विनी चौबे भी थे। यह पहला मौका है, जब कोई पीएम पटना साहिब गुरुद्वारे पहुंचे हैं। पटना साहिब गुरुद्वारे पहुंचने के दौरान सड़क की चौड़ाई कम होने से पीएम का कारकेट फंस गया। बैरिकेडिंग हटाकर कारकेट को आगे निकाला गया। पीएम नरेंद्र मोदी का काफिला आयकर गोलंबर होते हुए राजभवन की ओर निकल गया। जाथेदार बलदेव सिंह ने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है जब पटना सिटी स्थित गुरुद्वारे में कोई प्रधानमंत्री आए हैं। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर पटना सिटी में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पीएम के कार्यक्रम को लेकर सिख समुदाय के लोगों में काफी उत्साह दिखा। तख्त श्री हरविंदर साहिब गुरुद्वारा को रंग रोगन के साथ दुल्हन की तरह सजाया गया था। इससे पहले पीएम मोदी पटना के इको पार्क पहुंचे। इसको लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

# 'जिनके पीछे ईडी पड़ी है उन नेताओं को ना दें वोट'

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने सोमवार को कभी अपने शिष्य कहे जाने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला है। अन्ना ने वोटर्स से अपील की है कि देश की चाबी सही हाथों में दी जानी चाहिए, वरना यह देश नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि सही प्रत्याशी का चुनाव करें और उन लोगों को ना चुने जिनके पीछे ईडी लगी हुई है। अन्ना हजारे ने कहा कि आज लोकतंत्र का एक बहुत ही बड़ा उत्सव मनाया जा रहा है और सभी को इसमें अपनी हिस्सेदारी निभानी चाहिए। अन्ना ने आगे कहा कि चरित्रवान और ईमानदार व्यक्ति के पक्ष में मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की चाबी केवल वोटर्स के ही हाथों में होती है और इसे सही हाथों में देकर सही तरीके से चुना जाना चाहिए।

**अन्ना हजारे ने केजरीवाल पर बोला हमला**

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि जिनकी छवि बिल्कुल साफ है ऐसे ही उम्मीदवारों को चुनें। उन लोगों को बिल्कुल भी ना चुनें जिनके पीछे प्रवर्तन निदेशालय की टीम लगी हुई है। अन्ना ने केजरीवाल को टारेगट करते हुए कहा कि मैं दिल्ली के शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल के नाम आने की कड़ी आलोचना करता हूं। उन्होंने यह भ्रष्टाचार इस वजह से किया क्योंकि वह शराब की लत में डूब हुए हैं। ऐसे लोगों को दोबारा से नहीं चुना जाना चाहिए। बता दें कि अन्ना हजारे इससे पहले भी कई मौकों पर अरविंद केजरीवाल को निशाना बना चुके हैं।

**अन्ना और केजरीवाल की राहें कब हुई जुदा**

गौरतलब है कि 2011 में लोकपाल बिल के लिए अन्ना हजारे का ऐंटी करप्शन आंदोलन में आम आदमी पार्टी मुखिया ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। हालांकि बाद में केजरीवाल ने अलग रास्ता अख्तियार करते हुए अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई। इसके बाद अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर अपनी सरकार बनाई और मुख्यमंत्री बने।

इसके बाद से ही अन्ना हजारे और सीएम अरविंद केजरीवाल की राहें जुदा हो गईं। बता दें कि अन्ना हजारे पहले भी शराब घोटाले को लेकर केजरीवाल पर हमला बोल चुके हैं। उनका कहना था कि केजरीवाल जैसे शख्स का शराब नीति को बनाना बेहद ही दुखद काम है।

## ईवीएम के स्ट्रांगरूम का सीसीटीवी 45 मिनट तक बंद होने का आरोप राकांपा (सपा) भड़की

पुणे, 13 मई (एजेंसियां)। बारामती लोकसभा क्षेत्र के ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम का सीसीटीवी कथित तौर पर लगभग 45 मिनट तक बंद रहा। इस घटना पर विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने विरोध जताया है। बारामती लोकसभा सीट के लिए राज्य के 10 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के साथ सात मई को मतदान हुआ था। चार जून को होने वाली मतगणना के लिए निर्वाचन क्षेत्र के सभी ईवीएम को स्ट्रॉन्गरूम में रखा गया है। राकांपा (सपा) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार सुबह स्ट्रॉन्गरूम में लगे सीसीटीवी को बंद पाया। कुछ गड़बड़ होने की आशंका होने पर उन्होंने हंगामा खड़ा कर दिया। मामले की शिकायत संबंधित अधिकारियों और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से की। बारामती सीट से अपनी भाभी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा ए.पवार के खिलाफ चुनाव लड़ रहीं राकांपा (सपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने इस घटनाक्रम पर नाराजगी जताई।

*महिला लोको पायलट की पीड़ा*

## वॉशरूम ब्रेक के लिए पीटना पड़ता है ढिंढोरा

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। देशभर में घर-घर शौचालय बनने से खासकर गांवों में महिलाओं की स्थिति भले ही बेहतर हुई हो, लेकिन महिला लोको पायलट के लिए वॉशरूम ब्रेक लेना किसी पीड़ा से कम नहीं है। महिला ट्रेन चालकों को इसके लिए वॉकी-टॉकी पर संदेश भेजना पड़ता है, जो स्टेशन मास्टर से लेकर नियंत्रण कक्ष तक कई लोगों के पास पहुंचता है और फिर किसी उपयुक्त स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर उन्हें टॉयलेट जाने की सुविधा मिल पाती है।

महिला ट्रेन चालकों का कहना है कि अनौपचारिक तौर पर अपनाई जा रही यह व्यवस्था लोको-पायलट के लिए एक असहज स्थिति उत्पन्न कर देती है। इस तरह ढिंढोरा पीटकर वॉशरूम जाने में होने वाली हिचकिचाहट के कारण कई बार महिलाएं घंटों इंतजार भी करती रहती हैं।

**वॉशरूम ब्रेक के लिए दर्जनों अधिकारियों तक पहुंचता है संदेश**

एक महिला लोको पायलट ने रविवार को बताया, अगर हमें वॉशरूम ब्रेक की जरूरत पड़ती है तो सबसे पहले साथी पुरुष लोको पायलट को बताना होगा जो स्टेशन मास्टर को सूचित करेगा। इसके बाद यह संदेश ट्रेन संचालन का प्रबंधन संभालने वाले नियंत्रण कक्ष तक पहुंचता है। उन्होंने बताया, इस तरह ये बात वॉकी-टॉकी के जरिये रेंज के दर्जनों अन्य अधिकारियों तक पहुंचती कि इंजन में एक महिला ड्राइवर है और वह वॉशरूम जाना चाहती है।

**महिला ट्रेन चालकों में 90 फीसदी सहायक लोको पायलट**

उनके मुताबिक, रेलवे की अधिकतर महिला लोको-पायलट इस असहज स्थिति से जूझ रही हैं। रेलवे में कार्यरत 1,700 से अधिक महिला ट्रेन चालकों में से 90 फीसदी सहायक लोको पायलट हैं जो यात्री या मालगाड़ियों में पुरुष लोको पायलटों के सहायक के तौर पर काम करती हैं।

## तीन दिन में 75,139 श्रद्धालु कर चुके दर्शन

### भक्तों के लिए 13 घंटे से अधिक खुल रहा मंदिर

रुद्रप्रयाग, 13 मई (एजेंसियां)। भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। कपाट खुलने के बाद से अभी तक धाम में कुल 75,139 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। बीते तीन दिनों से धाम में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे सुबह से ही भक्तों की लंबी लाइन लग रही है।

इसके साथ ही पैदल मार्ग से लेकर केदारनाथ तक रौनक बनी हुई है। पंच केदार में प्रमुख केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को खुल गए थे। कपाटोद्घाटन पर धाम में रिकॉर्ड 29,030 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। केदारनाथ में व्यापारिक गतिविधियां बंद होने के बाद भी धाम में यात्रियों का उत्साह अपने चरम पर रहा। वहीं, शनिवार को भी धाम में आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ा जो रविवार को भी जारी रहा। रविवार को धाम में 23,510 शिव भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन किए।

**हर घंटे 1,700 श्रद्धालु से अधिक कर रहे दर्शन**

श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति द्वारा बाबा के भक्तों को बेहतर से बेहतर तरीके से दर्शन कराए जा रहे हैं। सुबह चार से आठ बजे तक भीड़ कम होने पर भक्त गर्भगृह से दर्शन कर रहे हैं। वहीं, भीड़ बढ़ने पर सभामंडप से दर्शन हो रहे हैं। धाम में औसतन 1,700 से अधिक श्रद्धालु हरघंटे दर्शन कर रहे हैं। बीकेटीसी के अनुसार, तीन दिनों में धाम में कुल 75,139 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, जो बीते पांच वर्ष में नया रिकॉर्ड है। दर्शनार्थियों में 49,144 पुरुष, 25,002 महिलाएं, 991 बच्चे शामिल हैं। साथ ही दो विदेशी महिला शिवभक्त भी केदारनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित कर चुकी हैं।

**दिन में एक घंटा बंद हो रहा मंदिर**

बीकेटीसी के कार्याधिकारी रमेश चंद्र तिवारी ने बताया, धर्म दर्शन सुबह चार बजे से शुरू हो रहे हैं। अपराह्न तीन बजे भगवान केदारनाथ को भोग लगाने के लिए मंदिर बंद किया जा रहा है। साफ-सफाई के बाद पुनः चार से शाम 6.30 बजे तक भक्तों को दर्शन कराए जा रहे हैं। इसके बाद सात बजे बाबा केदार की सायंकालीन आरती के बाद बाबा केदार के श्रृंगार दर्शन कराए जा रहे हैं, जो सभामंडप से ही होते हैं।

**रात्रि 11 बजे से हो रहीं विशेष पूजाएं**

केदारनाथ में जिन भक्तों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना के लिए बुकिंग कराई गई है, उनकी पूजाएं रात्रि 11 बजे से हो रही हैं। साथ ही ऑनलाइन बुकिंग वाले भक्तों के नाम से भी मंदिर समिति द्वारा पूजाएं कराई जा रही हैं।

## बद्रीनाथ धाम में वीआईपी दर्शन कल्चर से आमजन नाराज, लोगों ने किया प्रदर्शन

बद्रीनाथ, 13 मई (एजेंसियां)। बद्रीनाथ धाम में वीआईपी कल्चर के खिलाफ स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने जमकर नारेबाजी की और वीआईपी कल्चर को खत्म करने की मांग की। गेट नंबर-3 पर स्थानीय लोगों के साथ पंडा-पुरोहित, हक-हकूकधारी और व्यापार सभा के लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि बामणी गांव की ओर जाने वाले पैदल रास्ते पर वीआईपी दर्शन के लिए कार्यालय बनाया गया है। जिसके चलते गांव की तरफ जाने वाला मार्ग बंद कर दिया गया है। गांव के लोगों को इस रास्ते से गुजरने नहीं दिया जा रहा है, आम जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है।

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने मंदिर समिति और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लोगों ने कहा कि बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले प्रशासन ने तमाम व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया।

## कैमरे के सामने दिलीप घोष से गले मिले कीर्ति आजाद

**बाद में एक-दूसरे की पार्टियों के खिलाफ लगाए बड़े आरोप**

कोलकाता, 13 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं भी देखने को मिली। जहां एक तरफ कुछ क्षेत्रों में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए, तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा सांसद दिलीप घोष और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद के बीच याराना अंदाज दिखा। बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार दिलीप घोष मतदान के लिए जब मतदान केंद्र पहुंचे, तो वहां टीएमसी उम्मीदवार कीर्ति आजाद भी मौजूद थे। दोनों ने पहले एक-दूसरे को गले लगाया और फिर कुछ देर तक बातें कीं।

**मतदान केंद्र की तरफ जाने के दौरान दिलीप घोष पर हमला**

इससे पहले बर्धमान-दुर्गापुर निर्वाचन क्षेत्र से बूथ जाम होने की सूचना मिलने के बाद भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष मतदान केंद्र की तरफ जा रहे थे। इस दौरान टीएमसी के समर्थकों ने उन्हें रोकने की कोशिश की और उनके खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। टीएमसी समर्थकों ने दिलीप घोष के काफिले पर पथराव भी किया। मौजूदा स्थिति को देखते हुए भाजपा उम्मीदवार ने पुलिस पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप भी लगाया। दिलीप घोष ने इस झड़प पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, पुलिस सिर्फ मूकदर्शक बनी हुई है। टीएमसी ने आतंक का राज फिर से कायम किया। सुबह से टीएमसी के गुंडे हमारे एजेंटों को पीट रहे हैं। उन्हें मतदान केंद्रों के भीतर जाने से रोक रहे हैं। टीएमसी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमारी जीत सुनिश्चित करने के लिए महिलाएं सक्रिय रूप से मतदान कर रही हैं।

## सरकार की रिपोर्ट : 499 परियोजनाओं की लागत 5.01 लाख करोड़ बढ़ी

**कुल 1873 परियोजनाओं में से 779 देरी से चल रहीं**

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 1,873 में से 449 परियोजनाओं की लागत मार्च, 2024 में तय अनुमान से 5.01 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। 779 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के मुताबिक, 1,873 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 26,87,535.69 करोड़ रुपये थी। अब इसके बढ़कर 31,88,859.02 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इनकी लागत 18.65 फीसदी या 5,01,323.33 करोड़ रुपये बढ़ गई है।

मंत्रालय ने कहा, अगर परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समय सीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 567 पर आ जाएगी। 779 परियोजनाओं में से 202 एक से 12 महीने, 181 परियोजनाएं 13 से 24 महीने, 277 परियोजनाएं 25 से 60 महीने व 119 परियोजनाएं 60 माह से अधिक की देरी से चल रही हैं। 779 परियोजनाओं में विलंब का औसत 36.04 माह है।

## हमीरपुर से अनुराग ठाकुर, शिमला से सुरेश कश्यप और विनोद सुल्तानपुरी ने दाखिल किया नामांकन

शिमला/हमीरपुर/केलांग, 13 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव व विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। सोमवार को हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पांचवीं बार अपना नामांकन दाखिल किया। अनुराग ठाकुर शक्ति प्रदर्शन करते हुए डीसी कार्यालय हमीरपुर पहुंचे। नामांकन से पूर्व अनुराग ठाकुर ने कुलदेवी अवाहदेवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उधर, शिमला संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सुरेश कश्यप ने भी नामांकन दाखिल किया। इस दौरान कश्यप ने शक्ति प्रदर्शन भी किया।

वही, शिमला लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी ने भी नामांकन दाखिल किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और विधायक कुलदीप सिंह राठौर भी उपस्थित रहे। नामांकन के बाद विनोद सुल्तानपुरी चौड़ा मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली में पहुंचे।

**पूर्व मंत्री डॉ. रामलाल मारकंडा ने बतौर निर्दलीय प्रत्याशी भरा नामांकन**

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति विधानसभा से पूर्व मंत्री डॉ. राम लाल मारकंडा ने बतौर निर्दलीय प्रत्याशी अपना नामांकन भरा है। उन्होंने सोमवार सुबह केलांग में एसडीएम कार्यालय में पर्चा दाखिल किया है।

डॉ. मारकंडा के चुनावी मैदान में उतरने से लाहौल-स्पीति उपचुनाव रोचक व तिकोना हो गया है।

## पटियाला में परनीत कौर, बठिंडा में हरसिमरत बादल समेत कई दिग्गजों ने भरे नामांकन

चंडीगढ़, 13 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सात प्रत्याशी एक जून को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए आज नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं। पटियाला से भाजपा उम्मीदवार परनीत कौर ने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ उनकी बेटी जयइंद्र कौर मौजूद रहीं।

लुधियाना से शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार रणजीत सिंह ने अपना नामांकन भर दिया है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नामांकन से पहले दंगा पीड़ितों ने उनका विरोध किया। राजा वड़िंग सिद्धू मूसेवाला के पिता के साथ नामांकन भरने पहुंचे। संगरूर से आप प्रत्याशी गुरमीत सिंह मीत हेयर ने अपना नामांकन भर दिया है। वहीं भाजपा उम्मीदवार अरविंद खन्ना पार्टी के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ के साथ नामांकन भरने पहुंचे।

बठिंडा से अकाली दल की प्र त्याशी हरसिमरत कौर बादल ने अपना नामांकन भर दिया है। इस दौरान उनके साथ पार्टी प्रधान सुखबीर बादल भी मौजूद रहे। वहीं भाजपा उम्मीदवार परमपाल कौर ने भी अपना नामांकन दाखिल कर दिया है, उनके साथ गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी मौजूद थे। आम आदमी पार्टी के जालंधर उम्मीदवार पवन टीनू ने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ वित्त मंत्री हरपाल चीमा, स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह, विधायक सेंट्रल रमन अरोड़ा और विधायक नकोदर इंद्रजीत कौर मान भी उपस्थित रहे।

## अब्दुल्ला परिवार की तीन पीढ़ियों ने किया मतदान

**फारूक-उमर संग उनके बेटों ने किया वोट**

श्रीनगर, 13 मई (एजेंसियां)। श्रीनगर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रीनगर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पार्टी के उपाध्यक्ष के उमर अब्दुल्ला ने मतदान किया। उमर अब्दुल्ला के दोनों बेटे जहीर और जमीर ने भी मतदान किया। बताया जा रहा है कि जहीर और जमीर ने पहली बार अपने मत का प्रयोग किया। मतदान के बाद फारूक और उमर अब्दुल्ला ने घाटी के लोगों से बढ़चढ़ कर वोट के अधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उमर ने कहा, 'हम केवल वोटों के माध्यम से अपनी आवाज उठा सकते हैं। उन्होंने युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से मतदान केंद्रों पर पहुंचने और अपने लो क तां त्रि क अधिकार का प्रयोग करने की अपील की, ताकि उनकी आवाज एक फैसले में बदल सके।

## देश के ज्यादातर हिस्सों में 16 तक भारी बारिश की चेतावनी

*पूर्वी व दक्षिणी भारत में बिगड़ा मौसम*

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। देश के पूर्वी, मध्य और दक्षिण भाग में मौसम का मिजाज एक बार फिर बिगड़ गया है। पश्चिम बंगाल के उप हिमालयी क्षेत्रों, बिहार, झारखंड, पश्चिम मध्य प्रदेश समेत आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु तक में पिछले 24 घंटे के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई है। कई जगहों पर आंधी और तूफान का असर देखा गया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों में धूल भरी आंधी चली और कई जगहों पर ओले भी गिरे हैं। मौसम विभाग ने कहा कि इन राज्यों के अधिकतर इलाकों में अभी 16 मई तक ऐसा ही मौसम बने रहने का अनुमान है। साथ ही बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, केरल और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा हुई। इस दौरान झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश और मध्य महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में ओलावृष्टि दर्ज की गई। बिहार और झारखंड के अलावा छत्तीसगढ़, गंगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, मराठवाड़ा, तेलंगाना के कई क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। आईएमडी के मुताबिक, वर्तमान में उत्तरी पाकिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और दक्षिण राजस्थान में निचले क्षोभमंडल में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से पूर्वी और मध्य भारत में 14 मई तक बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में 16 मई तक ऐसा मौसम बना रहेगा। उसके बाद उत्तर पश्चिम भारत में गर्मी का नया दौर शुरू हो सकता है। दो दिन पहले आंधी-तूफान के साथ हुई मूसलाधार बारिश के चलते अभी उत्तर पश्चिम भारत में मौसम का मिजाज ठंडा है और अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के पांच जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया, जिसमें अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने और ओले गिरने की चेतावनी दी गई है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है।

## मुंबई में बारिश, 60 किमी की रफ्तार से हवा चली

**मुंबई एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बंद**

नई दिल्ली/मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। मुंबई में सोमवार 13 मई को दोपहर 3 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। धूल भरी आंधी के बाद बारिश भी शुरू हो गई। तेज हवा और आंधी से दिन में ही रात सा नजारा दिखने लगा। अंधेरा छा गया। मुंबई एयरपोर्ट पर ऑपरेशन अगले आदेश तक बंद कर दिया गया। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को डायवर्ट किया गया जबकि कुछ के समय में बदलाव किया गया। सेंट्रल रेलवे की मेन लाइन पर लोकल सर्विस को फिलहाल बंद कर दिया है। मुंबई के घाटकोपर, बांद्रा, कुर्ला, धारावी, दादर,माहिम, मुलुंड और विक्रोली में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इनके अलावा, मुंबई के उपनगर ठाणे, अंबरनाथ, बदलापुर, कल्याण और उल्लासनगर में भी धूल भरी आंधी चली। यहां 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 14 मई - 2024

# दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में बंद

आज चौथे चरण में 10 राज्यों की 96 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो गया। सात चरणों में हो रहे चुनाव के लिहाज से देखें तो यह चौथा चरण सीटों के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा चरण है। इस चरण में सबसे ज्यादा चर्चा में आंध्र प्रदेश है, जहां विधानसभा के लिए भी चुनाव हो रहा है। इसलिए यहां नई सरकार चुनने के लिए भी वोटिंग हो रही है। इसके अलावा ये वोटिंग तीन अगली सरकार के गठन में भी बड़ी भूमिका निभाएगी। ये राज्य उत्तर प्रदेश, बंगाल और महाराष्ट्र हैं। तेलंगाना की सभी 17 लोकसभा सीटों पर मतदान ईवीएम के हवाले हो गया है। 2019 के चुनाव जहां बीआरएस ने परचम लहराया था, इस बार उसकी जमीन बंजर ही दिख रही है। इसका सबसे बडा कारण यह है कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी पदाधिकारियों में पाला बदलने की होड लग गई। जाहिर है तेलंगाना में इस बार भी त्रिकोणीय मुकाबला है, जिसमें कांग्रेस और भाजपा अन्य दावेदार हैं। हैदराबाद से एएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी का भाग्य बंद हो चुका है। जहीराबाद के कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश शेतकर के भाई नागेश शेतकर ने एक वोटर को लात मारी। किसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई। इसके बाद वोटर की बाइक गिरा दी गई, जब वो उठाने गया तो उसे शेतकर ने पैर से मारा। इसी तरह हैदराबाद से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने एक बूथ पर कुछ महिला वोटर्स के पहचान पत्र मांगे और बुर्का हटवाकर उनके चेहरे से मिलाया। इसका विरोध करने पर माधवी ने सफाई दी कि मैं एक उम्मीदवार हूं। कानून के अनुसार उम्मीदवार को फेसमास्क के बिना आईडी कार्ड की जांच करने का अधिकार है। मैं एक महिला हूं और बहुत विनम्रता के साथ, मैंने उनसे केवल अनुरोध किया है। अगर कोई इसे बड़ा मुद्दा बनाना चाहता है, तो इसका मतलब है कि वे डरे हुए हैं। चुनाव अधिकारियों की शिकायत पर माधवी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं आंध्र प्रदेश में अपने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु की तरह, क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व है। विभाजन के बाद से हुए दो चुनावों में सरकारें बदल गई हैं और यहां तक कि लोकसभा चुनावों में भी क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व दिखाई दिया। मध्य और उत्तरी महाराष्ट्र में 11 सीटों के नतीजे भी तय हो गए हैं। 2019 में एनडीए का इस क्षेत्र में दबदबा था। लेकिन अब दो शिवसेना और दो एनसीपी मैदान में हैं। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में मराठों के लिए लंबे समय से चल रहे आरक्षण आंदोलन से भी मतदान प्रभावित दिख रहा है। 11 सीटें बहुत विविधतापूर्ण हैं। इनमें पुणे और नंदुरबार जैसे शहरी केंद्र शामिल हैं, जहां अच्छी खासी आदिवासी आबादी है। पिछले दो लोकसभा चुनावों में यूपी ने भाजपा को अजेय बना रखा है। मध्य यूपी की जिन 13 सीटों पर मतदान हुआ है उनमें से पिछली बार भाजपा ने इस क्षेत्र में जीत दर्ज की थी। इन सीटों में कन्नौज सबसे अहम सीट है। सपा नेता अखिलेश यादव ने आखिरी समय में इस सीट से चुनाव लडने को तैयार हुए थे, क्योंकि 2019 तक उनकी पार्टी का गढ़ हुआ करती थी। यह फैसला राज्य में मुख्य विपक्षी दल की मजबूती का पैमाना साबित होगा। बंगाल में बहरामपुर एक अलग-थलग इलाका है, जहां कांग्रेस अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रही है। चौथे चरण के लिए आठ निर्वाचन क्षेत्रों में से एक, यह अधीर रंजन चौधरी का गढ़ माना जाता है, जिन्होंने पिछले लोकसभा में कांग्रेस का नेतृत्व किया था। वे भाजपा और टीएमसी के यूसुफ पठान, जो गुजरात से क्रिकेट विश्व कप विजेता हैं, के साथ त्रिकोणीय मुकाबले में फंस गए लगते हैं। कृष्णानगर से टीएमसी की महुआ मोइत्रा भी मैदान में हैं, उनका राह में रोडा बन कर कृष्णानगर राजघराने की महारानी हैं। इन सबके भाग्य का फैसला ईवीएम के हवाले हो चुका है। अब सब चार जून को इसके और अपने भाग्य के खुलने का इंतजार करें।

# कश्मीर में मतदान की लंबी कतारें बयां करते हैं खुशनुमा हालात



**अशोक भाटिया**

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र में सोमवार सुबह सात बजे से वोटिंग शुरू हो चुकी है। श्रीनगर शहर के पुराने शहर क्षेत्र सहित कई मतदान केंद्रों पर लोगों की लंबी कतारें लगी हैं। आसमान में बादल छाए रहने के बावजूद पुलवामा, कंगन, गांदरबल, बडगाम और पंपोर इलाकों में बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने के लिए निकले हैं। वर्ष 1987 के बाद कश्मीर में यह पहला चुनाव है जब अलगाववादियों ने चुनाव बहिष्कार का आह्वान नहीं किया है। यहां तक कि घाटी में अलगाववादी भावनाओं का केंद्र माने जाने वाले श्रीनगर के पुराने शहर इलाके में भी मतदाता बिना किसी डर के वोट डालने के लिए निकले हैं। आर्टिकल 370 हटने के बाद यह पहला चुनाव है।

निर्वाचन क्षेत्र में 17.48 लाख मतदाता हैं, जिनमें श्रीनगर, गांदरबल और पुलवामा जिले और बडगाम और शोपियां जिले के कुछ हिस्से शामिल हैं। अधिकारियों ने पांच जिलों में 2,135 मतदान केंद्र बनाए हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदाता पहचान पत्र के अलावा 12 तरह के दस्तावेज दिखाकर लोग मतदान कर सकते हैं। मतदाता पहचान पत्र मतदान के लिए अनिवार्य नहीं है। यदि किसी मतदाता के पास मतदाता पहचान पत्र नहीं है तो वह मतदान केंद्र पर आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक-पोस्ट ऑफिस के पासबुक, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, पेंशन दस्तावेज, सेवा प्रदाता कंपनी का कार्ड, दिव्यांग कार्ड आदि दिखाकर मतदान कर सकता है। केंद्र शासित प्रदेश के कश्मीर डिवीजन के प्रवासी मतदाताओं के लिए विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें जम्मू में 21, दिल्ली में 4 और उधमपुर जिले में एक मतदान केंद्र शामिल है। बता दें कि वोटिंग शाम 6 बजे खत्म होगी और उम्मीद है उस समय तक माहौल यही बना रहेगा ।

INDIA ब्लॉक के सहयोगी दल नेशनल कॉन्फ्रेंस ने प्रभावशाली शिया नेता और पूर्व मंत्री आगा रूहुल्लाह मेहदी को इस लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है, जबकि पीडीपी ने अपने युवा अध्यक्ष वहीद पारा को अपना उम्मीदवार बनाया है।'अपनी पार्टी' ने मोहम्मद अशरफ मीर को और डीपीएपी ने अमीर अहमद भट को मैदान में उतारा है। दो महिलाओं सहित 20 अन्य लोग भी चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के बडगाम में जीएमएस हांजी गुंड मतदान केंद्र और बूथ संख्या 60 पर कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हुआ। इस सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी, पीडीपी के वहीद उर रहमान पारा और अपनी पार्टी के मोहम्मद अशरफ मीर लोकसभा चुनाव 2024 लड़ रहे हैं।श्रीनगर लोकसभा सीट पर मतदान करने आए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जम्हूरियत (लोकतंत्र) में मतदान करना ही एक तरीका है जिससे हम अपनी आवाज बुलंद कर सकें। मैं यही कहूंगा कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार जीतेंगे।

भाजपा ने श्रीनगर और घाटी की अन्य दो लोकसभा सीटों बारामूला और अनंतनाग-राजौरी में कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला ने 2019 में इस सीट से जीत हासिल की थी लेकिन इस बार उन्होंने इस सीट से अपना नाम वापस ले लिया। 2019 के चुनावों में कम भागीदारी देखी गई।

भाजपा भले ही कश्मीर की तीन लोकसभा सीटों में से किसी पर भी चुनाव नहीं लड़ रही हो, लेकिन पार्टी को विश्वास है कि घाटी में होने वाले चुनाव इस क्षेत्र में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के वर्चस्व को समाप्त कर देंगे। इंडिया गठबंधन का हिस्सा नेशनल कॉन्फ्रेंस ने प्रभावशाली शिया नेता और पूर्व मंत्री आगा रुहुल्लाह मेहदी को मैदान में उतारा है, जबकि पीडीपी ने अपनी युवा इकाई के अध्यक्ष वाहिद पारा को उम्मीदवार बनाया है। कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद की सियासत में रुचि रखने वाले अच्छी तरह से जानते हैं कि 2010 से 2020 तक अगर पुलवामा जिला पूरे कश्मीर में आतंकी हिंसा का गढ़ था तो काकपोरा उस गढ़ की धड़कन। काकपोरा में आए दिन सुरक्षाबलों और आतंकियों में मुठभेड़ या फिर आतिकयों व अलगाववादियों के समर्थकों की सुरक्षाबलों के साथ हिंसक झढ़पें।

बताया जाता है कि काकपोरा मुख्य चौराहे पर सुबह 11 बजे गाड़ियों की लंबी कतार है। चौक पर एक दुकान के बाहर भीड़ है, जो श्रीनगर संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे पीडीपी उम्मीदवार वहीद उर रहमान परा को सुन रही है। परा ने अपनी बात की और आगे बढ़ गए। थोड़ी देर में जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के समर्थक अपनी गाड़ियों में गुजरे। वे बाजार में खड़े लोगों को बैट दिखाते हुए गए। उनके जाने के बाद वहां कई लोग आपस में चुनाव को लेकर चर्चा करने लगे।

कई अपने काम-धंधे में व्यस्त हो गए। चौराहे पर बेकरी की दुकान चला रहे रईस अहमद ने एक ग्राहक से राजनीतिक रैलियों की तरफ इशारा करते हुए कहा कि वाकई यहां सब कुछ बदल गया है। पांच वर्ष पहले तक मैं यहां ऐसा माहौल सोच भी नहीं सकता था। यहां चुनावी रैली करना तो दूर, चुनाव का नाम लेना असंभव था। अब यहां न कोई डरता है, न कोई डराता है, बस अब सब अपनी जिंदगी का खुद फैसला कर रहे हैं।

मीडिया से आ रही खबरों के अनुसार काकपोरा से तीन किलोमीटर दूर गुंडीबाग का नाम ही काफी है। यह गांव 14 फरवरी, 2019 को उस समय चर्चा में आया था, जब गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर लेथपोरा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। हमले को अंजाम देने वाला जैश आतंकी आदिल डार इसी गांव का था। गांव के बाहरी मुहाने पर स्थित आदिल के घर में उसके दो भाई और माता-पिता रहते हैं, लेकिन कोई गहमा-गहमी नहीं है। उसके पड़ोसी एजाज अहमद ने कहा कि आप क्यों उन्हें कुरेदने की कोशिश कर रहे हो। जो होना था, हो गया। अब आगे की बात करो। प्रिंटिंग प्रेस चलाने वाले एजाज अहमद ने कहा कि आज हमारे गांव में एक भी आतंकी नहीं है, पहले कभी थे। कुछ लड़के जरूर जेल में हैं, लेकिन वह जब छूटेंगे तो मुझे नहीं लगता कि वह दोबारा बंदूक उठाएंगे, क्योंकि यहां अब सब बदल गया है।

गांव की बाहरी सड़क पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियो को लेकर कुछ युवकों की बुजुर्गों के साथ बहस हो रही है। तजम्मुल नामक युवक ने कहा कि यहां क्या बहस कर रहे हो, मैं भी संगबाज था। अगर यहां कोई वोट डालने निकलता तो उसकी खैर नहीं होती थी लेकिन इस बार यहां वोटिंग खूब होगी। उसकी यह बात सुनकर जब उससे पूछा कि वोटिग क्यों होगी तो उसने कहा कि जो सरकार ने किया, वह किसी ने नहीं। यहां अब हर किसान के खाते में पैसा आते हैं। कारोबार शुरू करने के लिए बैंक से अब आसानी से कर्ज मिलता है। कोई पटवारी अब हमारी जमीन में हेरा-फेरी नहीं कर सकता।

दोपहर एक बजे पुलवामा के बाजार में खूब चहल-पहल है। बस स्टैंड पर गाड़ियों की आवाजाही जारी है। पुलिस व सीआरपीएफ के जवानों की तादाद पहले की तरह नहीं है। कोई तनाव भी नहीं है। हाजी अब्दुल रशीद कहते हैं कि आपको पता है कि हमारे कश्मीर में एक हिरण होता है, जिसके पेट में खुशबु होती है, वह खुशबू की तलाश में भागता रहता है। वही हाल हम कश्मीरियों का था। अब यहां सभी को पता चल गया है कि जिस खुशबू और खुशहाली की तलाश हमें थी, वह यहीं पर है। वह आगे कहते हैं कि आज आप हमारे पुलवामा में स्टेडियम देखो। कालेज देखो। आप पुलवामा को कश्मीर का आनंद कह सकते हो। दूध का सबसे ज्यादा उत्पादन यहीं पर हो रहा है। यहां रिंग रोड बन रहा है। लस्सपोरा में नई फैक्ट्रियां खुल रही हैं। बिजली का बिल परेशान जरूर करता है। बेरोजगारी भी है, लेकिन अब नाउम्मीदी नहीं है। न अब बूढ़े कंधों पर अपने बच्चों के जनाजे के बोझ का डर। इसलिए अब यहां कोई किसी गैरकश्मीरी को देखकर हिचकता नहीं है। उससे बात करता है।

भाजपा नेता आफताब अहमद यत्तु ने कहा कि आपको हमारी बात पर यकीन नहीं आएगा। आप यहां से गुजरने वाले युवकों से बात करें तो आपको असलियत पता चलेगी। इसी दौरान वहां कुछ लोग जमा हो गए, जिनमें कुछ अधेड़ भी थे।

# कुछ तो गडबड है केजरीवाल जी?

**राज सक्सेना**

दिल्ली के तिहाड़ रिटर्न कार्यरत मुख्यमंत्री केजरीवाल? को अंतरिम जमानत उनके जमानत न मांगने पर भी मिल गयी। निश्चित रूप से यह विवाद का विषय है भी और बनेगा भी। कम से कम चुनावों तक न सही तो दो जून को केजरीवाल के 'बैक टू पवेलियन' होने तक तो यह चर्चा का विषय रहेगा ही। केजरीवाल खुद इसे चर्चा में बनाये रख कर मेन और सोशल मीडिया की हैडलाइन बनने का प्रयास करते रहेंगे। केजरीवाल को बिना मांगे जमानत क्यों मिली, इस पर केजरीवाल के प्रभाव से या फिर मीलार्ड की अवमानना के डर से भले ही मेन मीडिया चुप्पी मार ले मगर सोशल मीडिया पर यह मामला तरह तरह से उछलेगा और अगर मीलार्ड ने और इस 'मोदी पीड़ित' पर और दया दिखाते हुए उनकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा नहीं दी तो कम से कम दो जून तक यह प्रकरण ट्रेंड होता रहेगा।

सचमुच केजरीवाल और उन पर दया दिखाने वाले लोगों ने यह पंगा जबरदस्ती ले लिया है। अब सोशल मीडिया पर केजरीवाल के नये और पुराने बयानों के वीडियो ट्रेंड करने लगेंगे तो उन पर दया दिखाने वाले महानुभाव भी सोशल मीडिया की एक्सरे मशीनों से नहीं बचेंगे? हालांकि यह सब अच्छा नहीं लगेगा। सामाजिक और सिस्टम के भी हित में नहीं होगा मगर यह होगा और जमकर होगा? इसका आभास हो रहा है।

सोने में सुहागा, मीलार्ड ने दिल्ली के एलजी को सरकारी खजाने से अभी तक बिना फीस तय किए ही केजरीवाल की मनमर्जी के वकीलों की फीसों के भी भुगतानों के आदेश जारी कर दिए हैं। इस तरह सोशल मीडिया की 'मनपसन्द दाल' में माननीय ने तड़का लगाकर उसे और स्वादिष्ट बनाने का काम कर दिया है? इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट के एक चीफ जस्टिस वीएन खरे ने रिटायर होने के बाद जो कहा था कि 'पैसा न हो तो न्याय के लिए अदालत की तरफ देखना भी गुनाह है'। खूब ट्रेंड हो रहा है।

इसी क्रम में झारखंड के हेमंत सोरेन और केजरीवाल दोनों के समान मामले भी समानान्तर ट्रेंड कर रहे हैं। केजरीवाल के साथ सोरेन प्रकरण पर खूब चर्चा परिचर्चा चल रही है। केजरीवाल ने कोई अंतरिम जमानत की अर्जी तक नहीं लगाई, उन्होंने कोर्ट में केवल अपनी गिरफ़्तारी को गैरकानूनी कहा। दूसरी तरफ 29 अप्रैल को सोरेन ने गैरकानूनी गिरफ़्तारी के अलावा 'अंतरिम जमानत' की भी अर्जी लगाई थी और इसी बेंच ने ईडी को उस दिन नोटिस जारी कर 6 मई तक जवाब मांगा था। उसके पहले ही 1 मई को जस्टिस खन्ना ने ईडी पर हमला बोल दिया कि 'भारी बहुमत से चुने जनप्रतिनिधि' केजरीवाल को चुनाव में गिरफ्तार क्यों किया? और 3 मई को उन्होंने स्वतः संज्ञान लेकर केजरीवाल को अंतरिम जमानत का प्रकरण कार्यवाही में ले लिया। 7 मई को सुनवाई पूरी कर ली गयी लेकिन आदेश नहीं दिया गया। उधर ईडी ने सोरेन प्रकरण में 6 मई को जवाब तो दे ही दिया होगा लेकिन खन्ना जी की बेंच ने सोरेन की अंतरिम जमानत की सुनवाई की जरूरत ही नहीं समझी और 11 मई को जस्टिस खन्ना की बेंच ने केजरीवाल को जेल से बाहर कर भी दिया।

अब अगर यह सोशल मीडिया पर खूब उछाला जा रहा है तो यह तो होना ही था।

11 मई को ही जनता से चुने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 2 मामले भी इसी बेंच में लगे थे। एक तो उन्होंने अपील की थी कि हाई कोर्ट ने उसकी गिरफ़्तारी को गैरकानूनी कहने की उसकी याचिका पर फैसला करने का आदेश दिया जाए और उसकी अंतरिम जमानत दी जाय लेकिन जस्टिस खन्ना ने गिरफ्तारी के बारे में कह दिया कि हाई कोर्ट 3 मई को फैसला दे चुका है तो आपकी याचिका स्वतः निष्प्राण हो गई जिसके खिलाफ आपने दूसरी बेंच में अपील की है। अब दूसरी बेंच ही नियत तिथि 13 मई को अंतरिम जमानत का मामला भी देख लेगी। स्मरणीय है कि 13 मई को झारखंड में पहले चरण के चुनाव की तारीख थी जिस पर बेंच ने न सुनवाई की और न कोई सकारात्मक आदेश दिया मगर दिल्ली में जो चुनाव 15 दिन के बाद है, उसके लिए केजरीवाल की रिहाई के आदेश उसी दिन आननफानन तिहाड़ तक पंहुचने की व्यवस्था भी कर दी गयी? यह भी सोशल मीडिया पर खूब उछल रहा है।

केजरीवाल जीते या हारे? यह अलग अलग सोच के लिए अलग अलग हो सकता है? मोदी को केजरीवाल कुछ भी कहें? उससे मोदी की सेहत पर क्या असर पड़ेगा? तो उत्तर है बिल्कुल नहीं। मोदी के व्यक्तित्व की एक बात से सब सहमत होंगे, 2002 से लेकर आज़ तक मोदी को कांग्रेस ने अपना लक्ष्य बना रखा है। 2002 से लेकर आज तक कोई अवसर नहीं छोड़ा है, जहाँ उसने मोदी को टारगेट नहीं किया हो, 2002 में सीबीआई, सुप्रीम कोर्ट जाँच, जस्टिस आफताब आलम और तीस्ता की जोड़ी से बनवाए सारे मुकदमें, घंटो सीबीआई की पूछताछ, इशरत जहाँ के द्वारा हत्या का प्रयास आदि, मौत का सौदागर विशेषण तक दिए गये परन्तु वह हर बार मोदी से पराजित हुयी। पराजय का यह क्रम आज़ भी जारी है।

अब इंडी गठबंधन के साथ चीन और सोरोस एंड कम्पनी जिसमें कई विभिन्न पेशों के नौकरशाह भी हैं, मोदी के पीछे लगे हैं। विशेष रूप से आम आदमी पार्टी, यह लोग ज़ब बने तब इन्होने नारा दिया, भूख और बेरोजगारी मिटा सबको नौकरी देंगे, एक ईमानदार सरकार देंगे, हम राजनीति में नहीं जायेंगे, हमारे बच्चों की कसम हम कांग्रेस जैसी भ्रष्ट पार्टी से कोई समझौता नहीं करेंगे, शीला दीक्षित से लेकर सोनिया गांधी तक चोर है?। जेल में डालो पूछताछ करो। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल का विश्वास इसलिए किया कि लोगो ने इसे साफदिल बच्चा माना, यह अलग बात थी कि यह भी रंगमंच की ही पैदाइश थी। यह सब समझते थे बोलना ही तो है, करना थोड़े ही है मगर राजनीति में मोदी इन सबके के दादा गुरु हैं। आज़ महाराष्ट्र के तथाकथित चाणक्य शरद पँवार और उद्धव ठाकरे का हाल देख लें?।

दिल्ली की सड़को को लंदन जैसी, जमुना को यमुनोत्री से निकलते समय जैसी साफ बनाने के दावे करने वाले केजरीवाल को जब सत्ता मिली और बच्चों की कसम तोड़ गाड़ी बंगला सब ले लिया, शीश महल बन गया और शराब की नदियां बह गयी। शराब के साथ साथ ख़ालिस्तानी चंदे का भी कलंक लग गया। ज़ब सत्ता मिली तो कुमार विश्वास साहित योगेंद्र, भूषण सब को भगा दिया। अन्ना को रालेगांव सिद्धि जाकर सामाधिस्थ होना पड़ा। अब कल के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केजरीवाल खेमा उत्साहित है। अभिषेक मनु सिंघवी कपिल सिब्बल सहित सारे तथाकथित फिक्सर उत्साहित हैं। हमने मोदी को औकात पर ला दिया मगर उसका नाम नरेन्द्र मोदी है। वह राजनीति की शतरंज का माहिर खिलाडी है जिसमें तुम सिर्फ एक कदम आगे बढ़ सकने वाले प्यादे हो, वह चौतरफा मार करने वाला वजीर है। वह तुम्हारे फेके पत्थरो से घर बनाता आया है। सिर्फ थोडा इन्तजार करो?

# कांग्रेस नेताओं के बड़बोलेपन में उनकी मानसिकता झलक रही है

**राजेश कुमार पासी**

कांग्रेस नेताओं द्वारा बड़बोलेपन में दिये गये बयान कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन क्या यह सिर्फ उनका बड़बोलापन होता है या सोच समझ कर दिया गया बयान होता है, ये सबसे बड़ा सवाल है । सवाल यह भी है कि कांग्रेस इन नेताओं को रोक क्यों नहीं पाती है । आपने यह भी देखा होगा कि जब किसी कांग्रेस नेता के बयान से पार्टी को नुकसान होने की आशंका होती है तो पार्टी उसके बयान को उसका निजी बयान करार देती है और कई बार उसे पार्टी से निलंबित भी कर दिया जाता है । ऐसा भी कई बार होता है कि वो नेता पार्टी से इस्तीफा दे देता है या अपने पद को छोड़ देता है । अभी ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भी अपने बयान के कारण पार्टी पद से इस्तीफा दिया है लेकिन पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया है । इसका दूसरा पहलू यह भी है कि ऐसे नेताओं को कुछ ही दिनों बाद दोबारा पद सौंप दिया जाता है ।

सवाल यह भी उठता है कि ज्यादातर समय कांग्रेस इन नेताओं के बयान का समर्थन नहीं करती है लेकिन विरोध भी नहीं करती है । एक तरफ तो पार्टी इन नेताओं के बयान को उनका निजी बयान करार देती है और दूसरी तरफ वो उनके तथाकथित बयान के खिलाफ बयान भी जारी नहीं करती है । ऐसा लगता है कि ये नेता पार्टी की दबी छुपी इच्छा या सोच और विचारधारा को बाहर ला देते हैं जिससे पार्टी को चुनावों में नुकसान होने की आशंका होती है तो पार्टी उनके बयान से किनारा कर लेती है । ये भी अजीब है कि चुनावों के समय कांग्रेस नेताओं के ऐसे बयानों की बाढ़ आ जाती है, ये अलग बात है कि कई बार उनकी हैसियत को देखते हुए मीडिया और भाजपा उनकी अनदेखी कर देती है । मैं यह नहीं मानता कि इन नेताओं की जुबान फिसल जाती है और ये नेता कांग्रेस की नीति और विचारधारा के विपरीत बयान दे देते हैं । मेरा तो स्पष्ट रूप से मानना है कि ये लोग कांग्रेस की असली विचारधारा और नीति को अपने बयानों से अपने लक्षित मतदाताओं तक पहुंचाते हैं । इनके बयानों से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए पार्टी उनके बयानों से अलग हो जाती है लेकिन अपने मनपसंद मतदाताओं तक बात पहुंचा देती है ।

समस्या कांग्रेस के इन बयानवीरों की नहीं है बल्कि समस्या तो कांग्रेस की सोच, विचारधारा, नीतियों और कार्यक्रमों में है, जिसे ये बयानवीर जाहिर करते रहते हैं । अगर समस्या सिर्फ इन बयानवीरों की होती तो कांग्रेस इनसे छुटकारा पाकर बच सकती थी लेकिन कांग्रेस सच्चाई को जानती है इसलिए नुकसान होने के बावजूद वो इन बयानवीरों को रोक नहीं पाती है । जिस पार्टी का सबसे बड़ा नेता ही बयानवीर हो, उस पार्टी के दूसरे नेताओं को कौन रोक सकता है । महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बयान दिया है कि अगर विपक्षी गठबंधन सत्ता में आया तो वो राम मंदिर का शुद्धिकरण करवायेगा । राहुल गांधी ने बयान दिया है कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु जी को नहीं बुलाया गया । उन्होंने यह भी कहा कि उस कार्यक्रम में ऐश्वर्या राय बच्चन नाच रही थी, किसी दलित, आदिवासी को कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया । सच्चाई यह है कि राम मंदिर निर्माण में लगे गरीब मजदूरों को भी कार्यक्रम में बुलाया गया था और उसमें सभी जाति के लोग थे । राष्ट्रपति मुर्मु जी को भी न्योता भेजा गया था लेकिन वो प्रोटोकॉल के कारण नहीं आईं । ऐश्वर्या राय तो कार्यक्रम में आई ही नहीं लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें वहां नाचते हुए देख लिया । सवाल यह खड़ा होता है कि क्या कांग्रेस ने देश में शरीयत लागू कर दिया है जिसमें नाचना गाना मना है ।

समाजवादी पार्टी के नेता ने भी राम मंदिर के बारे में ऐसे ही कुछ अपशब्द कहे हैं । कांग्रेस ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बहिष्कार किया था । मतलब साफ है कि कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया है कि एक गैर कांग्रेसी पिछड़े प्रधानमंत्री से यह कार्यक्रम करवाया गया और दूसरा उसे एक आदिवासी राष्ट्रपति से चिढ़ है इसलिए राम मंदिर के शुद्धिकरण की बात कही गई है । पटोले ने अपने बयान से राहुल गांधी, कांग्रेस और दूसरे विपक्षी नेताओं की मानसिकता को नंगा कर दिया है, ये उनका बड़बोलापन बिल्कुल नहीं है बल्कि सोच समझ कर दिया गया बयान है । कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक वीडियो में पाकिस्तान को सम्मान देने और उसके साथ बातचीत करने को कहा है । उन्होंने कहा है कि दस वर्षों से पाकिस्तान से बात नहीं की जा रही है, उसके पास परमाणु बम है । वो कहना चाहते हैं कि परमाणु बम से डरकर भारत पाकिस्तान से दोस्ती कर ले । अब सवाल यह है कि क्या उन्होंने कांग्रेस की नीति के विरुद्ध बयान दिया है । पाकिस्तान ने 26/11 का मुंबई हमला करके भारत को चुनौती दी थी लेकिन पाकिस्तान के परमाणु बम से डरकर ही कांग्रेस ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की । पाकिस्तान के समर्थन में बयान देने वाले मणिशंकर इकलौते कांग्रेस नेता नहीं हैं और भी कई नेता ऐसे ही बयान देते रहते हैं । अभी कुछ ही दिनों पहले कांग्रेस के गठबंधन सहयोगी नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने भी पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था, जिसका कांग्रेस की तरफ से कोई विरोध नहीं हुआ । क्या यह सच नहीं है कि कांग्रेस अपनी मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के कारण पाकिस्तान का विरोध करने से बचती है ।

# बेटियों के साथ दरिंदगी का सिलसिला कब रुकेगा?



**मनोज कुमार अग्रवाल**

एक बार फिर उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से दिल को झकझोर कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक मुस्लिम लड़के ने नाबालिग लड़की का जबरन धर्म परिवर्तन कराने और दुष्कर्म करने के बाद चलती ट्रेन के आगे फेंक दिया। इस हादसे में लड़की के शरीर के दो टुकड़े हो गए। मौके पर ही नाबालिग लड़की की दर्दनाक मौत हो गई। जैसे ही घटना की जानकारी हुई। इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं, हिंदू संगठन के लोगों ने मौके पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया है।इस बर्बर नृशंसता दरिंदगी भरी वारदात ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि लवजेहाद का सिलसिला अभी थमा नहीं है हत्यारे जिहादी मानसिकता वाले शैतानों को कानून पुलिस समाज किसी का कोई खौफ नही है।जानकारी के मुताबिक, आरोपी और मृतक लड़की दोनों अलग-अलग समुदाय से आते हैं। ऐसे में घटना के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन अलर्ट है। आरोपी के खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआईर में पीड़ित पक्ष ने लिखा है कि थाना फतेहगंज की रहने वाली 15 वर्षीय लड़की को फरियाद हुसैन नाम का लड़का पिछले 7 महीने से परेशान कर रहा था। इससे वह डरी सहमी रहती थी। फरियाद ने उसका धर्म परिवर्तन भी करा दिया था और मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी दे रहा था। FIR के मुताबिक, 8 मई को उनकी बेटी क्षेत्र के एक कॉलेज में परीक्षा फॉर्म भरने के लिए गई थी तभी उनकी बेटी को रास्ते में ही आरोपी फरियाद ने जबरन बाइक पर बैठा लिया। फिर सुनसान जगह ले जाकर बेटी के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसे ट्रेन के आगे धकेल दिया। ट्रेन की चपेट में आने से बेटी की कटकर मौत हो गई।आरोप है कि फ़रियाद लड़की को बहगुल नदी के पुल पर ले गया था, जहां उसने गैंगरेप के बाद लड़की को चलती ट्रेन के आगे फेंक दिया। तेज रफ्तार ट्रेन के नीचे आने से लड़की के शरीर के दो टुकड़े हो गए,जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना के सामने आने के बाद हिंदू संगठन के लोग भी थाने पहुंचे और जमकर विरोध जताया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने थाने के बाहर नारेबाजी की और जल्द से जल्द आरोपी युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आरोपी को थाना फतेहगंज पूर्वी से गिरफ्तार कर लिया है।शाहजहांपुर में पोस्टमार्टम किया गया है मामला बरेली में दर्ज किया गया है। हैरानी की बात ये रही कि हादसे के बाद बरेली पुलिस और शाहजहांपुर पुलिस सीमा विवाद में उलझी रही. जिस वजह से कानूनी प्रक्रिया में देरी हुई। बाद में किशोरी के शव को शाहजहांपुर में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया और मुकदमा बरेली के थाना फतेहगंज पूर्वी में दर्ज हुआ। यूपी में योगी सरकार की तमाम सख्ती के बावजूद लवजेहाद की शर्मनाक वारदातों की झड़ी लगी है। इस के पीछे कुछ चरमपंथी तत्वों की हिन्दू लड़कियों को टार्गेट कर प्यार के जाल में फंसा कर उनका धर्मपरिवर्तन कराने की योजना बद्ध साजिश चल रही है। आपको कुछ वारदातों के जरिए बताने की कोशिश करते हैं। पिछले दिनों लखनऊ के मोहनलालगंज में रहने वाले एक हिंदू परिवार ने देखा कि उनकी लड़की नमाज पढ़ रही है. घर के लोग इसे देख सन्न रह गए. लड़की से कड़ाई से पूछताछ के बाद पता चला कि उसने एक मुस्लिम लड़के निकाह कर लिया'।

# आपसे नहीं हो पाएगा



**डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा**

आप रहने ही दीजिए। आपसे नहीं हो पाएगा। भैया जी आज के जमाने में लोगों को ज्ञान देने के लिए उन्हें अज्ञानी बनाना जरूरी है। केवल वाट्सप ग्रुप बनाकर एडमिन बने रहने से सिर्फ घांस छील पाओगे। ऐसा करते रहोगे तो समझो हो गया, कारवाँ गुज़र जाएगा और आप गुबार में ही फसें रहोगे। टुकड़ों में यहाँ-वहाँ से बटोरने से कुछ नहीं होता। यह फेंकू ज्ञान है। असली ज्ञान से भी ज्यादा कीमती। असली ज्ञान की तथ्यता स्रोतों, संदर्भों, इंटरनेट से सिद्ध हो जायेंगे। लेकिन फेंकू ज्ञान को जलेबीदार उलझाऊ बातों से सिद्ध करना पड़ता है। समझे बरखुरदार! मैं और मेरे जैसे अनेक बंधु ताजमहल, ज्ञानवापी, कुतुब मीनार, जामा मस्जिद, लाल किला देखकर लौट भी आये और अब खुदाई करने वालों सहित सब को अपना ज्ञान रोजाना परोस रहे हैं और आप यहीं व्यंग्य जैसी बेकार चीज़ लिख रहे हैं। आपने कल देखा नहीं कि ऊधर खोजी लोग ज्ञानवापी पहुँचे कि नहीं इधर ज्ञान की सहस्त्रधारा चहुँ ओर बह निकलीं थीं। बिअंग भैया जैसे व्यंग्यकार के भीतर से व्यंग्य का कीड़ा निकालने की कसम खाए फेंकूराम ने कहा- हम वॉट्सऐपियों ने ही बताया कि ज्ञानवापी के तहखाने में शिवलिंग दैदीप्यमान की तरह चमक रहा है। एक से बढ़कर एक छवियाँ क्रॉप करके धड़ल्ले से पोस्ट कर डाले। सामने वाले की गैलरिया चुटकियों में फुल कर डाले। वह ससुरा इसी में उलझा रहेगा कि तस्वीरें देखें या गैलरी साफ करे। किसी की जगह पर कोई दूसरा कुछ बनाएगा तो खोजबीन होगी ही। आगे तेजोमहल का भी यही हाल होने वाला है। सारा इतिहास हम अपने व्हाट्सप में धरकर चलते हैं। ज्ञानवापी से शिवलिंग की ली गयी पहली तस्वीर को खोजियों को प्राप्त करने, देखने और जारी करने के पहले ही हम व्हाट्सपवीरों ने उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था। सारी दुनिया जैसा करती है, वैसा आप भी किया करो बिअंग भाई। जानते नहीं, हाथी के दाँत दिखाने के कुछ और तथा खाने के कुछ और होते हैं। भीड़ तंत्र का हिस्सा बनो भीड़ तंत्र का। गधा भी अपने को कभी गधा नहीं बोलता, वह चुप रहने के बजाय मौका मिलते ही अपने को घोड़ा साबित करने पर तुल जाता है चाहे उसका ढेंचू-ढेंचू पसंद किया जाये या न किया जाए।

फेंकूराम ने कहा तुम मूरख के मूरख रहोगे। तुम्हारे काले अक्षर भैंस बराबर नहीं सारी दुनिया की कालिख बराबर है। तुम हमेशा अपनी मुर्गी की डेढ़ टांग पर अटक जाते हो। किसी चीज़ को समझने का प्रयास नहीं करते। अरे भाई जी, कुछ समझ में आये न आये, तो भी इस देश की पितृ भाषा अंग्रेजी में बोला करिये - यस, करेक्ट, सब समझ गया, आई कनो, आई कनो ऑल वैरी वेल। बिअंग भैया आपको कहीं भी 'नो' याने 'नहीं' तो भूल के भी नहीं बोलना है।

# आज पुष्य नक्षत्र सहित 3 शुभ संयोग में मनेगी गंगा सप्तमी

वैशाख शुक्ल सप्तमी 14 मई 2024 को पुष्य नक्षत्र के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग के सुयोग में गंगा सप्तमी मनाई जाएगी। इस दिन गंगा के स्मरण, दर्शन एवं स्नान करने मात्र से रिद्धि-सिद्धि की प्राप्ति, यश-सम्मान में वृद्धि व सभी पापों का क्षय, अशुभ ग्रहों के कुप्रभाव में कमी व सकारात्मकता का वास होता है।

**गंगा सप्तमी पर स्नान का महत्व**

वैशाख शुक्ल पक्ष की सप्तमी की उदयातिथि 14 मई को प्राप्त हो रही है, इसलिए गंगा सप्तमी 14 मई को मनाई जाएगी। इस पर्व पर गंगा स्नान, व्रत-पूजा और दान का विशेष महत्व है। जो लोग किसी कारण से इस दिन गंगा नदी में स्नान नहीं कर सकते वो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहा सकते हैं। ऐसा करने से तीर्थ स्नान का ही पुण्य मिलता है। पद्म पुराण के अनुसार गंगा सप्तमी के दिन गंगा की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

**शुभ संयोग में मनेगी गंगा सप्तमी**

वहीं, इस दिन पानी से भरी मटकी का दान करने से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है। गंगा सप्तमी के दिन पुष्य नक्षत्र, फिर अश्लेषा नक्षत्र रहेगा। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग एवं रवियोग का संयोग भी बन रहा है। खासकर इस दिन गर एवं वणिज करण के योग बन रहे हैं, ज्योतिष शास्त्र में इन दोनों करण को शुभ माना गया है। इन योग में स्नान-ध्यान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

**गंगा जी का विष्णु जी से नाता**

गंगा सप्तमी का हिंदुओं में बहुत महत्व है। गंगा को सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता है। देवी गंगा को कई नामों से पुकारा जाता है जैसे शुभ्रा, गंगे भागीरथी और विष्णुपदी। विष्णुपदी नाम इसीलिए पड़ा क्योंकि वह पहली बार भगवान विष्णु के चरणों से निकली थीं। ऐसा माना जाता है कि गंगा के पानी में किसी भी बीमारी से व्यक्ति को ठीक करने की शक्ति होती है।

जो भक्त गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगाते हैं, उन्हें पिछले पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा जल नकारात्मकता से बचाता है और यह शरीर और आत्मा को शुद्ध करता है। भक्त शिवलिंग अभिषेक के लिए गंगा जल का उपयोग करते हैं। गंगा जल का उपयोग मृत लोगों की अस्थियों को विसर्जित करने में भी किया जाता है ताकि उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो सके।

**गंगा सप्तमी तिथि**

**गंगा सप्तमी - 14 मई 2024**

**सप्तमी तिथि समाप्त – 14 मई, 2024 को शाम 06:49 बजे**

**दोबारा प्रकट हुई गंगा**

महर्षि जह्नु जब तपस्या कर रहे थे। तब गंगा नदी के पानी की आवाज से बार-बार उनका ध्यान भटक रहा था, इसलिए उन्होंने गुस्से में आकर अपने तप के बल से गंगा को पी लिया था लेकिन बाद में अपने दाएं कान से गंगा को पृथ्वी पर छोड़ दिया था, इसलिए ये गंगा के प्राकट्य का दिन भी माना जाता है। तभी से गंगा का नाम जाह्नवी पड़ा।

**श्रीमद्भागवत में गंगा**

श्रीमद्भागवत महापुराण मे गंगा की महिमा बताते हुए शुकदेव जी राजा परीक्षित से कहते हैं कि जब शरीर की राख गंगाजल में मिलने से राजा सगर के पुत्रों को मोक्ष मिल गया था तो गंगाजल के कुछ बूंद पीने और उसमें नहाने पर मिलने वाले पुण्य की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर गंगा स्नान, अन्न और कपड़ों का दान, जप-तप और उपवास किया जाए तो हर तरह के पाप दूर हो जाते हैं।

**घर को जरूर करें गंगाजल से शुद्ध**

गंगा सप्तमी के दिन घर में गंगाजल लाना और गंगाजल से घर को शुद्ध करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से नकारात्मक शक्तियों का अंत होता है। परिवार में सकारात्मकता कथा आती है। घर का वातावरण शुद्ध होता है। घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

**गंगा स्नान खत्म होते हैं पाप**

गंगा सप्तमी पर गंगा नदी में स्नान करने से पापों का नाश होता है और अनंत पुण्यफल मिलता है। इस दिन गंगा स्नान करने से 10 तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। स्मृतिग्रंथ में दस प्रकार के पाप बताए गए हैं। कायिक, वाचिक और मानसिक।

**कायिक यानी शारीरिक पाप -** किसी दूसरे की वस्तु लेना, शास्त्रों में बताई हिंसा करना, पराई स्त्री के पास जाना वाचिक पाप - कड़वा और झूठ बोलना, पीठ पीछे किसी की बुराई करना और फालतू बातें करना।

**मानसिक पाप -** दूसरों की चीजों को अन्याय से लेने का विचार करना, किसी का बुरा करने की इच्छा मन में रखना और गलत कामों के लिए जिद करना।

**पूजा विधि**

गंगा सप्तमी के दिन गंगा नदी में स्नान करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं कर सकते तो घर पर नहाने के पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान करें। स्नान करते समय मां गंगा का ध्यान करें। नहाने के बाद घर के मंदिर में दीपक प्रज्वलित करें। देवी-देवताओं का गंगा जल से अभिषेक करें। भगवान पर पुष्प अर्पित करें। घर पर ही मां गंगा की आरती करें। वह भोग लगाएं।

**गंगा सप्तमी के उपाय**

गंगा सप्तमी के दिन स्नान ध्यान के बाद मां गंगा की पूजा अवश्य करें। एक कटोरी में गंगा जल भर लें और उस कटोरी के समक्ष गाय के घी का दीपक जलाकर मां गंगा की पूजा करें। इसके बाद आरती के साथ पूजा संपन्न करें। गंगा सप्तमी के दिन किसी जरूरतमंद, अथवा किसी ब्राह्मण को अन्न, धन या वस्त्र का दान अवश्य करें। ऐसा करने से साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और कई जन्मों के पाप दूर हो जाते हैं।

भगवान शिव की जटाओं से ही मां गंगा प्रवाहित होती हैं, इसलिए गंगा सप्तमी के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक जरूर करें।

# गर्भावस्था के नौ महीने और नौ ग्रह क्या है प्रभाव और क्या हैं उपाय

ऋषियों ने अनुसंधान कर गर्भावस्था के दौरान प्रत्येक माह का संबंध एक ग्रह के आधिपत्य से जोड़ा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक मास का एक-एक ग्रह स्वामी होता है, इन स्वामियों में राहु और केतु को छोड़कर शेष सात ग्रह सम्मिलित हैं, उनमें भी सूर्य और चन्द्र, दो-दो मासों के स्वामी हैं, एक मास का स्वामी आधान-लग्नेश भी है। मास क्रम में उनकी गणना अग्रलिखित है, पहले महीने में गर्भवती माता और बच्चे पर शुक्र का प्रभाव पड़ता है।

गर्भावस्था में दूसरा महीना मंगल ग्रह से प्रभावित होता है।

तीसरे महीने को देवगुरू बृहस्पति का माना जाता है।

चौथे महीने में सूर्य का प्रभाव रहता है।

पांचवे महीने में चन्द्र का प्रभाव देखा जाता है।

छठे महीने में शनि का प्रभाव रहता है।

सातवां महीना बुध से प्रभावित रहता है।

आठवां महीना आधान-लग्नेश से प्रभावित रहता है।

नौवां महीना चन्द्र से प्रभावित रहता है।

आठवें और नौवें महीने के स्वामी ग्रहों को लेकर विद्वानों के बीच मतान्तर है, जिस पर शोध किया जाना आवश्यक है। कुछ विद्वानों के मतानुसार दसवें महीने को सूर्य से प्रभावित मानते हैं।

गर्भ रक्षा के लिए क्या करें - कई बार शारीरिक त्रुटियों के कारण या ग्रहों के अशुभ प्रभाव के कारण गर्भपात हो जाता है। गर्भपात से बचने के लिए एवं गर्भस्थ संतान के स्वस्थ रहने के लिए गर्भवती स्त्री प्रत्येक मास कुछ कारगर उपाय करें तो विशेष लाभ प्राप्त होगा।

प्रथम मास में, शुक्रवार को चावल बनाकर गाय को खिलाना चाहिए।

द्वितीय मास में, चने की दाल भिगोकर तोते को खिलाएं।

तृतीय मास में, बैल को गुड़ खिलाएं।

चतुर्थ मास में, कच्ची मिट्टी पर पानी डालकर उसकी गंध सूंघें एवं तुलसी के दर्शन करें।

पांचवे मास में, घोड़ी को उड़द की दाल खिलाएं।

छठे मास में, लोहे एवं तेल का दान करें।

सातवें, आठवें व नवें मास में अच्छे पकवान बनाकर विद्वान ब्राह्मण को जिमाएं।

गर्भ में पल रही संतान की रक्षा हेतु अचूक उपाय - गर्भरक्षा नामक यंत्र को चांदी में मढ़वाकर धारण करें। इससे गर्भ की रक्षा होती है।

गर्भावस्था में दो मुखी रुद्राक्ष पीले धागे में गुरुवार के दिन ''ऊँ नमः शिवाय'' मंत्र से अभिमंत्रित करके गर्भवती स्त्री के गले में पहनाने से मां व बच्चा दोनों ठीक रहते हैं।

# ऋणमुक्तेश्वर महादेव

## यहां आकर दर्शन करने से उतर जाता है हर कर्ज

ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर उज्जैन से लगभग एक किमी दूर मंदिर मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के खूबसूरत तट पर मौजूद है। अगर आपका बरसों से कर्ज नहीं उतर रहा है या फिर बैंक लोन से परेशान हो गए हैं, तो एक बार महादेव के इस मंदिर में जरूर आएं। मान्यता है कि यहां भगवान दर्शन मात्र से ही इंसान का हर कर्ज माफ कर देते हैं।

**शनिवार को खास महत्व**

यहां रोज श्रद्धालुओं के भीड़ काफी रहती है, लेकिन शनिवार को पूजा का खास महत्व रहता है। देश की प्राचीन नगरी उज्जैन में ऋणमुक्तेश्वर महादेव के बारे में कहते हैं कि अगर आपके ऊपर कर्ज है और हर तरह के उपाय के बाद भी ये नहीं उतर पा रहा है, तो भगवान ऋणमुक्तेश्वर की शरण में शनिवार को जाने से लाभ मिलता है। शीघ्र ही आप अपने ऊपर चढ़े हर प्रकार के कर्ज के बोझ से मुक्ति पा जाते हैं।

**पीली दाल चढ़ाई जाती है**

यहां शनिवार को पीली पूजा का बड़ा ही महत्व है। पीली पूजा से मतलब पीले कपड़े में चने की दाल, पीले फूल, हल्दी की गांठ और थोड़ा सा गुड़ बांधकर जल धारा पर मनोकामना के साथ उसे चढ़ाते हैं, और शिव जी से कर्ज दूर करने प्रार्थना करते हैं। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। जो भी लोग महाकाल बाबा के दर्शन करने आते हैं वे यहां आकर ऋणमुक्तेश्वर महादेव के दर्शन भी जरूर करते हैं।

# सूर्यास्त के समय न करें ये कार्य

धर्म शास्त्रों में ऐसे काम बताए गए हैं, जिन्हें शाम यानी सूर्यास्त के समय बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। सूर्यास्त के समय ये काम करने से घर से सुख-समृद्धि चली जाती है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, सूर्यास्त के समय भोजन नहीं करना चाहिए। इस समय भोजन करने से व्यक्ति अगले जन्म में पशु के रूप में जन्म लेता है। किसी भी स्वस्थ व्यक्ति को सूर्यास्त के समय सोना या लेटना नहीं चाहिए। ऐसे में घर की बरकत चली जाती है। साथ ही धन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

सूर्यास्त के समय भगवान की आराधना करने से सकारात्मकता आती है। सूर्यास्त के समय यौन इच्छा पर नियंत्रण रखना चाहिए। इस समय पुरुषों और महिलाओं को ऐसी भावनाओं से दूर रहना चाहिए।

शाम के समय जन्म लेने वाले बच्चे को जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बताया गया है कि शाम के समय वेदों और शास्त्रों का अध्ययन नहीं करना चाहिए। इस समय ध्यान और साधना करना ही उत्तम माना जाता है।

सूर्यास्त के समय पैसों का लेन देन करने से बचना चाहिए। ऐसे में घर में पैसों की कमी हो जाती है और खर्चे ज्यादा होने लगते हैं।

सूर्यास्त के समय नाखून नहीं काटने चाहिए और ना ही कभी बाल काटने चाहिए। ऐसा करने से जीवन में मुश्किलें बढ़ने लगती हैं।

# बद्रीनाथ मंदिर में शंख न बजाने के पीछे है लक्ष्मी जी से जुड़ी यह धार्मिक मान्यता

बद्रीनाथ मंदिर चार धाम में एक धाम माना जाता है। यह मंदिर उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है। बद्रीनाथ मंदिर भगवान विष्णु के रूप बद्रीनारायण को समर्पित माना जाता है। हम सभी जानते हैं कि सनातन धर्म में पूजा-पाठ और शुभ कार्यों के दौरान शंख बजाया जाता है। यह भक्तों द्वारा देवी-देवताओं के आह्वान का प्रतीक है। लेकिन बद्रीनाथ मंदिर में शंख नहीं बजाया जाता। बद्रीनाथ मंदिर में शंख न बजाने का धार्मिक रहस्य है।

**माता लक्ष्मी से जुड़ी है पौराणिक कथा**

बद्रीनाथ मंदिर में शंख न बजाने को लेकर कई मान्यताएं हैं। शास्त्रों के अनुसार, एक बार धन की देवी माता लक्ष्मी बद्रीनाथ में बने तुलसी भवन में तपस्या कर रही थीं। इस दौरान श्रीहरि ने दैत्य शंखचूर्ण राक्षस का वध कर दिया था। सनातन धर्म में जीत की स्थिति में शंख बजाने का रिवाज है। लेकिन भगवान विष्णु माता लक्ष्मी की तपस्या में बाधा नहीं डालना चाहते थे। इसी कारण भगवान ने शंख नहीं बजाया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसलिए बद्रीनाथ मंदिर में शंख नहीं बजाया जाता है।

**शंख न बजाने के वैज्ञानिक कारण**

बद्रीनाथ मंदिर में शंख न बजाने का एक वैज्ञानिक कारण भी है। सर्दियों के दौरान यहां बर्फ गिरती है। ऐसे में अगर समय रहते शंख बजाया जाए, तो इसकी आवाज से बर्फ में दरारें पड़ सकती हैं और यहां तक कि बर्फीला तूफान भी आ सकता है। यही कारण है कि बद्रीनाथ मंदिर में शंख नहीं बजाया जाता है।

हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु बद्रीनाथ मंदिर के दर्शन के लिए आते हैं। बद्रीनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालु बहुत उत्साहित रहते हैं। इस धाम को पृथ्वी का बैकुंठ धाम भी कहा जाता है।

# सूर्य गोचर आज, 12 राशियों पर होगा असर

**सूर्य का गोचर कल 14 मई को 11:58 एएम पर शुक्र के राशि वृषभ में होगा।**

**मेष:** सूर्य के गोचर के कारण आपको धन लाभ होगा और आमदनी के नए रास्ते खुल सकते हैं। इस 14 मई के बाद से आप अपने शौक को ही करियर बनाने पर विचार कर सकते हैं। करियर में आप अधिक महत्वाकांक्षी होंगे और नया ही रूप लोगों को देखने को मिलेगा।

**वृषभ:** जो लोग सरकारी नौकरी के लिए तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए सूर्य का राशि परिवर्तन शुभ साबित हो सकता है। आवेदन करें, आपको सफलता मिलने की उम्मीद अधिक है।

**मिथुन:** सूर्य गोचर का अशुभ प्रभाव आपके करियर पर हो सकता है। आपको काम करने में कठिनाई महसूस हो सकती है। आपको अपने रिश्तों को समय देना होगा, नहीं तो वे खराब हो सकते हैं।

**कर्क:** आपके लिए सूर्य का राशि परिवर्तन शुभ फलदायी होगा। नौकरी करने वालों को प्रमोशन, वेतन और सम्मान में वृद्धि मिल सकती है। सेहत आपकी ठीक रहेगी। बिजनेस वालों को मुनाफा कमाने का अवसर मिलेगा।

**सिंह:** सूर्य का गोचर आपको नौकरी में मजबूत करेगा। आपकी स्थिति में सुधार होगा और अपने काम के दम पर पहचान हासिल करेंगे। करियर को लेकर आप जो सपना देख रहे हैं, वह पूरा करने के लिए समय अनुकूल है। व्यापारी वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे।

**कन्या:** सूर्य का यह राशि परिवर्तन आपके पद और प्रतिष्ठा को बढ़ाने में मददगार हो सकता है। आप संयम के साथ काम करें। आपकी आर्थिक उन्नति होने में देर नहीं लगेगी। इस दौरान आपको नई डील मिल सकती है, जिससे आपके परिवार की तरक्की हो सकती है।

**तुला:** सूर्य का यह गोचर आपकी सेहत और वित्तीय स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फिजूलखर्ची पर लगाम लगाएं और सेहत का पूरा ध्यान रखें। जल्दीबाजी या गलत सुझाव पर आधारित निवेश वित्तीय संकट पैदा कर सकता है।

**वृश्चिक:** सूर्य के प्रभाव के कारण आपके व्यवहार में परिवर्तन देखा जा सकता है। आप पहले से अधिक उग्र और आक्रामक हो सकते हैं। ऐसे में आपको सलाह दी जाती है कि आप वाणी और व्यवहार पर संयम रखें, नहीं तो आपके क्रोध के कारण काम खराब हो जाएंगे। शादीशुदा लोगों के जीवन में पार्टनर के साथ तालमेल की कमी हो सकती है।

**धनु:** आपकी राशि पर सूर्य देव की कृपा होगी। नौकरी में आपको नया पद मिल सकता है या आपको नई जॉब का प्रस्ताव मिल सकता है, जो आपके पद और प्रतिष्ठा को बढ़ा सकता है। वाहन सुख का मौका मिल सकता है। आप सूर्य देव को नियमित जल अर्पित करें।

**मकर:** आपकी राशि के स्वामी शनि हैं और सूर्य से उनकी बनती नहीं है। सूर्य का गोचर आपके लिए प्रतिकूल प्रभाव वाला होगा। आपकी सेहत, नौकरी और बिजनेस तीनों पर बुरा असर पड़ सकता है। 14 मई के बाद गलत निवेश से आर्थिक पक्ष कमजोर होगा। कार्यस्थल पर कहासुनी हो सकती है। इस दौरान आपके बारे में झूठी बातें प्रचारित की जा सकती हैं।

**कुंभ:** आपको भी सूर्य गोचर के कारण नकारात्मक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको कुछ स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन के लिए भी यह समय कुछ ठी नहीं रहेगा। एक महीने आप अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें।

**मीन:** आपकी राशि के लोगों को वाहन प्रयोग करते समय सावधान रहना होगा क्योंकि सड़क दुर्घटना हो सकती है। यह समय आपके लिए कष्टप्रद हो सकता है। आपको किसी को रुपए उधार देने से बचना चाहिए। 14 मई के बाद से आपकी आर्थिक स्थिति नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकती है। आपके कुछ काम अटक सकते हैं, सफलता न मिलने से निराशा हो सकती है।

## 'हीरामंडी' देख सिद्धार्थ के नहीं थमे आंसू : अदिति राव हैदरी बोलीं, 'रोते-रोते उनकी आंखें सूज गईं'

अदिति राव हैदरी इन दिनों 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' की सक्सेस एन्जॉय कर रही हैं। सीरीज में उन्होंने बिब्बोजान का किरदार निभाया है, जिसे बेहद पसंद किया जा रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अदिति ने अपने रोल पर मंगेतर सिद्धार्थ के रिएक्शन के बारे में खुलासा किया है। इंटरव्यू में अदिति ने कहा, सिद्धार्थ को 'हीरामंडी' बेहद पसंद आई। वो इतने ज्यादा उत्साहित हो गए कि वो कुछ बोल ही नहीं पा रहे थे। वो रो रहे थे और उनकी आंखें सूज गईं। सिद्धार्थ ने मुझसे कहा कि मैं संजय लीला भंसाली सर से जल्द से जल्द मिलना चाहता हूं।

सिद्धार्थ के साथ रिलेशनशिप पर बात करते हुए अदिति ने कहा, 'हम दोनों जो भी करते हैं, उससे प्यार करते हैं और उस चीज को एन्जॉय करते हैं। हम हमेशा अपने अंदर एक पांच साल के बच्चे को जिंदा रखते हैं ताकि एक्साइटमेंट बना रहे। एक दूसरे को प्रेशराइज नहीं करते। हमें सिंपल चीजें पसंद हैं। हम हमेशा काम की बातें नहीं करते, लेकिन ऐसी चीजों पर बात करते हैं जो हमें जिंदगी में आगे ले जाएं।'

सिद्धार्थ और अदिति ने एक महीने पहले ही अपनी सगाई की अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर की है। दोनों ने एक साथ 2021 की तमिल-तेलुगु फिल्म 'महासमुद्रम' में काम किया था। तभी से इन दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। सिद्धार्थ ने बॉलीवुड की फेमस फिल्मों जैसे 'रंग दे बसंती' और 'चश्मेबद्दूर' में काम किया है। अदिति राव हैदरी साउथ के साथ हिंदी फिल्मों की भी जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने 'पद्मावत', 'बॉस', 'रॉकस्टार'और 'मर्डर-3' जैसी फिल्मों में काम किया है।

अदिति का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में एहसान हैदरी और विद्या राव के घर हुआ था। अदिति हैदराबाद के निजाम रहे मो. साहेल अकबर हैदरी की पड़पोती हैं। अदिति के नाना राजा जे. रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी के राजा थे।

अदिति ने अपने करियर की शुरुआत बतौर भरतनाट्यम डांसर की थी। उन्होंने फेमस भरतनाट्यम डांस लीला सैमसन के डांस ग्रुप में भी काम किया था। यहां काम करने के बाद उन्होंने एक्टिंग की तरफ रुख किया था। उन्होंने पहली बार 2007 की तमिल फिल्म 'श्रृंगारम' में एक्टिंग की थी।

## भारती सिंह को अस्पताल से मिली छुट्टी, सर्जरी के बाद पेट से निकली पथरी

भारती सिंह देश की मशहूर कॉमेडियन में से एक हैं। वह अपने शानदार कॉमिक टाइमिंग और चुटकुलों के लिए जानी जाती हैं। उनकी इस प्रतिभा के कारण उनके लाखों प्रशंसक हैं। हाल ही में उनके प्रशंसकों के लिए चिंता करने वाली खबर सामने आई थी। कॉमेडियन भारती सिंह को पेट में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। अस्पताल में भर्ती होने के दौरान वह अपने बेटे 'गोला' को याद करते हुए भावुक भी हो गई थीं। अभिनेत्री ने कुछ दिनों पहले खुलासा किया की उनकी किडनी में 'पथरी' है, जिसकी वजह से उन्हें पेट में असहनीय पीड़ा होती थी। बता दें कि अभिनेत्री की सर्जरी की गई और पथरी सफलतापूर्वक निकाल दी गई। 3 से 4 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद भारती को अब अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

भारती सिंह ने अपनी सर्जरी के बाद एक वीडियो के जरिए उनकी किडनी से निकाली गई पथरी को दिखाया। उन्होंने मजाक-मजाक में उसे खूब कोसा। उन्होंने बताया कि एक छोटे से पत्थर ने उन्हें कितनी तकलीफ दी है।

भारती ने इस दौरान यह भी साझा किया कि वह सर्जरी ने नहीं डरी थीं। उनके लिए सबसे मुश्किल था अपने बेटे गोला से दूर रहना, क्योंकि अस्पताल में बच्चों को आने की इजाजत नहीं थी, इसलिए वह अपने बेटे से नहीं मिल पाईं।

## हीरामंडी 2 की तैयारी में हैं संजय लीला भंसाली

बीते शनिवार बांद्रा, मुंबई में सीरीज हीरामंडी की सक्सेस पार्टी रखी गई। इस दौरान सीरीज के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने खुलासा किया कि वे हीरामंडी-2 की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि हीरामंडी 2 की अनाउंसमेंट जल्द होगी। सीरीज की सफलता देख उन्होंने ये फैसला किया है। सीरीज की सक्सेस पार्टी को 'जश्न ए हीरामंडी' का नाम दिया गया। सीरीज से जुड़ी सारी स्टारकास्ट यहां पहुंची थीं। सारे लोग ट्रेडिशनल ड्रेस में दिखाई दिए। डायरेक्टर भंसाली सहित सारे मेल एक्टर पठानी कुर्ते पजामे में पहुंचे। वहीं सीरीज की एक्ट्रेसेस सलवार सूट, लहंगे और साड़ी में पहुंचीं।

**43 देशों में टॉप 10 में शामिल है सीरीज**

OTT के व्यूअरशिप मामले में सीरीज हीरामंडी पहले नंबर पर है। पहले हफ्ते में सीरीज को 45 लाख बार देखा गया था। दूसरे हफ्ते में सीरीज को 1.2 करोड़ व्यूज मिले। 43 देशों में सीरीज ने टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। 8 एपिसोड वाले इस सीरीज का कुल रन टाइम 7 घंटे 19 मिनट है। तब भी इस सीरीज को देखने के लिए यूजर्स ने 3.3 करोड़ घंटे का समय नेटफ्लिक्स पर बिताया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सीरीज को बनाने में 200 करोड़ रुपए की लागत आई है। भंसाली ने इस सीरीज को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया था, जिसे साकार करने में उन्हें 14 साल लगे।

## अनिल कपूर के बेटे ने इमरान को किया था रिप्लेस डिप्रेशन के चलते एक्टर ने छोड़ी थी फिल्म 'थार'

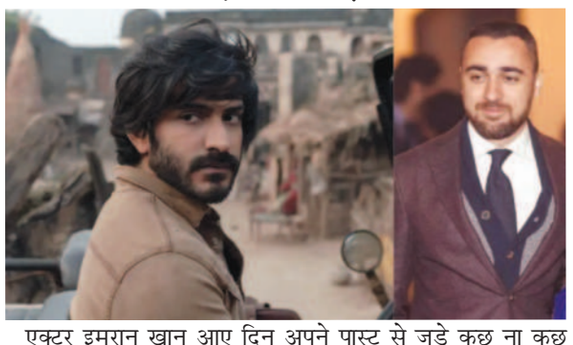

एक्टर इमरान खान आए दिन अपने पास्ट से जुड़े कुछ ना कुछ खुलासे करते रहते हैं। अब एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि वो अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'थार' में लीड रोल प्ले करने वाले थे। हालांकि, बाद में यह रोल अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर ने किया। इमरान ने बताया कि जिस वक्त उन्हें यह फिल्म ऑफर की गई, वो डिप्रेशन से जूझ रहे थे और ऐसे में उन्होंने इस फिल्म को छोड़ दिया।

एक इंटरव्यू में इमरान ने कहा, 'मैं उस वक्त कुछ फिल्मों से जुड़ा हुआ था पर एक वक्त आया जब मैं कुछ फिल्मों से वापस आ गया। मैं एक फिल्म को लेकर फाइनल स्टेज पर था जो बाद में 'थार' टाइटल के साथ रिलीज हुई। शुरुआती दौर में मैं उस फिल्म से जुड़ा था। तब मैं डिप्रेशन से जूझ रहा था। बाद में यह रोल हर्षवर्धन कपूर ने प्ले किया।' वर्कफ्रंट पर इमरान जल्द ही फिल्म 'हैप्पी पटेल' में कैमियो करते नजर आएंगे। इस कॉमेडी फिल्म से वो 9 साल बाद एक्टिंग कमबैक करेंगे। फिल्म को उनके मामा आमिर खान प्रोड्यूस करेंगे। वहीं इसे एक्टर वीर दास डायरेक्ट करेंगे। यह उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म होगी। आखिरी बार इमरान 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी-बट्टी' में नजर आए थे।

## 'आज मेरे 3 बच्चे होते...', ईशा गुप्ता ने शादी और मां बनने पर तोड़ी चुप्पी, 30 की उम्र में फ्रीज करवाए थे एग्स

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस ईशा गुप्ता, जिन्होंने 'राज 3', 'जन्नत 2', 'रुस्तम', 'बादशाहो', 'टोटल धमाल' जैसी फिल्मों में काम किया है। इन दिनों पर्दे से दूर हैं। वह आखिरी बार 2019 में ही दिखाई दी थीं।

उसके बाद से उन्होंने स्पेन में अपना बिजनेस डाल लिया है। उसी में वह व्यस्त रहती हैं। अब उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कुछ खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड मैनुएल कैम्पोस गुलार संग शादी और बच्चों के बारे में भी बात की है।

37 साल की ईशा गुप्ता ने एक समाचार पत्र से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें जीवन में कोई टेंशन नहीं। काम के मामले में और खासकर फिल्मों के लिए वह इधर-उधर भाग नहीं रही हैं। उन्हें खुशी है कि उनके जीवन में मैनुएल हैं। जो कि एक स्पेनिश बिजनेसमैन हैं।

एक्ट्रेस ने बताया कि उनके बॉयफ्रेंड ने स्पेन में एक रेस्टोरेंट बनाने में मदद की थी। 'सर्विस बैकग्राउंड से आने के बाद आप एक बिजनेस के बारे में नहीं सोच सकते। आप खुद को बनाने के बारे

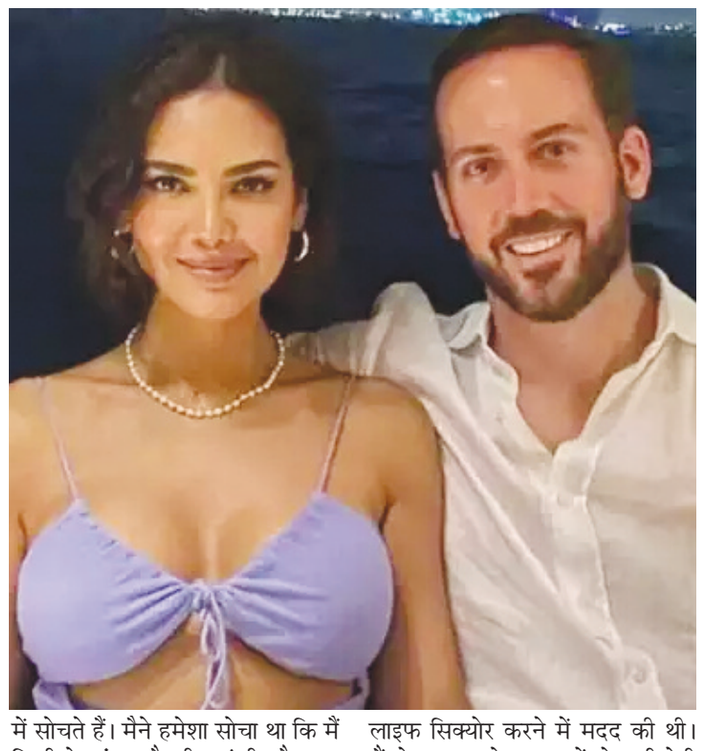

में सोचते हैं। मैने हमेशा सोचा था कि मैं किसी के अंडर नौकरी करूंगी और एक लॉ फर्म से जुड़ुंगी। क्योंकि ये आसान है और भरोसेमंद भी। लेकिन उसने मेरी लाइफ सिक्योर करने में मदद की थी। मैं तो अब उससे मजाक में बोल भी देती हूं कि तुम अब मुझे छोड़ नहीं सकते। तुमको शादी करनी होगी।'

## घर के बाद सरेआम किस करते नजर आए सैफ-करीना, हुए ट्रोल

बॉलीवुड के पावर कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान ने एक बार फिर फैंस का ध्यान आकर्षित किया। हाल ही में, कपल को उनके मुंबई बंगले के बाहर किस करते हुए स्पॉट किया गया है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होते ही लोगों ने कपल को आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया है और दोनों की जमकर आलोचना भी कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर वायरल एक वीडियो में करीना और सैफ को अपनी कार की ओर जाते हुए देखा गया और दोनों बातचीत में भी व्यस्त लग रहे थे। इस दौरान दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आए और कुछ ही समय के बाद कपल ने एक-दूसरे को किस भी किया। इसके बाद दोनों अपने-अपने रास्ते चले गए। सोशल मीडिया पर एक तरफ तो लोग कपल की सराहना

कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कुछ लोग सैफ और करीना को ट्रोल भी कर रहे हैं।

वीडियो में करीना ने ब्लू डेनिम और व्हाइट कुर्ते के साथ अपने लुक को पूरा किया था। जबकि सैफ एक सफेद कुर्ता और मैचिंग पजामा में काफी डैशिंग लग रहे थे। एक तरफ तो प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर इस जोड़ी के प्रति अपना प्यार जाहिर किया, एक ने कमेंट करते हुए लिखा, "लव देम। कपल गोल्स।" दूसरे यूजर ने कहा, "ऐसा लगता है कि करीना सैफ से इश्क करती है जो कभी कम ही नहीं होगा।

वहीं, कुछ लोगों ने ट्रोल करते हुए कहा, 'घर के बाहर यह सब हरकतें करने में क्या मजा आता है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'सारा प्यार घर के बाहर ही उमड़ता है, जिसने यब सब कैप्चर किया है, गलती उसकी भी है।' एक और यूजर ने लिखा, 'यह सब क्या क्या देखना पड़ रहा है।' वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर पिछली बार 'क्रू' फिल्म में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने तब्बू और कृति सैनन के साथ काम किया था. रिलीज के साथ ही करीना कपूर की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी।

## ममूटी की फिल्म 'टर्बो' में जबर्दस्त एक्शन ड्रामा देखने के लिए फैंस उत्साहित

इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्मों में से एक ममूटी की आगामी फिल्म 'टर्बो' रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया है। एक्शन से भरपूर ट्रेलर में ममूटी को लोकप्रिय कन्नड़ अभिनेता राज बी शेट्टी के साथ भिड़ते हुए दिखाया गया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रहा है। आइए जानते हैं कि ट्रेलर देखने के बाद ममूटी के प्रशंसकों की क्या प्रतिक्रिया रही है।

**टर्बो का ट्रेलर हुआ रिलीज**

यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल 2022 की 'भीष्म पर्व' के बाद यह ममूटी की पहलीबड़ी मनोरंजन फिल्म है। 'टर्बो' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें कई चौंका देने वाले एक्शन सीन्स हैं। 12 मई को ममूटी ने ट्रेलर का यूट्यूब लिंक सोशल मीडिया पर शेयर किया था। ट्रेलर में जोस (ममूटी) का परिचय दिया गया है, जिसे सभी

लोग प्यार से टर्बो जोस कहते हैं। वह एक शक्तिशाली व्यक्ति (राज बी शेट्टी) से भिड़ते नजर आता है।

**एक्शन अवतार में नजर आए ममूटी**

ट्रेलर में दोनों के बीच दुश्मनी की वजह का खुलासा नहीं किया गया है। पुलिमुरुगन के निर्देशक वैशाख ने टर्बो के लिए एक बार फिर ममूटी के साथ मिलकर काम किया है। पटकथा अंजाम पथिरा और अब्राहम ओजलर निर्देशक मिथुन मैनुएल थॉमस द्वारा लिखी गई है। 'टर्बो' में कन्नड़ अभिनेता राज बी शेट्टी, तेलुगु अभिनेता सुनील और अंजना जयप्रकाश, कबीर दुहान सिंह, सिद्दीकी, शबरीश वर्मा और दिलेश पोथान भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

**हिट फिल्में दे रहे हैं अभिनेता**

ममूटी को आखिरी बार इसी साल मलयालम फिल्म 'ब्रह्मयुगम' मुख्य भूमिका में देखा गया था। मेगास्टार की मुख्य भूमिका वाली इस हॉरर फिल्म का निर्देशन राहुल सदासिवन ने किया है और इसमें अभिनेता सिद्धार्थ भारतन और अर्जुन अशोकन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आए। अभिनेता ने पिछले कुछ वर्षों में बैक-टू-बैक हिट फिल्मों के साथ शानदार प्रदर्शन किया है। वह अगली बार स्टाइलिश एक्शन थ्रिलर 'बाजूका' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

## 'खतरों के खिलाड़ी 14' में टाइगर श्रॉफ की बहन से लेकर शालीन भनोट और शिल्पा शिंदे तक लेंगे हिस्सा

स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' अपने सीजन 14 के साथ टेलीविजन पर लौटने के लिए तैयार है। इस बार शो यूरोप के शहर रोमानिया में शूट किया जाएगा। फिल्ममेकर रोहित शेट्टी ही इस सीजन को होस्ट करेंगे।अब इस शो में हिस्सा लेने वाले कई सितारों के नाम सामने आए। माना जा रहा है कि अब कन्फर्म 13 कंटेस्टेंट की लिस्ट सामने आ गई है।इस लिस्ट 'बिग बॉस 17' फेम अभिषेक कुमार से लेकर टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे के नाम शामिल हैं।

**अभिषेक कुमार**

'बिग बॉस 17' के पहले रनरअप अभिषेक कुमार 'खतरों के खिलाड़ी 14' के पहले कन्फर्म कंटेस्टेंट हैं। बता दें कि रोहित शेट्टी 'BB17' में गए थे। वहां उन्होंने एक कॉम्पिटिशन करवाया था। अभिषेक उसमें जीत गए थे। जिसके बाद, रोहित शेट्टी ने उन्हें सबसे पहले अपने शो के लिए चुना।

**समर्थ जुरैल**

'बिग बॉस 17' के वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट समर्थ जुरैल भी 'KKK 14' के कन्फर्म कंटेस्टेंट बन गए हैं। वैसे, समर्थ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। सूत्रों की मानें तो समर्थ का उनकी गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस ईशा मालवीय से ब्रेकअप हो गया है।

**अदिति शर्मा**

टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा ने भी शो के लिए हामी भर दी है। एक्ट्रेस 'ये जादू है जिन्न का' और 'रब से है दुआ' जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं।

**गशमीर महाजनी**

गशमीर महाजनी टीवी पर अपनी एक्टिंग और डांस का हुनर दिखा चुके हैं। वे अब 'खतरों के खिलाड़ी 14' में अपना साहस दिखाने आ रहे हैं। आखिरी बार एक्टर को शो 'इमली' में देखा गया था।

**करण वीर मेहरा**

'बातें कुछ अनकही सी', 'जिद्दी दिल माने ना', 'टीवी, बीवी और मैं' जैसे शोज में नजर आ चुके एक्टर करण वीर मेहरा अब KKK 14 में स्टंट करते दिखेंगे। बता दें, करण पिछले कुछ समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में थे।करण और टीवी एक्ट्रेस निधि सेठ की शादी जनवरी 2021 में हुई थी। मगर कुछ महीने में ही इनकी शादी में खटास आने लगी।

दोनों ने अक्टूबर 2023 में तलाक ले लिया था।

**शिल्पा शिंदे**

शिल्पा शिंदे टीवी शो 'भाभीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर पॉपुलर हुई थीं। हालांकि, 2016 में उन्हें शो से रिप्लेस कर दिया गया था। शिल्पा पर आरोप लगाया गया था कि वो अनप्रोफेशनल हैं और मेकर्स से कोऑर्डिनेट नहीं करतीं। वो आखिरी बार शो 'मैडम सर' में एक कैमियो रोल में नजर आई थीं।

**सुमोना चक्रवर्ती**

सुमोना टीवी की दुनिया का बड़ा नाम हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय से वे टीवी से गायब हैं। बता दें, अपनी कॉमेडी से फैन्स को हंसाने वाली सुमोना अब स्टंट करती नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने KKK 14 के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

**निमृत कौर अहलूवालिया**

इस कंफर्म लिस्ट में 'छोटी सरदारनी' फेम निमृत कौर अहलूवालिया का नाम भी जुड़ गया है। बता दें, निमृत रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

**आसिम रियाज**

'बिग बॉस 13' के फर्स्ट रनरअप आसिम रियाज 'खतरों के खिलाड़ी 14' का हिस्सा होंगे। इस बात की पुष्टि करते हुए आसिम ने कहा, 'मैं शो में चुनौतियों पर काबू पाने और अपनी लिमिट को टेस्ट करने को लेकर एक्साइटेड हूं। यह शो कंटेस्टेंट्स को बहादुर बनाता है और मुझे यकीन है कि मैं इस शो से जीवन के बारे में बहुत कुछ सीखूंगा। मैं अपने फैंस को यह दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि मैं वास्तव में क्या करने में सक्षम हूं। उन्होंने मुझसे बिना शर्त प्यार किया और मेरी यात्रा के दौरान मेरे लिए खड़े रहे।'

**कृष्णा श्रॉफ**

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा अब फिल्मों और OTT की बजाय सीधा टीवी से डेब्यू करने जा रही हैं। हाल ही में उन्होंने इस शो में आने की पुष्टि की। कृष्णा ने कहा, 'मुझे हमेशा से खुद को चुनौती देना पसंद है। 'खतरों के खिलाड़ी 14' से बेहतर मौका क्या हो सकता है जहां मैं अपनी मेंटल और फिजिकल स्ट्रेंथ बढ़ा पाऊंगी'।

**आशीष मेहरोत्रा**

सीरियल 'अनुपमा' में निगेटिव रोल निभाने वाले आशीष मेहरोत्रा ने हाल ही में शो को अलविदा कहा। आने वाले दिनों में, एक्टर रोहित शेट्टी के शो में स्टंट करते दिखेंगे।

**नियति फतनानी**

सीरियल 'नजर' फेम एक्ट्रेस नियति फतनानी ने KKK 14 के लिए हामी भर दी है। बता दें, मेकर्स ने उन्हें पिछले सीजन के लिए भी एप्रोच किया था। हालांकि, उस वक्त अपने वर्क कमिटमेंट के चलते, नियति उस ऑफर को एक्सेप्ट नहीं कर पाई थीं। इस बार वे शो में पार्टिसिपेट करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

**शालीन भनोट**

एक्टर शालीन भनोट का नाम भी इस सीजन के लिए कंफर्म हो गया हैं। बता दें, शालीन को 'बिग बॉस 16' के दौरान भी ये शो ऑफर हुआ था। हालांकि, उस वक्त उन्होंने इस ऑफर को रिजेक्ट कर दिया था। 'बिग बॉस' के अलावा, एक्टर 'सूर्यपुत्र कर्ण', 'राम सिया के लव कुश' और 'बेकाबू' जैसे शोज में भी काम कर चुके हैं।

## भारत के टॉप न्यूट्रिशन संस्थान ने नॉन स्टिक को माना जहर

बताया खाना पकाने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं केवल मिट्टी के बर्तन

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीयों के लिए डायट्री गाइडलाइन्स जारी की हैं। इसमें लोगों को सलाह दी गई है कि खाना पकाने के लिए मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करना चाहिए। यह आदत लोगों की जीवनशैली में बदलाव करते हुए उन्हें कई रोगों से बचा सकती है।

घर की किचन अब हाईटेक हो गई हैं। लोगों ने स्टील या एल्यूमीनियम को छोड़कर अब नॉन स्टिक बर्तनों में खाना पकाना शुरू कर दिया है। इन बर्तनों में खाना जलने और चिपकना का डर तो नहीं होता, लेकिन यह आपको बीमार जरूर कर सकता है। हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीय लोगों के लिए डायट्री गाइड लाइन्स जारी की हैं। जिसमें मिट्टी के बर्तनों की सुरक्षा और फायदों के बारे में बताया गया है।

एनआईएन के अनुसार, यह बर्तन ईको फ्रेंडली हैं, कम तेल का उपयोग करते हैं और इनमें पोषक तत्वों को बरकरार रखते हुए भोजन के प्राकृतिक स्वाद को बनाए रखने की अच्छी क्षमता होती है। ये नॉन टॉक्सिक होते हैं और इनमें किसी भी केमिकल का इस्तेमाल भी नहीं होता। तो चलिए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने के फायदे।

**खाने के लिए कौन से बर्तनों का उपयोग करना चाहिए?**

एक्सपर्ट के अनुसार, खाना खाने के लिए फूड-ग्रेड स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का उपयोग करना ठीक है। ये टिकाऊ, साफ करने में आसान और स्वच्छ विकल्प माने जाते हैं। हालांकि, मिट्टी और चीनी मिट्टी के बने बर्तन भी खाने के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बशर्ते इनका ठीक से रखरखाव किया जाए।

मिट्टी के बर्तन में खाना पकाना आपके भोजन को पकाने का एक पारंपरिक और स्वस्थ तरीका है। जो लोग मॉडर्न कुकवेयर के लिए सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प तलाश रहे हैं, वे मिट्टी के बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं।

**कुकिंग के लिए बेस्ट हैं मिट्टी के बर्तन**

न्यूट्रिशन ने बताया कि मिट्टी के बर्तनों को उनकी गर्मी वितरित करने की क्षमता के लिए जाना जाता है। ये आपके भोजन में पोषक तत्वों को बनाए रखने में भी कारगर होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि सेंसिटिव नेचर के कारण इन्हें हैंडल करना थोड़ा मुश्किल है। इन बर्तनों को रेगुलर क्लीनिंग की भी जरूरत होती है, ऐसे में यह हर किचन के लिए अच्छे नहीं होते। हालांकि, अगर कोई भोजन में पर्याप्त पोषक तत्व चाहता है, तो उन लोगों के लिए मिट्टी के बर्तन अच्छा विकल्प है।

**क्यों बताया नॉन स्टिक बर्तनों को हानिकारक?**

पिछले कुछ सालों में नॉन स्टिक बर्तनों में टेफलोन कोटिंग ने लोगों की चिंता बढ़ी थी। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी नॉन स्टिक बर्तन को ज्यादा गर्म करने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि टेफलॉन की कोटिंग झड़कर हानिकारक धुआं छोड़ती है। यह धुआं हमारे फेफड़ों और फ्लू जैसे लक्षणों का कारण बन सकता है, जिसे पॉलिमर फ्यूम बुखार के नाम से जाना जाता है।

## प्रोबायोटिक्स से जुड़ी ये बात झूठ है, पेट की कई समस्याओं के लिए कारगर हैं ये चीजें

खराब खानपान, और तेजी से बदलती लाइफस्टाइल के कारण कई लोग हमेशा पेट दर्द, गैस और कब्ज जैसी पेट से संबंधित समस्याओं से जूझते रहते हैं। इन सभी परेशानियों का सीधा संबंध खराब डाइजेशन से हैं। डाइजेशन बढ़िया रखने के लिए आमतौर पर प्रोबायोटिक्स लेने की सलाह दी जाती हैं। तो आइए जानते हैं कि प्रोबायोटिक्स क्या है, और उन्हें डाइट में शामिल क्यों करना चाहिए? हम प्रोबायोटिक्स से जुड़े मिथक और उनकी सच्चाई के बारे में जानेंगे।

**प्रोबायोटिक्स क्या होते हैं और हमारे लिए क्यों जरूरी हैं?**

डॉक्टर ने प्रोबायोटिक्स पर बात करते हुए कहते हैं, "प्रोबायोटिक्स शरीर में मौजूद लाभकारी जीवित बैक्टीरिया हैं, जो हमारे पाचन तंत्र की इम्युनिटी को बढ़ाते हैं और डाइजेस्टिव सिस्टम व गट हेल्थ को दुरुस्त बनाते हैं। दही, छाछ, पनीर, इडली डोसा और ढोकला प्रोबायोटिक के अच्छे स्रोत हैं".

**गट हेल्थ के लिए प्रोबायोटिक्स हमेशा फायदेमंद हैं?**

एक लाइन में कहें तो डाइजेस्टिव सिस्टम और गट हेल्थ के लिए प्रोबायोटिक्स बेहद जरूरी हैं। यही कारण है कि पेट की समस्या होने पर कई बार डॉक्टर कैप्सूल और सैश के रूप में प्रोबायोटिक लिखते हैं। मेडिकल टर्म में इन्हें मेडिकेटेड प्रोबायोटिक्स कहा जाता है। हालांकि, यह सच नहीं है कि प्रोबायोटिक्स हमेशा स्वास्थ्य के लिए अच्छे ही होते हैं। डॉक्टर की सलाह के बिना उन्हें नहीं लेना चाहिए।

**दही के अलावा प्रोबायोटिक्स के नेचुरल सोर्स क्या हैं?**

अगर आपको दही पसंद नहीं है तो आप छाछ, अचार, पनीर और कोम्बुचा को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये सभी नेचुरल प्रोबायोटिक्स माने जाते हैं।

## वैज्ञानिकों के चेतावनी-मोटे लोगों को 32 तरह के कैंसर का रिस्क

**जान बचानी है तो प्लेट से निकाल फेंक दो ये चीजें**

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि अधिक वजन से जुड़े कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह अध्ययन बताता है कि पहले के मुकाबले अब मोटापे के कारण होने वाले कैंसर का खतरा ज्यादा हो गया है। 4 दशकों में किए गए इस शोध में 41 लाख लोगों को शामिल किया गया। अध्ययन के अनुसार, अब हर 10 में से 4 लोगों में मोटापे से जुड़े कैंसर होने का खतरा पाया जा सकता है। साथ ही, इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि मोटापे से 30 तरह के कैंसर का संबंध हो सकता है। पहले जहां मोटापे को 13 तरह के कैंसर से जोड़ा जाता था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

खराब खानपान की वजह से मोटापे से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। एक्सपर्ट मानते हैं कि मोटापा कम करने के लिए खाने से जंक फूड कम करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। प्लेट से नीचे बताई चीजों को निकलाने से मोटापे और कैंसर का जोखिम कम हो सकता है।

**मोटापे से 32 तरह के कैंसर का खतरा**

स्वीडन के माल्मो स्थित लुंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 40 सालों तक 41 लाख से अधिक लोगों के वजन और जीवनशैली का अध्ययन किया। इस दौरान शोधकर्ताओं ने 122 तरह के कैंसर की जांच की और पाया कि इनमें से 32 तरह के कैंसर का सीधा संबंध मोटापे से हो सकता है।

**ओबेसिटी का इनफर्टिलिटी पर भी पड़ता है असर**

**मोटापे से होने वाले कैंसर**

अध्ययन में पाया गया कि 19 तरह के कैंसर को पहली बार मोटापे से जोड़ा गया है। इनमें त्वचा का मेलानोमा, पेट का ट्यूमर, छोटी आंत और पिट्यूटरी ग्रंथि के कैंसर, सिर और गर्दन के कुछ खास तरह के कैंसर, योनि और लिंग का कैंसर शामिल हैं।

**फ्रेंच फ्राइज और फ्राई फूड्स**

फ्रेंच फ्राइज में बहुत ज्यादा फैट और कैलोरी होती है। रेस्टोरेंट में मिलने वाली फ्रेंच फ्राइज तो और भी ज्यादा नुकसानदायक होती हैं। इसके अलावा कोई भी चीज़ जो डीप फ्राई करके बनाई गई हो, वो न सिर्फ आपका वजन बढ़ाएगी बल्कि कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ा सकती है। यहां तक कि दिल का दौरा भी पड़ सकता है।

**कोल्ड ड्रिंक्स**

आप स्वस्थ खाना खा रहे हैं, फिर भी वजन बढ़ रहा है? हो सकता है आप जो पी रहे हैं, वो समस्या पैदा कर रहा हो। कोल्ड ड्रिंक्स पीने वाले लोगों में अक्सर मोटापे की समस्या देखी जाती है। आमतौर पर ये मीठी कोल्ड ड्रिंक्स कॉर्न सिरप से बनती हैं और इनमें कैलोरीज़ तो बहुत होती हैं।

**फैट वाला मांस और ट्रांस फैट**

मांस का सेवन सेहत के लिए हानिकारक है। इनमें बहुत ज्यादा फैट होता है, जो दिल के लिए भी नुकसानदेह है। इससे वजन बढ़ता है। फ्रोजन फूड, पैकेटबंद खाने और डिब्बाबंद खाने में ट्रांस फैट पाया जाता है। ट्रांस फैट सीधे तौर पर मोटापे और कैंसर से जुड़ा है।

**पैकेट जूस और चॉकलेट**

बाजार में मिलने वाले डिब्बाबंद जूस भले ही 100% प्राकृतिक होने का दावा करें, लेकिन इनमें प्रिजर्वेटिव और ज्यादा चीनी डाली जाती है ताकि ये खराब न हों। साथ ही इनमें रंग और केमिकल भी मिलाए जा सकते हैं, जो सेहत के लिए खतरनाक हैं। इसी तरह वो चॉकलेट जिनमें बहुत ज्यादा चीनी, प्रिजर्वेटिव और मिलावट होती है, वो सेहत के लिए अच्छी नहीं हैं। इनके अलावा पैकेट वाले सीरियल्स, मक्खन और क्रीम या चीनी वाली कॉफी भी तेजी से मोटापा बढ़ाती हैं।

## तेजी से खून बनाती है फोर्टिफाइड आटे की रोटी, कमजोर ढांचे में भरेगी जान

कौन सा आटा खाना चाहिए, सबसे अच्छा आटा कौन सा होता है, कौन सा आटा सेहत के लिए फायदेमंद है? यह ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब हर कोई जानना चाहता है। गेहूं सबसे ज्यादा खाए जाने वाला अनाज है। लगभग सभी घरों में गेहूं के आटे की रोटी बनती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप अपने साधरण आटे को ज्यादा पावरफुल और हेल्दी बना सकते हैं?

फैसी के अनुसार, गेहूं और चावल सहित कई चीजों को फोर्टिफाइड करके उनके पोषक तत्वों और ताकत को बढ़ाया जा सकता है। अच्छी बात यह है कि आटे को भी फोर्टिफाइड किया जा सकता है, मतलब आटे के पौष्टिक गुणों को और ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। चलिए जानते हैं कि साधारण आटे को ताकतवर कैसे बनाया जा सकता है।

**आटे को फोर्टिफाइड कैसे किया जाता है?**

साधारण आटे को ज्यादा पौष्टिक बनाने के लिए इसे आयरन, फोलिक एसिड, और विटामिन बी12 के साथ अन्य पोषक तत्व मिलाए जाते हैं। यह पूरा प्रोसेस उस समय होता है, जब गेहूं को पीसकर आटा बनाया जाता है।

**आटे को फोर्टिफाइड करने से क्या होता है?**

आटे को फोर्टिफाइड करने से इसमें पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है। चूंकि इसमें आयरन, फोलिक एसिड, और विटामिन बी12 जैसे जरूरी पोषक तत्व मिलाये जाते हैं इसलिए इस आटे की रोटी खाने से खून की कमी यानी एनीमिया से बचने में मदद मिलती है, और शरीर को ताकत मिलती और थकान-कमजोरी दूर होती है।

**फोर्टिफाइड आटा कहां से मिलेगा**

अगर आप अपनी अपने परिजनों की सेहत का ख्याल रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खाने में फोर्टिफाइड आटे की रोटी है खानी चाहिए। यह आटा आपको कहीं भी आसानी से मिल सकता है, इसके पैकेट पर 'F+' लिखा होता है।

**गेहूं के आटे को फोर्टिफाइड करने के फायदे**

*गेहूं के आटे को फोर्टिफाइड करना लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करने का एक सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।

*फोर्टिफाइड गेहूं का आटा डाइट में पोषक तत्वों को शामिल करने का एक बढ़िया उपाय है क्योंकि गेहूं का आटा आमतौर पर सभी लोगों द्वारा खाया जाता है।

*यह पोषण संबंधी कमियों को रोकने का सस्ता और प्रभावी तरीका है।

*गेहूं की पिसाई के दौरान पोषक तत्वों की हानि होती है। फोर्टिफिकेशन इन पोषक तत्वों को वापस जोड़ने में मदद करता है।

*गेहूं के आटे में आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 मिलाया जाता है जो एनीमिया से लड़ने और खून बनाने के लिए जरूरी है।

## विटामिन डी लेते वक्त करते हैं गलती तो शरीर हो जाएगा खोखला

सप्लीमेंट्स लेने के बाद भी आपके शरीर में विटामिन D की कमी होती है, तो इन गलतियों पर ध्यान देना चाहिए। मामूली सी दिखने वाले ये गलतियां, न केवल शरीर में विटामिन डी की कमी करेंगी, बल्कि हड्डियों को भी खोखला बना देंगी।

हमारे शरीर के लिए विटामिन डी बहुत जरूरी है। हड्डियों को स्वस्थ रखने, इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने और मूड में सुधार करने के लिए इसकी जरूरत पड़ती है। वैसे तो सूर्य की किरणों से हमें भरपूर विटामिन डी मिल जाता है, इसलिए डॉक्टर्स भी रोजाना 20-30 मिनट सूर्य की किरणों के संपर्क में रहने की सलाह देते हैं। मगर जो लोग ऐसा नहीं कर पाते, वे विटामिन डी सप्लीमेंट लेना शुरू कर देते हैं।

इसके बावजूद भी इन लोगों में विटामिन डी की कमी रह जाती है। जानते हैं ऐसा क्यों है। आपके द्वारा की गई कुछ गलतियां शरीर में विटामिन डी को अवशोषित होने से रोकती हैं। अगर इन गलतियों को जान लिया, तो न केवल शरीर में विटामिन डी का स्तर बना रहेगा, बल्कि आप भी स्वस्थ रहेंगे। तो आइए जानते हैं विटामिन डी लेते वक्त लोग करते हैं कौन सी भूल।

**मैग्नीशियम की कमी की जांच न करना**

अगर आपके शरीर में मैग्नीशियम की कमी है, तो आप चाहें, जितना भी सप्लीमेंट लें,

आपका शरीर विटामिन डी को अवशोषित नहीं करेगा। दरअसल, मैग्नीशियम शरीर में विटामिन डी के मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी है। अपर्याप्त मैग्नीशियम लेवल विटामिन डी को कम कर सकता है। इसके लिए आपको अपने आहार या सप्लीमेंट के जरिए मैग्नीशियम का सेवन बढ़ाना होगा। इससे विटामिन डी का अवशोषण और उपयोग दोनों बढ़ सकता है।

**सूर्य की किरणों के संपर्क में आने से बचना**

कोई भी सूर्य की किरणों के संपर्क में नहीं आना चाहता। यह एक ऐसी भूल है, जो सप्लीमेंट लेने के बाद भी शरीर में विटामिन डी की कमी को बनाए रखती है। बता दें प्राकृतिक धूप विटामिन डी का पावरफुल सोत्र है। ऐसे में जो लोग कम धूप वाले क्षेत्र में: रहते हैं या लगातार सनस्क्रीन का यूज करते हैं, उन्हें सप्लीमेंट लेने के बाद भी विटामिन डी की कमी का सामना करना पड़ता है।

**लो फैट फूड के साथ सप्लीमेंट लेना**

फैट से भरपूर भोजन के साथ विटामिन डी सप्लीमेंट लेने से अवशोषण बढ़ सकता है। क्योंकि विटामिन डी एक फैट सॉल्युबल विटामिन है। जबकि लो फैट वाले भोजन के साथ सप्लीमेंट डाइट लेने से विटामिन डी की अब्जॉर्बशन रेट कम हो सकती है। इसलिए, बेहतर अवशोषण के लिए हेल्दी फैट वाले भोजन के साथ विटामिन डी लेने का सुझाव दिया जाता है।

**कुछ दवाओं का सेवन**

अगर आप कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स, एंटी कॉन्वेलेंट्स, एंटीरेट्रोवाइरल और वजन घटाने वाली दवाएं दवा ले रहे हैं, तो हो सकता है कि यह विटामिन डी के अवशोषण में रुकावट पैदा करें। इसलिए विटामिन डी लेने से पहले अपने डॉक्टर से इस बारे में बात करें। वह आपको दवा बंद करने या बदलने का सुझाव दे सकता है।

**बिना डॉक्टर की सलाह के खुद से सप्लीमेंट लेना**

कई लोग डॉक्टर से पूछे बिना विटामिन डी सप्लीमेंट लेना शुरू कर देते हैं। लेकिन शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी नहीं ले पाते। जबकि डॉक्टर द्वारा बताई गई डोज उम्र, त्वचा का रंग और सूर्य के संपर्क जैसे कारणों के आधार पर अलग-अलग होती हैं। जरूरत के हिसाब से विटामिन डी की सही डोज लेने के लिए पहले अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

**शरीर में विटामिन K की कमी को इग्नोर करना**

शरीर में विटामिन K की कमी को इग्नोर नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि विटामिन K शरीर में विटामिन डी के अवशोषण में अहम भूमिका निभाता है। अपर्याप्त विटामिन के हड्डियों में कैल्शियम को कम कर देता है। जबकि अच्छी मात्रा में विटामिन K कैल्शियम को टिश्यू में जमा होने के बजाय हड्डियों और दांतों तक पहुंचाता है। इसलिए, विटामिन डी के अवशोषण को बेहतर बनाने के लिए हड्डियों का स्वास्थ्य ठीक बनाए रखना चाहिए। विटामिन डी लेने के दौरान ज्यादातर लोग यहां बताई गईं गलतियों पर ध्यान नहीं देते। जिस कारण शरीर में विटामिन डी का स्तर लाख कोशिशों के बाद भी बढ़ नहीं पाता। इसलिए विटामिन डी लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

## क्या आप भी खूनी बवासीर से परेशान हैं

**प्रश्न : वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए?**
**- जयदीप माली, हैदराबाद**

उत्तर : वजन क्यों कारणों से बढ़ा है - सबसे पहले यह जानना जरूरी है ।अनुवांशिक कारणों से बड़ी स्थूलता को कम करना मुश्किल है। कोई औषध सेवन से अचानक बढ़ी स्थूलता को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। एनाबालिक स्टिराइड्स भी मोटापा बढाते हैं। आरामपसंद जीवन और चर्बी वाले आहार इसमें योगदान देते हैं।

व्यक्ति विशेष क्या काम करता है उसका शरीर से कितना परिश्रम होता है- यह जानने पर उसे क्या क्या खाना चाहिए, तय किया जा सकता है। कम भोजन या संतुलित भोजन व अधिक मेहनत वाले काम करने से ही वजन में कमी आ सकती है । चीनी, मक्खन , तले पदार्थ व शराब का सेवन न करें। गाजर, मूली, सलाद कच्चे फल व हरी सब्जियां अधिक मात्रा में लेने। रोज कसरत करेंन। सुबह टहलने की आदत डालें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना बंद करें।

औषध में ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु - भोजन के आधा घंटे पहले गुनगुने पानी से लें । भोजन के बाद वृक्षाम्ला केप व ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टिकिया लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा कुमारीआसव, लोहासव व रोहितकासव प्रत्येक की 10-10 मिली लीटर दवा को दोगुनी पानी में मिलाकर सेवन किया करें। कसरत व औषध सेवन दो मंडल ( 80 दिन) तक लागू रखें।हर हालत में बढा हुआ वजन व शरीर की स्थूलता कम होने लगेगी।

**प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है खूनी बवासीर से परेशान हूं। ज्यादा खून जाने से बहुत कमजोरी भी आ गई है। कृपा कर उपचार बताएं।**
**- मोहम्मद इम्तियाज, जहीराबाद**

उत्तर : खूनी बवासीर को आयुर्वेद में रक्तार्श कहते हैं इसे ही ब्लीडिंग पाइल्स भी कहते हैं। इस रोग का प्रमुख कारण है मलबद्धता यानी कब्जियत। खूनी बवासीर से कमजोरी जल्दी आती है। इसलिए इस रोक को ज्यादा बढ़ने देना उचित नहीं होता। इस रोग में परहेज जरूरी है। हरी मिर्च, लाल मिर्च, काली मिर्च, गरम तासीर की चीजें, बासी भोजन पूरी तरह से बंद कर देना। चाहिए मांसाहारी भोजन का त्याग कर देना चाहिए। बादी की चीजें - खासकर कोहड़ा, अरबी, आलू , भिंडी, गोभी, बैगन, गवारफली ,उड़द की दाल व सभी गरिष्ठ पदार्थ बंद कर देना चाहिए।

* औरा पाइलेज टिकिया ऊंझा, अर्शोघ्नी वटी , शोणितागर्ल रस टेबलेट भोजन के बाद दिन में तीन बार लेवे । खूनी बवासीर में बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

* भोजन के बाद उंझा अभयारिष्ट और ऊंझा वासकासव 15-15मिली लीटर दवा को दोगुने जल के साथ मिलाकर सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

* रक्तार्श के मस्से पर अर्शकियर क्रीम लगाएं। या मक्खन में कपूर फेंट कर रख लें। इसे दिन में दो-तीन बार लगाने से काफी आराम मिलता है।

* रात सोने से पहले सत ईसबगोल 3 भाग त्रिफला चूर्ण एक भाग मिलाकर लेवे या औरा लेक्झोल पाउडर या ऊंझा निरोग चूर्ण सोने से पहले, पानी से लेवे। पं च स का र चूर्ण भी लिया जा सकता है। इन्हीं लेने से कब्जियत मिटेगी और मल शुद्धि में आसानी होगी। कॉन्स्टिपेशन मिटने से खूनी बवासीर भी समाप्त होगा।

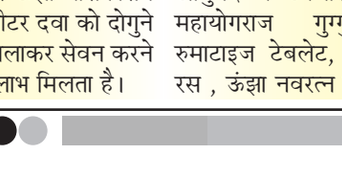

**प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है। उठने -बैठने, चलने- फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।**
**- मोतीलाल वैष्णव, सिकंदराबाद**

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही ओस्टियोआर्थराइटिस कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्लेषक कफ याने सायनोवियल फ्लुइड कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधि शोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है । ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, औरा रुमाटाइज टेबलेट, वातगजांकुश रस , ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवे । भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 15 -15 मिलीलीटर दवा को 3 गुने, गुनगुने पानी में मिलाकर लेवे। दर्द और सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।

रूमूव कैप्सूल को शॉर्ट मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है ऊंझा महानारायण तेल या रूमाटाईज तैल दर्द वाली संधियों पर सहलाएं या हल्की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत ही फायदा होने लगता है।

गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे- मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन , वातवर्धक आहार- विहार का त्याग करें । ताजा, संतुलित, सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव -चिंता से दूर रहें। हल्का व्यायाम करना शुरू करें। इन कदमों से जोड़ों का दर्द कम होने लगता है ।

**डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा**

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
**स्वतंत्र वार्ता**
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

# नेपाल के राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार का इस्तीफा

### 100 रुपये के नोट पर विवादित नक्शा छापने को बताया था गलत

नई दिल्ली , 13 मई (एजेंसियां)। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार ने 100 रुपये के नये नोट जारी करने के सरकार के फैसले पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति ने रविवार को चिरंजीवी नेपाल के इस्तीफे को मंजूरी दे दी।

देश के केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर चिरंजीवी नेपाल ने कथित तौर पर नोटों पर नया नक्शा छापने के सरकार के फैसले को 'अनुचित कदम' करार दिया था. पिछले हफ्ते कैबिनेट की बैठक में फैसला किया गया कि 100 रुपये के नए नोट छापते समय पुराने नक्शे की जगह नए नक्शे को लाया जाएगा। नए नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसकी सीमा के अंतर्गत आते हैं।

सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चिरंजीवी नेपाल

की उनकी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर राष्ट्रपति के एक करीबी ने बताया है कि चिरंजीवी नेपाल ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैंने जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह गंभीर मुद्दा उठाया है क्योंकि इससे लोगों को व्यावहारिक समस्याएं हो सकती हैं। चिरंजीवी नेपाल ने कहा, मैंने माननीय राष्ट्रपति की गरिमा बनाए रखने के लिए पद से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मेरे बयान का हवाला देते हुए राष्ट्रपति को अनावश्यक रूप से विवाद में घसीटने के प्रयास किए गए।

इससे पहले, सिविल सोसाइटी के नेताओं के एक समूह ने संशोधित संविधान के अनुसार नेपाल के नक्शे के साथ सौ रुपये के नए नोट छापने के सरकार के फैसले के खिलाफ टिप्पणी करने के कारण चिरंजीवी नेपाल को हटाने की मांग की थी।

उन्होंने इस मामले पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बात करते हुए तर्क दिया कि वह राष्ट्रीय हित के खिलाफ गए और शिष्टाचार का उल्लंघन किया। नेपाल सरकार ने ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान मई 2020 में अपने क्षेत्र के भीतर लिपुलेक, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करने के साथ अपने नए राजनीतिक मानचित्र का अनावरण किया था। बाद में संसद ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। जिसके बाद सरकार ने भारत की आपत्ति के बावजूद सभी आधिकारिक दस्तावेजों में इस्तेमाल होने वाले पुराने नक्शे को नए नक्शे से बदल दिया है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले सप्ताह नेपाल सरकार के नए नोट जारी करने के फैसले पर असंतोष व्यक्त किया था। जयशंकर ने कहा कि इससे जमीनी हालात बदलने नहीं जा रहे हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक सीमा साझा करता है।

# बिजनेस साइकल फंड में निवेश से उठाएं लाभ

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। बिजनेस साइकिल फंड का लक्ष्य विभिन्न सेक्टर, थीम और मार्केट कैप में अवसरों का लाभ उठाना है। निवेश का सिद्धांत टॉप डाउन अप्रोच है। यह प्रचलित बिजनेस साइकल की बुनियाद पर इन अवसरों की पहचान करने के इर्द-गिर्द घूमता है। यह स्कीम बिलकुल लचीली है और इसमें टिकने के लिए कोई न्यूनतम निवेश जैसी सीमा नहीं है। यह मार्केट चक्र के आधार पर निवेश थीम पर फैसला लेता है और विभिन्न वित्तीय मानदंडों के आधार पर पहचाने गए सेक्टर के भीतर चुनिंदा स्टॉक में आए अवसरों का लाभ उठाता है।

मजबूत वैश्विक और घरेलू विकास की अवधि के दौरान, फंड वैश्विक स्तर पर मेटल, माइनिंग और तेल जैसे सेक्टरों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। घरेलू स्तर पर कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स, बैंकिंग, ऑटो और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टरों को चुन सकता है।

इसी तरह, धीमी वैश्विक और घरेलू विकास की अवधि के दौरान, घरेलू स्तर पर दूरसंचार, एफएमसीजी और यूटिलिटीज जैसे डिफेन्सिव सेक्टर पर केंद्रित हो सकता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बिजनेस साइकल फंड ने बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई के मुकाबले दमदार प्रदर्शन किया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बिजनेस साइकल फंड में 18 जनवरी 2021 को किया गया 10 लाख रुपये का निवेश 31 मार्च 2024 तक बढ़कर लगभग 20.8 लाख हो गया जो कि 25.7 फीसदी का सीएजीआर यानी सालाना चक्रवृद्धि रिटर्न है। बेंचमार्क निफ्टी 100 टीआरआई में समान निवेश का मूल्य 17.7 लाख हुआ। फंड का एसआईपी रिटर्न भी काफी दमदार रहा है। 10,000 रुपये के एसआईपी में 3.9 लाख रुपये का निवेश 31 मार्च 2024 तक 6.1 लाख रुपये का हुआ, यानी 28.8 फीसदी का रिटर्न।

### 55 फीसदी निवेश घरेलू क्षेत्र से जुड़े शेयरों में

बिजनेस साइकल फंड ने अपने पोर्टफोलियो को अच्छे बैंकों, फार्मा और आईटी जैसे रक्षात्मक सेक्टर पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग से ऑटो सेक्टर पर भी सकारात्मक रुख दिखाया है। पोर्टफोलियो का 55% निवेश घरेलू सेक्टर से जुड़े शेयरों में है जो मजबूत आर्थिक गतिविधि का संकेत देता है।

# अक्षय तृतीया के बाद मुंह के बल गिरा सोना

### आज 10 ग्राम गोल्ड के भाव देखकर हो जाएंगे खुश

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज गिरावट देखी जा रही है। अक्षय तृतीया पर काफी तेजी देखने को मिली थी। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी उछाल आया था। सोना तेजी के साथ खुला था। वहीं चांदी भी महंगी हो गई थी।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अभी सोने-चांदी की कीमतों में आने वाले समय में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। आज सोने की कीमत गिरकर 72 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच चुके हैं। पिछले दिनों अक्षय तृतीया से पहले सोने के भाव कम हुए थे। लेकिन इसके बाद इसमें तेजी आई थी। चांदी के वैश्विक भाव में भी गिरावट आई है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.78 फीसदी या 0.22 डॉलर की गिरावट के साथ 28.29 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 28.06 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। आज यानी सोमवार को सोने की वैश्विक कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.58 फीसदी या 13.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,361.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय लुढ़कर 2,355.03 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है।

# इंडिजीन के शेयर में 25% की तेजी रही

**टाटा मोटर्स का शेयर 8% से ज्यादा टूटा, सेंसेक्स 111 अंक चढ़कर 72,776 पर बंद**

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी आज सोमवार, 13 मई को शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 111 अंक की तेजी के साथ 72,776 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 45 अंक की बढ़त रही। ये 22,104 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट देखने को मिली। टाटा मोटर्स के शेयर में आज 8% से ज्यादा की गिरावट रही। ये 87.25 (8.34%) रुपए गिरकर 959.40 पर बंद हुआ। वहीं सिपला का शेयर आज 6.08% चढ़ा है।

**इंडिजीन का शेयर 46% ऊपर लिस्ट**

इंडिजीन लिमिटेड के शेयर की शेयर बाजार में अच्छी एंट्री हुई है। BSE पर ये 45.95% प्रीमियम के साथ 659.70 रुपए पर लिस्ट हुआ। वहीं, NSE पर ये 44.91% प्रीमियम के साथ 655 रुपए पर लिस्ट हुआ। हालांकि बाद में इसका शेयर थोड़ा नीचे आया और ये 118.90 रुपए (26.31%) की बढ़त के साथ 507.90 रुपए पर बंद हुआ।

**15 मई को खुलेगा गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस का IPO**

बेंगलुरु स्थित इंश्योरटेक स्टार्ट-अप गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 15 मई को ओपन होगा। रिटेल निवेशक इस IPO के लिए 17 मई तक बोली लगा सकेंगे। इस IPO के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 55 शेयर के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने IPO का प्राइज बैंड 258-272 प्रति शेयर तय किया है।

## दैनिक पंचांग

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-48 सूर्यास्त. -18-37
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 04-19 तक उपरान्त अष्टमी
मास - वैशाख शुक्ल , मंगलवार 14 May
नक्षत्र - पुष्य 13-04 तक उप आश्लेषा
योग - गण्ड 07-24 तक उप वृद्धि
करण- गर 15-30 तक उप वणिज
विशेष:- श्री गंगा सप्तमी
व्रत -त्योहार - वृषभे सूर्य -17-54 से

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | मेष में | मेष | 04-04 बजे |
| चंद्र- | कर्क में | वृष | 05-49 बजे |
| मंगल | मीन में | मिथुन | 07-50 बजे |
| बुध- | मेष में | कर्क | 10-02 बजे |
| गुरु- | वृष में | सिंह | 12-14 बजे |
| शुक्र- | मेष में | कन्या | 14-20 बजे |
| शनि- | कुंभ में | तुला | 16-26 बजे |
| राहु- | मीन में | वृश्चिक | 18-36 बजे |
| केतु- | कन्या में | धनु | 20-54 बजे |
| | | मकर | 23-16 बजे |
| | | कुंभ | 00-46 बजे |
| | | मीन | 02-24 बजे |

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 15:26 से 17:03 तक**

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| रोग | 05:48 - 07:22 अशुभ | काल | 18:37 - 20:03 अशुभ |
| उत्पात | 07:22 - 08:59 अशुभ | लाभ | 20:03 - 21:26 शुभ |
| चंचल | 08:59 - 10:36 शुभ | उत्पात | 21:26 - 22:49 अशुभ |
| लाभ. | 10:36 - 12:13 शुभ | शुभ | 22:49 - 24:12 शुभ |
| अमृत | 12:13 - 13:49 शुभ | अमृत | 24:12 - 01:36 शुभ |
| काल. | 13:49 - 15:26 अशुभ | चंचल | 01:36 - 02:59 शुभ |
| शुभ | 15:26 - 17:03 शुभ | रोग | 02:59 - 04:22 अशुभ |
| रोग | 17:03 - 18:37 अशुभ | काल | 04:22 - 05:48 अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे

**कन्या** (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# उच्च ऋण वृद्धि के जरिए बैंकों की जोखिम उठाने की क्षमता

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। बेहतर वित्तीय प्रदर्शन के बावजूद उच्च ऋण वृद्धि के जरिए भारतीय बैंकों की जोखिम उठाने की क्षमता उनकी साख के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बनी रहेगी। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही।एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले ऋण चक्र से संपत्ति की गुणवत्ता का दबाव कम हो रहा है, जिससे अनुकूल कारोबारी माहौल बन रहा है। इससे बैंकों की क्षमता और वृद्धि की चाह बढ़ी है।

वित्त वर्ष 2023-24 में बैंक ऋण में वित्त वर्ष 2022-23 के समान 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वित्त वर्ष 2014-15 और 2021-22 की तुलना में आठ प्रतिशत सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) से अधिक है। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट 'बेहतर प्रदर्शन के बावजूद भारतीय बैंकों की व्यवहार्यता रेटिंग पर जोखिम लेने की क्षमता का असर' में कहा कि बड़े निजी बैंकों ने पिछले ऋण चक्र में महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी हासिल की और तेजी से बढ़ना जारी रखा। सरकारी बैंक भी तेजी से वृद्धि की राह पर लौट आए लेकिन बड़े निजी बैंक पिछड़ गए।

फिच ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में 38 प्रतिशत से बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का करीब 40 प्रतिशत होने के बावजूद भारत का घरेलू ऋण दुनिया में सबसे कम है। एजेंसी ने कहा, ₹भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घरेलू बचत दर में गिरावट, प्रारंभिक चूक, प्रति उधारकर्ता उच्च ऋण (उपभोग ऋण उधारकर्ताओं में से 43 प्रतिशत के पास तीन 'लाइव' ऋण थे) और उपभोग ऋण में वृद्धि के बारे में चिंता व्यक्त की है।

# एंटीलिया के आसमास की जमीन के भाव जानकर रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी का एंटीलिया भारत के सबसे महंगे घरों में से एक है। एंटीलिया 27 मंजिला रेजिडेंशियल टॉवर है। एंटीलिया में सुपरफास्ट लिफ्ट से लेकर स्नो रूम तक एक से बढ़कर एक सुविधाएं मौजूद हैं। ये भारत की सबसे महंगी रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी है। इसे जानी-मानी आर्किटेक्ट फर्म पर्किन्स एंड विल ने इसे डिजाइन किया है। इसे बनाया है ऑस्ट्रेलिया की लीटन एशिया ने। एंटीलिया दक्षिण मुंबई के अल्टामाउंट रोड पर बना हुआ है। इस जगह की कीमत काफी ज्यादा है। एंटीलिया के बनने के बाद से इस जगह की कीमत काफी बढ़ चुकी है। 4,00,000 वर्ग फीट से अधिक रहने की जगह वाला यह टावर सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। एंटीलिया की वैल्यू करीब 15 हजार करोड़ रुपये है। एंटीलिया को न्यूयार्क के मैंडेरिन ओरिएंटल होटल की तर्ज पर डिजाइन किया गया है। नीता अंबानी इस होटल के आर्टिस्टिक डिजाइन से काफी प्रभावित हुई थीं। मैंडेरिन ओरिएंटल होटल ग्रुप के पास 38 होटल हैं। बाहर से भव्य दिखने वाला एंटीलिया अंदर से भी जबर्दस्त है। एंटीलिया कई सुविधाओं से लैस है। इसमें थिएटर, स्पा, स्विमिंग पूल, हेल्थ सेंटर, हाई-स्पीड लिफ्ट, स्नो रूम, 160 से ज्यादा वाहनों के लिए गेराज

और तीन हेलीपैड हैं। यह बिल्डिंग रिक्टर स्केल पर आठ तीव्रता तक के भूकंप को झेल सकती है। एंटीलिया के लाउंज एरिया को बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने डिजाइन किया है। उन्होंने साल 2019 में एंटीलिया के बार लाउंज एरिया में अपना क्रिएटिव टच दिया था। योगा सेंटर से लेकर आइस्क्रीम पार्लर तक इसकी 27 मंजिलों में से टॉप 6 फ्लोर विशेष रूप से अंबानी परिवार के लिए रिजर्व हैं। दरअसल एंटीलिया की नीचे की मंजिलों पर स्पा, योगा सेंटर, आइसक्रीम पार्लर, कार पार्किंग और स्नो रूम बनाए गए हैं। एंटीलिया में कुल 3 हैलीपैड बनाए गए हैं। इस बिल्डिंग में करीब 168 करों पार्क की जा सकती हैं। एंटीलिया की हर मंजिल पर कुछ न कुछ अलग देखने को मिलता है। यहां स्विमिंग पूल और क्रिस्टल झूमर से लेकर बहुमंजिला गैरेज तक सभी कुछ मौजूद है।

# टेलीकॉम और रिटेल के बाद मुकेश अंबानी की नजर 150 अरब डॉलर के बाजार पर

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। टेलिकॉम और रिटेल में तहलका मचाने के बाद मुकेश अंबानी की नजर अब डायग्नोस्टिक हेल्थकेयर सेगमेंट पर है। उनकी कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स 150 अरब डॉलर के डायग्नोस्टिक हेल्थकेयर सेगमेंट में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। वह एक डायग्नोस्टिक सर्विस कंपनी में 1,000 से 3,000 करोड़ रुपये के निवेश के मैज्योरिटी स्टेक खरीदने की योजना बना रही है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की इस सब्सिडियरी कंपनी के पोर्टफोलियो में ऑनलाइन फार्मेसी नेटमेड्स शामिल है जो पैथोलॉजी सर्विसेज देती है। इसके लिए उसने थायरोकेयर जैसी कई कंपनियों के साथ करार किया है।

सूत्रों का कहना है कि रिलायंस रिटेल अपनी खुद की डायग्नोस्टिक कंपनी बनाना चाहते हैं जिसका पूरे देश में नेटवर्क हो। कंपनी इसमें कई विकल्पों पर विचार कर रही है और माना जा रहा है कि मीडियम टर्म में इस पर कोई डील हो सकती है। हालांकि रिलायंस में इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। रिलायंस रिटेल ने 2020 में नेटमेड्स में मैज्योरिटी स्टेक 620 करोड़ रुपये में खरीदा था।

# हम समझते हैं कंप्यूटर बाहर से लाते हैं

### देखिए हमारा कितना बढ़ गया निर्यात

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। भारत में कई चीजों के निर्यात में काफी उछाल देखने को मिला है। भारत सरकार कई दूसरी कंपनियों को लाने की कोशिश कर रहा है, जिससे वो देश में ही चीजें बनाए और चीन पर निर्भरता कम हो सके। भारत ने एप्पल और सैमसंग जैसी कई कंपनियों को आकर्षित किया है। वहीं स्मार्टफोन और दूसरे महंगे सामानों के एक्सपोर्ट पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन, कुछ ऐसे सामान भी हैं जिनका एक्सपोर्ट बहुत तेजी से बढ़ा है, भले ही वो हाई-टेक न हों। इसके सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट बालों का बढ़ा है। बालों का निर्यात कोरोना काल से पहले साल 2018-19 में करीब 34.5 मिलियन डॉलर था। यह पिछले साल बढ़कर करीब 180 मिलियन डॉलर हो गया है। इसमें 5 गुना से ज्यादा उछाल आई है। टेलीकॉम, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में 170.9 फीसदी का उछाल आ चुका है।

**खूब बढ़ा निर्यात**

इसी तरह, एक खास तरह के तांबे के तारों का एक्सपोर्ट $76 मिलियन से बढ़कर $867 मिलियन हो गया है। ये 11 गुना का इजाफा है। वहीं मूंगफली के तेल का एक्सपोर्ट तो 2018-19 में लगभग ना के बराबर था, जो पिछले साल $217 मिलियन हो गया है। स्मार्टफोन का एक्सपोर्ट भी दस गुना बढ़ा है। साल 2019 वित्तीय वर्ष में यह $1.6 बिलियन था जो 2024 में $15.5 बिलियन हो गया है। सरकारी नीतियों की वजह से यह मुमकिन हुआ है।

**इन देशों में बढ़ा है एक्सपोर्ट**

तुर्की, अमेरिका और ब्रिटेन में पिछले साल इलेक्ट्रॉनिक सामानों का एक्सपोर्ट सबसे ज्यादा बढ़ा है। कुल मिलाकर पिछले वित्तीय वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक सामानों का एक्सपोर्ट 23.6% बढ़कर $29 बिलियन से ज्यादा हो गया है। लोहे की धात का एक्सपोर्ट भी दोगुना से ज्यादा बढ़कर $3.9 बिलियन हो गया है।

# हॉन्गकॉन्ग में कार्रवाई से पहले अमेरिका में भी रिजेक्ट किए गए थे एमडीएच के उत्पाद

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। लोकप्रिय भारतीय मसाला ब्रांड एमडीएच, जिसके कुछ उत्पादों में गड़बड़ियों की जांच जारी है, पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। 2021 से बैक्टीरिया की मौजूदगी के कारण इसके अमेरिकी शिपमेंट का औसतन 14.5 प्रतिशत रिजेक्ट कर किया गया है। अमेरिकी नियामक के आंकड़ों के एक विश्लेषण में यह बात सामने आई है। यह विश्लेषण रॉयटर्स ने किया है।

हॉन्गकॉन्ग ने पिछले महीने एमडीएच द्वारा बनाए गए तीन मसालों और एक अन्य भारतीय कंपनी, एवरेस्ट द्वारा बनाए गए एक मसाले की बिक्री को रोक दिया था। जिसमें स्पष्ट रूप से कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशक का एथिलीन ऑक्साइड उच्च स्तर पाया गया था। एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अयोग्य है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर यह कैंसर का खतरा पैदा करता है।

कंपनियों ने कहा है कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं और एमडीएच

ने कहा है कि यह मसालों के भंडारण, प्रसंस्करण या पैकिंग के किसी भी चरण में एथिलीन ऑक्साइड का उपयोग नहीं करता है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। दोनों ब्रांड भारत में लोकप्रिय हैं और दुनिया भर में निर्यात किए जाते हैं।

एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अयोग्य है और लंबे समय तक जोखिम के साथ कैंसर का खतरा है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक है और मसालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता और निर्यातक भी है।

सिय्योन मार्केट रिसर्च का अनुमान है कि 2022 में भारत का घरेलू बाजार 10.44 बिलियन डॉलर का था, और मसाला बोर्ड ने कहा कि भारत ने 2022-23 के दौरान 4 बिलियन डॉलर के उत्पादों का निर्यात किया।

हालिया जांच से पहले, 100 साल से अधिक पुरानी परिवार द्वारा संचालित भारतीय कंपनी एमडीएच के उत्पादों को साल्मोनेला की उपस्थिति के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में बिक्री के लिए खारिज कर दिया गया था। यह एक बैक्टीरिया है जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी का कारण बन सकता है।

# सीएम विष्णुदेव का दावा- आएगा तो मोदी ही, विपक्ष अपना घर संभाले

## नक्सलवाद खत्म करके ही दम लेंगे

रायपुर, 13 मई (एजेंसियां)। जनता की मर्जी ही पीएम मोदी की मर्जी है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जनता की पहली पसंद मोदी हैं। इससे इंडी गठबंधन सहित समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। क्योंकि मोदी की लोकप्रियता के सामने उनकी दाल नहीं गल रही है। इसलिए अब उम्र का नया शिगूफा ले आए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे 81 साल की उम्र में भी कांग्रेस को जीवित में करने लगे हैं। कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टियों को पहले उन पर रहम करना चाहिए। अकाट्य सत्य है कि आएगा तो मोदी ही, विपक्षी अपना घर संभालें। ये बातें सीएम विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से पीएम मोदी के उम्र पर की गई टिप्पणी को लेकर एक इंटरव्यू में कही।

नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई पर कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनी है, तब से ही हम नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं। अभी तक 104 नक्सली मारे जा चुके हैं। कुछ दिन पहले नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली थी, जिसमें कांकेर में एक दिन में 29 नक्सली मारे गए, बीजापुर में दस, अबुझमाड़ में दस अभी दो दिन पहले शुक्रवार को ही बारह नक्सलियों मुठभेड़ में मारे गए। फोर्स ने इन चार मुठभेड़ में ही 61 नक्सलियों को जान से हाथ धोना पड़ा। इससे पहले इतनी संख्या में कभी नक्सली नहीं मारे गए, जिनमें 20-20 लाख के इनामी नक्सली भी थे। ये हमारे लिए एक बहुत बड़ी सफलता थी। सुरक्षाबलों ने बहुत साहस के साथ ये काम किया।

**'डबल इंजन सरकार में छत्तीसगढ़ को फायदा'**

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार का भी छत्तीसगढ़ को बहुत फायदा मिला है। गृहमंत्री शाह अगले एक-दो वर्षों में छत्तीसगढ़ से पूरी तरह नक्सलवाद खत्म करना चाहते है पर दुर्भाग्य है कि कांग्रेस और खास कर पूर्व मुख्यमंत्री इन मुठभेड़ों को फर्जी बता रहे है। जबकि नक्सली खुद लिस्ट जारी कर मुठभेड़ और नक्सली मौतो को स्वीकार किया है। कांग्रेस की ऐसी आदत ही रही है। इन लोगों ने मोदी के पाकिस्तान पर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी सवाल खड़े किए थे। ये सब करके ये सेना और सुरक्षाबल के मनोबल घटाने का काम कर रहे हैं, जो सही नहीं है।

खुद की राजनैतिक व्यस्तता के बीच परिवार को संभालने में पत्नी की भूमिका के सवाल पर साय ने कहा कि मेरा ससुराल गांव से 20 किमी दूर ही है और यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे बहुत अच्छी धर्मपत्नी मिली है। जिन्होंने बिना शिकायत किए हुए हर समय सहयोग किया है और आज जब हम मुख्यमंत्री बनने के बाद ज्यादा व्यस्त हो गए तो पूरा क्षेत्र आज वो ही संभाल रही हैं। सभी कार्यक्रमों में लोग उन्हें आमंत्रित करते हैं, उनको सुनते हैं वो अच्छी वक्ता भी हैं। पूजा-पाठ में उनकी बहुत रुचि है। गीता, रामायण जैसें ग्रंथ वो पढ़ी हैं।

**राजनीतिक सफर**

अपने राजनीतिक सफर के बारे में बताते हुए विष्णुदेव साय ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था, क्योंकि मैं जब 10 साल का था तब पिता जी का साया हमारे सर से उठ गया था। घर में बड़े भाई होने के नाते अपनी पढाई के साथ-साथ छोटे भाई बहनों को पढ़ाने की जिम्मेदारी एवं मां-दादी का ख्याल रखना और खेती बाड़ी करना था। जब हमारी पढ़ाई कंप्लीट हुई, उस समय पंचायत चुनाव का समय भी था। गांव वालों के कहने पर हमने पंच का चुनाव लड़ा और पांच वर्ष तक पंच रहे। अगला चुनाव जब आया तो पूरे पंचायत वालों ने कहा कि आप सरपंच बनना चाहोगे तो हम आपको निर्विरोध सरपंच बना देंगे। लोगों से आग्रह करके हमने 13 में से 12 वार्ड में निर्विरोध पंच बनाया और एक वार्ड में चुनाव हुआ तो भी हमारा ही प्रत्याशी जीता। 6 महीने सरपंच रहने के बाद जब विधानसभा चुनाव हुए तो भारतीय जनता पार्टी ने तपकरा विधानसभा से हमें प्रत्याशी बनाया और वो चुनाव भी हम एक प्रकार से निर्विरोध जीते।

320 विधानसभा सीटों में हमारी विधानसभा ही ऐसी थी जहां कांग्रेस प्रत्याशी को तकनीकी कारणवश उनका चुनाव चिन्ह अलॉट नहीं हो पाया, जिससे साइकल छाप पर उन्होंने चुनाव लड़ा और आगे उनकी जमानत जब्त हो गई, जिसका कहीं न कहीं फायदा मुझे मिला और हमने 15000 वोटों से जीत कर एक रिकॉर्ड बनाया। भाजपा ने हमेशा मुझे आगे बढ़ाया। अविभाजित मध्यप्रदेश में 2 बार विधायक रहा और 1999 में भारतीय जनता पार्टी ने रायगढ़ से मुझे सांसद प्रत्याशी बनाया और फिर 4 बार लगातार एवं 20 साल सांसद रहा, इसी दौरान पार्टी ने मुझे 3 बार प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व भी दिया। मोदी जी के पहले कार्यकाल में मुझे केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में भी कार्य करने का मौका मिला।

**चुनाव के बाद सरकार की ये होगी प्राथमिकता**

चुनाव के बाद सरकार की प्राथमिकता के सवाल पर सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता से जो वादा करके हम सरकार में आए हैं, जो मोदी की गारंटी हैं, उनको लागू करना एवं छत्तीसगढ़ की जनता के विश्वास पर खरा उतरना ही हमारी प्राथमिकता है। चुनाव से पहले 3 महीने की सरकार में हमने अनेक सौगातें छत्तीसगढ़ की जनता को देने का काम किया है। जिसमें 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृत, 3100 रुपया क्विंटल धान खरीदी, महतारी वंदन के तहत हर महीने 1000 रुपये महिलाओं के खाते में भेजना। इसके अलावा भी बहुत से काम मोदी के गारंटी के तहत हुए हैं।

# चलती ट्रेन से 10 लाख की विदेशी करेंसी फेंकी

## गहने-नगदी छिपाने घर में बनाई सुरंग, गुस्से में प्रेग्नेंट पत्नी छोड़कर गई

रायपुर, 13 मई (एजेंसियां)। रायपुर में शातिर चोरों ने तीन अलग-अलग व्यापारी के मकानों से लाखों रुपए के गहने और नगदी चोरी की। देवेंद्र नगर में दो घरों से चोरी किए गए माल में 10 लाख की विदेशी मुद्रा भी थी। इसे चोरों ने चलती ट्रेन से उड़ा दिया। उनको डर था कि इसके चलते पुलिस उन्हें आतंकी समझ सकती है। वहीं बाकी के गहने और रकम घर में सुरंग बनाकर छिपा दिए।

वहीं राजेंद्र नगर के घर से चोर ने गहने-नगदी को पहले सड़क पर पड़ी रेत में छिपाया, फिर घर ले गया। खास बात यह है कि जब चोर की गर्भवती पत्नी को इसका पता चला तो वह उसे छोड़कर मायके चली गई। पुलिस ने दोनों मामलों में 3 आरोपियों और 6 अन्य चोरियों में दो नाबालिग सहित 6 आरोपी पकड़े हैं।

देवेंद्र नगर निवासी अजीत कुमार मिश्रा ने 11 अप्रैल और बजरंग लाल करनानी ने 21 अप्रैल को मकान में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बजरंग लाल के घर से चोरों ने सोने-चांदी के गहने समेत करीब 10 लाख की विदेशी मुद्रा भी चोरी की थी। पुलिस जांच करते हुए चोरों की तलाश में ओडिशा तक पहुंच गई।

पुलिस ने वहां से सुनील सोना उर्फ बिलवा और लक्ष्मण छुरा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने व्यापारियों के मकान में चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। यह भी बताया कि दोनों वारदात को अंजाम देने के लिए उन्होंने 2 अप्रैल को गुढ़ियारी से पहले बाइक चोरी की थी।

आरोपी चोरों ने यह भी बताया कि चोरी के माल में विदेशी नोट भी थे। उन्होंने उसे चलती हुई ट्रेन से हवा में उड़ा दिए। उन्हें डर था कि अगर वो विदेशी नोट के साथ पकड़े गए तो उन्हें आतंकवादी समझ लिया जाएगा। वहीं बाकी गहनों और रुपयों को तलाश करते हुए पुलिस आरोपियों के घर पहुंची तो हैरान रह गई।

आरोपियों ने अपने ओडिशा स्थित घर में चोरी का माल छिपाने के लिए सुरंग बना रखी थी। एक कमरे के कोने से यह सुरंग अंदर जाकर तहखाने की तरह थी। पुलिस ने आरोपी चोरों के पास से सोने-चांदी के गहने और कैश मिलाकर 30 लाख का माल जब्त किया है। दूसरा मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के लॉ-विस्टा सोसाइटी का है। यहां के रहने वाले व्यापारी सुनील धुप्पड़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक से 8 अप्रैल के बीच उनके मकान में चोरी हुई। चोर अलमारी में रखा कैश और गहने सहित करीब 31 लाख का माल ले गए हैं।

पुलिस ने जांच शुरू कि और नौकरों से पूछताछ के बाद शक के आधार पर माली चेतन लाल साहू को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस को बताया कि उसने चोरी का माल पास में ही सड़क किनारे पड़ी रेत के ढेर में छिपा दिया था। फिर 2 दिन बाद वहां से निकाल कर घर ले गया।

आरोपी चेतन लाल साहू जब इन गहने रुपयों को लेकर घर गया। उसकी प्रेग्नेंट पत्नी को चेतन के चोरी करने का पता चला तो उसने विरोध दर्ज कराया। फिर नाराज होकर छोड़कर उसे मायके चली गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के पास से सोना चांदी और कैश समेत 28 लाख रुपए बरामद किए हैं। इसके अलावा करीब साढ़े 3 लाख रुपए बैंक में भी डिपॉजिट कर दिए थे। उसे भी फ्रीज कर दिया गया है।

# पुरानी रंजिश को लेकर पांच आरोपियों ने मिलकर बनाई प्लानिंग

रायपुर/दुर्ग, 13 मई (एजेंसियां)। दुर्ग सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के महमरा गांव में बीती रात एक युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव के लोगों ने युवक को लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश खत्म करने के लिए दोनों में मिले थे। इस बीच विवाद और बढ़ गया। आरोपी ने युवक की गला रेतकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी नाबालिग बताए जा रहे हैं। मामले में थाना प्रभारी महेश ध्रुव ने बताया कि मृतक ओम प्रकाश मोहलई गांव का रहने वाला है। भवन निर्माण में मिस्त्री का काम करता था। आरोपियों का मृतक से पुरानी रंजिश थी। मृतक अपने दोस्त को शादी में शामिल होने महमरा गांव गया हुआ था, जहां आरोपियों भी पहले से आए हुए थे। आरोपियों ने शराब के नशे में मृतक ओम प्रकाश को पुराना झगड़ा खत्म करने के मुद्दे पर किनारे बुलाया। इस दौरान मृतक उनसे बात कर था, लेकिन मृतक नहीं माना इस दौरान विवाद बढ़ गया। इसी बीच एक नाबालिग लड़के ने अपने पास रखे चाकू से मृतक के गले पर वार कर दिया। इस घटना में ओम प्रकाश लहूलुहान हो गया। घटना को अंजाम देकर सभी आरोपी फरार हो गए। घायल ओम प्रकाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर देर रात सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि हत्या की घटना को अंजाम देने वाले सभी आरोपी दुर्ग के नया पारा पंचशील नगर के रहने वाले हैं।

# महादेव-सट्टा केस में एसईबीआई की एंट्री, 1000 करोड़ का निवेश

## शेयर मार्केट में सट्टेबाजी की काली कमाई, ईडी की 2020 पन्नों की चार्जशीट में खुलासा

रायपुर, 13 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में संचालित महादेव सट्टा ऐप में ईडी, ईओडब्ल्यू के बाद अब एसईबीआई की एंट्री हो गई है। ईडी की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि महादेव सट्टा ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और शुभम सोनी ने सट्टेबाजी की काली कमाई को सफेद करने शेयर मार्केट में 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया है। इसी की जांच भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) करेगी।

दरअसल, ईडी की ओर से पेश की गई 2020 पन्नों की चार्जशीट में इसका खुलासा किया गया है। जांच में कहा गया है कि बड़ी रकम एक जगह कैश रखने के बजाय प्रमोटरों ने ऑनलाइन ही पूरा ट्रांजेक्शन किया। इससे एक ही समय में करोड़ों रुपए के शेयर एक साथ खरीदे गए। ज्यादातर शेयर नामी कंपनियों के हैं, ताकि उन्हें भविष्य में किसी भी तरह का कोई नुकसान न उठाना पड़े।

शेयर मार्केट में तगड़ा निवेश करने के लिए प्रमोटरों ने फर्जी शैल कंपनियां बनाई। इसमें ज्यादातर कंपनियां विदेश की दिखाई गई ताकि किसी को शक न हो। ईडी ने हवाला कारोबारी गिरीश तलरेजा और सुरेश चोखानी के गिरफ्तारी के 60 दिन बाद पिछले हफ्ते ही 252 पन्नों का पूरक परिवाद और 2200 पेज के दस्तावेज पेश किए हैं। विशेषज्ञों के साथ लगातार इसका अध्ययन करने के बाद इसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। इसमें पिछली सरकार के कुछ प्रभावशाली लोगों का नाम लिए बिना उनकी संलिप्तता को बताया गया है। कैसे राज्य में सुरक्षा निधि के नाम पर प्रभावशाली लोग पैसा लेते थे। कानूनी जानकारों के अनुसार शेयर मार्केट में निवेश संबंधित जांच सेबी करती है। इसलिए अब इस मामले की जांच सेबी को दी जा रही है। ईडी के परिवाद के अनुसार आरोपी हरिशंकर टिबरेवाल महादेव सट्टे के प्रमोटर का पार्टनर हैं। दोनों स्काई एक्सचेंज एप में भी प्रमुख साझेदार हैं। दोनों मिलकर सट्टे का पैसा शेयर मार्केट में निवेश कर रहे हैं। इसके लिए अलग से टीम बनाई गई थी। इस टीम में शेयर मार्केट के जानकारों को रखा गया था, जो ट्रेडिंग का काम करते थे। इसमें सूरज चोखानी, नितिन टिबरेवाल समेत अन्य लोग शामिल हैं। हरिशंकर और नितिन के पास हवाला से पैसा आता था। इस रकम को अलग-अलग कंपनियों के नाम से शेयर में निवेश किया जाता।

यही काम सूरज चोखानी, संदीप मोदी, कमल किशोर, प्रशांत बागरी, गिरीश तलरेजा और अन्य करते थे। ईडी नीतिन, गिरीश और सुरेश को पकड़ पाई है। बाकी फरार हैं। आरोपी हरिशंकर टिबरेवाल के खाते के जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

# युवक ने बनाई अपनी मौत का वीडियो

## 12वीं के छात्र ने किया सुसाइड, प्रेमिका को भगाकर ले जाना चाहता था, मना किया तो दी जान

सूरजपुर, 13 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में 12वीं में पढ़ने वाले एक छात्र ने प्रेम प्रसंग के चलते फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मरने से पहले लड़के ने अपने मोबाइल की वीडियो रिकॉर्डिंग भी ऑन रखी थी। इससे पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला जय नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, महावीरपुर के अजिरमा निवासी अखिलेश ठाकुर (17) का एक लड़की से प्रेम प्रसंग था। वह लड़की के साथ भागना चाहता था, लेकिन उसने मना कर दिया। बताया जा रहा है कि इसके चलते अखिलेश ने फांसी लगा ली। परिजनों ने देखा तो फंदे से उतारकर अंबिकापुर अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लड़के की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर अंबिकापुर के गांधी नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया है। उसने पोस्टमॉर्टम के बाद शव भी परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने शनिवार शाम को अखिलेश के शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया। शाम को जब पुलिस ने लड़के के मोबाइल की जांच की तो खुदकुशी का वीडियो सामने आया।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि वह किसी नाबालिग को पसंद करता था। दोनों के बीच प्रेम संबंध था। किशोरी दूसरे जाति की थी। अखिलेश ठाकुर ने किशोरी से कहा कि हम भाग जाते हैं, क्योंकि परिवार वाले नहीं मानेंगे। इस पर किशोरी ने समझाया कि उसे आगे पढ़ना है। वह इस तरह का कदम नहीं उठा सकती। इससे क्षुब्ध होकर अखिलेश ने फांसी लगा ली।

# हेमंत सोरेन की याचिका पर 17 मई को सुनवाई

## लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मांगी है

रांची, 13 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर अब 17 मई को सुनवाई होगी। हेमंत सोरेन ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। सुप्रीम कोर्ट आज हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन ने इस याचिका में झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को सही ठहराया गया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट में आए तीन मई के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को जायज ठहराते हुए पर्याप्त साक्ष्य होने की बात कही थी। इसी आदेश को हेमंत ने एसएलपी दायर कर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई करते हुए नये सिरे से याचिका दायर करने के लिए कहा था। हाईकोर्ट गत तीन मई को फैसला सुना चुकी है और झामुमो नेता ने पहले से ही हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रखी है। ऐसे में उनकी याचिका निरर्थक हो गई है। 10 मई को हुई सुनवाई में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा, हाईकोर्ट द्वारा फैसला सुनाए जाने के बाद से याचिका निरर्थक हो गई। सोरेन की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने पीठ से याचिका को मानने का अनुरोध करते हुए कहा कि ईडी नई याचिका में अपनी प्रतिक्रिया के लिए और समय मांगेगा, जिससे और देरी होगी। जिस पर खंडपीठ ने कहा कि सभी दलीलों को नयी याचिका माना जा सकता है। रांची जिले के बड़गाई अंचल में लगभग साढ़े आठ एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले में ईडी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर कार्रवाई की है। इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने सीएम को 11 समन भेजा था। इसमें से केवल दो समन में उन्होंने ईडी के सवालों के जवाब दिए। 11वें समन पर जवाब-तलब के लिए ईडी के अधिकारी 31 जनवरी को उनके आवास पहुंचे। यहां पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसी कार्रवाई और गिरफ्तारी को उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर पीएमएलए एक्ट के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। दरअसल, झारखंड की राजधानी रांची में बजरा नाम की एक जगह है। यहां करीब 7.16 एकड़ जमीन के एक प्लॉट का मालिकाना हक भारतीय सेना के पास था। इस जमीन को स्थानीय लोगों ने गलत डॉक्यूमेंट्स के जरिए कई लोगों को बेच दिया। जब मामला रांची नगर निगम के पास पहुंचा तो निगम ने अवैध खरीद-फरोख्त के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

# चलती कार में लगी आग जिंदा जल गया टीचर

कोरबा, 13 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में चलती कार में अचानक आग लग गई। कार सवार टीचर आग लगने से पूरी तरह झुलस गया। बताया जा रहा है कि घंटों तक कार जलती रही जिसके कारण शिक्षक की मौत हो गई। मामला करतला थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, हादसा चचिया गांव में हुआ। मृतक रायगढ़ के छाल थाना इलाके का रहने वाला था। जिसका नाम जगतराम बेहरा है। 39 साल का जगतराम खुद कार चला रहा था। लुढ़खेता मोहल्ले से कार गुजरने के दौरान उसमें आग लग गई। बताया जा रहा है कि कार में जैसे ही आग लगी चालक किसी तरह वहां से बाहर निकलना चाह रहा था, लेकिन सीट बेल्ट के कारण वह वाहन में ही फंस गया। आग की लपटें अचानक बढ़ गई और उसकी चपेट में आने से शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई।

# हथियारबंद बदमाशों ने पुलिस पर तानी लोडेड पिस्टल और कट्टा

## बिलासपुर में पकड़े गए यूपी-महाराष्ट्र के मवेशी-गांजा तस्कर, 2 कार और 2 ट्रक जब्त

बिलासपुर, 13 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में पुलिस ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र से आकर मवेशी और गांजा की तस्करी करने वाले बड़े गिरोह के 10 आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस की टीम ने जब घेराबंदी की, तब तस्करों ने पुलिसकर्मियों पर पिस्टल और कट्टा तान दिया, लेकिन चारों तरफ घिर गए। भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा।

मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस ने आरोपियों से एक लोडेड पिस्टल, 2 लोडेड देशी कट्टा, 13 जिंदा राउड, एक खाली खोखा, 2 मैग्जीन, धारदार हथियार, 2 कार और 2 ट्रक के साथ 21 किलो गांजा बरामद किया है। घटना हिर्री थाना क्षेत्र की है।

एसपी रजनेश सिंह ने मीडिया बताया कि शनिवार की रात हिर्री पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम बेलमुंडी स्थित सूने यार्डनुमा बाउंड्रीवाल और मकान में 8-10 बाहरी लोग ठहरे हुए हैं। उनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं, जिनके पास घातक हथियार भी है। किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारियों के साथ ही एंटी साइबर एंड क्राइम यूनिट (एसीसीयू), चकरभाठा और हिर्री थाने के जवानों की टीम बनाकर रेड की गई। इस दौरान जवानों को देखकर बदमाशों ने हथियार निकाल लिए और फायरिंग करने की चेतावनी दी, फिर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि आरोपी जिले में आकर मवेशियों के साथ ही गांजा तस्करी करते हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ ऑर्म्स एक्ट, पशु अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस की पूछताछ में यह भी पता चला है कि गैंग के सदस्य कुछ स्थानीय लोगों के सहयोग अवैध कारोबार कर रहे थे। स्थानीय लोगों के माध्यम से किसानों के मवेशियों की खरीदी कर उसे दूसरे राज्यों में भेजा जाता था। पुलिस आरोपियों के मोबाइल का कॉल डिटेल और पूछताछ से मिली जानकारी के आधार पर स्थानीय सहयोगियों की भी जानकारी जुटाने का दावा कर रही है। शुरूआती जांच और पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि पकड़े गए आरोपी स्थानीय अपराधियों के संपर्क में हैं। उनके माध्यम से जिले में बड़े पैमाने पर गांजा और नशे का सामान खपाया जा रहा है। गैंग में स्थानीय लोगों के साथ ही बाहर के कुछ सरगना शामिल हैं।

# अनजान कॉल से सावधान

## बिलासपुर में युवक को बनाया शिकार, बोनस प्वाइंट का दिया झांसा

बिलासपुर, 13 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में एक युवक को ऑनलाइन ठगी का शिकार होना पड़ा है। बोनस प्वाइंट मिलने का झांसा देकर ठग ने उसके क्रेडिट कार्ड की पूरी जानकारी ले ली। कुछ देर बाद अकाउंट से करीब एक लाख 28 हजार 641 रुपये निकाल लिये। मामले में पचपेड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल, पचपेड़ी थाना क्षेत्र के युवक को बोनस प्वाइंट मिलने का झांसा देकर एक ठग ने उसके क्रेडिट कार्ड से पूरी जानकारी ले ली और कुछ देर बाद अकाउंट में से एक लाख से ज्यादा 28 हजार 641 उड़ा दिया फिलहाल पचपेड़ी पुलिस मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, पचपेड़ी के रहने वाले दिलीप कुमार बर्मन पिता अमृतलाल बर्मन खेती किसानी का काम करता है। रोज की तरह वह 10 अप्रैल को दोपहर 3:00 बजे घर पर आराम कर रहा था। तभी अनजान नंबर से उसके मोबाइल पर एक फोन आया। सामने वाले ने खुद को क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट के कर्मचारी होने की बात कही। युवक से बोनस प्वाइंट मिलने की जानकारी दी गई। इस पर युवक लालच में आकर सभी तरह की उसे जानकारी दे दी।

# 100 साल की बुजुर्ग को व्हीलचेयर पर लेकर पहुंचा जवान

रांची, 13 मई (एजेंसियां)। झारखंड में आज पहले फेज की 4 सीटों सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में वोटिंग हो रही है। वोटिंग को लेकर महिला, बुजुर्ग और युवा वोटर्स में उत्साह दिखाई दे रहा है। बूथों पर लंबी लाइन लगी है। महागठबंधन की उम्मीदवार जोबा माझी ने चक्रधरपुर में डाला वोट किया। लोहरदगा से बीजेपी कैंडिडेट समीर उरांव ने भी अपना वोट

डाला। खूंटी के मॉडल बूथ पर 100 साल की बुजुर्ग महिला वोट देने पहुंची। सुरक्षा कर्मियों ने व्हीलचेयर पर महिला को बूथ तक पहुंचाया।

# 11 मई को मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की हुई पहचान

## पांच लाख का इनामी था मंगल माड़काम

धमतरी, 13 मई (एजेंसियां)। धमतरी जिले में शनिवार 11 मई को नगरी में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमे डीआरजी की टीम को बड़ी कामयाबी मिली। मारे गए एक नक्सली जिसका नाम मंगल माड़काम उर्फ अशोक के रूप में शिनाख्त हुई है जो ग्राम करका थाना गंगालूर जिला बीजापुर का रहने वाला था। नक्सली के ऊपर पांच लाख का इनाम था। सीपीआई माओवादी सीसीएम गणेश उइके का गनमैन था। वही मुठभेड़ मे दो नक्सली घायल हुए हैं जिसमे एक रामदास जो कि गोबरा एलओएस का कमांडर है।

दरअसल पुलिस को गरियाबंद जिला के सरहदी इलाके में मैनपुर नुआपाड़ा उड़ीसा डिवीजन के 20 से 25 नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।जिस पर पुलिस ने टीम बनाकर घेराबंदी कर सर्चिंग अभियान चलाया। वहीं मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से करीब 100 से 150 राउंड फायरिंग हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की सर्चिंग के दौरान 01 नग 315 बोर देशी कट्टा, 01 नग सैमसंग मोबाईल मॉडल गैलेक्सी एआईओएस, 01 नग मेमोरी कार्ड, 01 मोबाईल चार्जर केबल, 02 नग बैनर (नक्सली), नक्सल साहित्य एंव दवाईयों की पर्ची मौका घटनास्थल से बरामद किया। नक्सलियों द्वारा छोड़े गये उक्त बरामद सामग्री को जब्त किया गया।

# पुतिन ने रक्षा मंत्री शोइगू को बर्खास्त किया

## इन्हीं की वजह से वैगनर चीफ ने की थी बगावत, नए डिफेंस मिनिस्टर का मिलिट्री बैकग्राउंड नहीं

मास्को, 13 मई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू को पद से हटा दिया है। सर्गेई की जगह आंद्रेई बेलोसाउ को देश का नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। रविवार रात रूस ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बेलोसाउ इससे पहले उप प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं।

रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति के आदेश से रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू को पद से मुक्त किया गया है। शोइगू को अब देश के सुरक्षा परिषद का सचिव बनाया गया है। वे सुरक्षा परिषद के सचिव के साथ-साथ रूस के मिलिट्री- इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। पिछले महीने शोइगू के डिप्टी तिमुर इवानोव को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। रूसी मीडिया के मुताबिक इवानोव पर 1 मिलियन रूबल ( लगभग 10,800 डॉलर) की रिश्वत लेने का आरोप लगाया था।

इसी के बाद से माना जा रहा था कि जल्द ही शोइगू को भी पद से हटाया जा सकता है। रूस की प्राइवेट आर्मी 'वैगनर' के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन ने भी मौत से पहले शोइगु की आलोचना की थी।

रूस के नए डिफेंस मिनिस्टर का मिलिट्री बैकग्राउंड नहीं, फिर पुतिन ने क्यों दी जिम्मेदारी

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक आंद्रेई बोलासाउ का मिलिट्री में कोई अनुभव नहीं है, वो एक इकोनॉमिस्ट हैं। रूस के प्रवक्ता पेस्कोव का कहना है कि मिलिट्री को इनोवेशन की जरूरत है। इसलिए बेलोसाउ को चुना गया है। उन्होंने कहा, रूस का रक्षा बजट शीत युद्ध के बजट स्तर तक पहुंचने के करीब है। उस समय देश के कुल खर्च में मिलिट्री की हिस्सेदारी 7.4 प्रतिशत थी। अभी यह खर्च लगभग 6.4 प्रतिशत है। इसे कंट्रोल करना जरूरी है। इसी वजह से पुतिन ने अब आर्थिक नीतियों की जानकारी रखने वाले बेलोसाउ को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। पेस्कोव के

मुताबिक बेलोसाउ ने रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय का सफल नेतृत्व किया है। वे लंबे समय तक आर्थिक मुद्दों पर पुतिन के सहयोगी थे, और पिछली कैबिनेट में सरकार के पहले डिप्टी चैयरमैन भी थे।

जंग के चलते रूस पश्चिमी देशो की आर्थिक पाबंदियों का सामना कर रहा है। ऐसे में पुतिन नहीं चाहते कि रक्षा मंत्रालय को मिलने वाले फंड का गलत इस्तेमाल हो। दरअसल, रूस की प्राइवेट मिलिट्री 'वैगनर' के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन ने सर्गेई शोइगू पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। फरवरी 2023 में प्रिगोजिन ने रूस के डिफेंस मिनिस्टर सर्गेई शोइगू पर आरोप लगाए कि वो उनके लड़ाकों के लिए हथियार नहीं भेज रहे हैं, इसके जरिए वो वैगनर को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रिगोजिन ने कहा था कि शोइगू में जंग जीतने की क्षमता नहीं है। बीबीसी के मुताबिक शोइगू और प्रिगोजिन की दुश्मनी यूक्रेन जंग में अड़चन बनने लगी थी। बाखमुत शहर को जीतने की लड़ाई ने इस दुश्मनी को और गहरा कर दिया। नतीजा ये रहा कि 24 जून को प्रिगोजिन अपने लड़ाकों को लेकर रूस के खिलाफ बगावत कर दी। रूस के रोस्तोव शहर में वैगनर ने अपने कब्जे में ले लिया था। हालांकि, मॉस्को पहुंचने से पहले ही उनसे सुलह कर ली गई थी। हालांकि, 2 महीने बाद ही 23 अगस्त को प्लेन क्रैश में प्रिगोजिन की मौत हो गई। पेस्कोव ने कहा कि नई नियुक्ति रूस के मौजूदा सैन्य सिस्टम में बदलाव का संकेत नहीं देती है। रूस के मिलिट्री ऑपरेशन्स चीफ ऑफ स्टाफ वालेरी गेरासिमोव के जिम्मे रहेंगे। व्लादिमिर पुतिन ने 7 मई को 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। 15-17 मार्च को हुई वोटिंग में पुतिन को 88% वोट मिले थे। उनके विरोधी निकोले खारितोनोव को 4% वोट मिले।

# मालदीव भारतीय सैनिकों को निकालकर मुश्किल में

## गिफ्ट में मिले हमारे एयरक्राफ्ट ऑपरेट नहीं कर पा रहे, भारत से टेक्निकल ट्रेनिंग स्टाफ बुलाया

माले, 13 मई (एजेंसियां)। मालदीव के रक्षा मंत्री घासन मौमून ने स्वीकार किया है कि मालदीव की सेना भारत से मिले विमानों को ऑपरेट करने में सक्षम नहीं है। रक्षा मंत्री मौमून ने राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री मौमून ने कहा कि मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) के पास ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जो भारत से मिले 2 हेलिकॉप्टर और 1 डोर्नियर एयरक्रॉफ्ट उड़ा सके।

इस बीच, राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु की भारतीय सैनिकों को देश से निकालने वाली डेडलाइन से पहले ही भारत अपने सभी सैनिकों को वापस बुला चुका है। अब विमानों को ऑपरेट करने वाले सैनिकों की जगह सिविलियन भारतीयों ने ली है।

**'ट्रेनिंग पूरी नहीं कर पाए मालदीव सैनिक'**

घासन मौमून ने भारतीय सैनिकों के मालदीव छोड़ने वाले सवाल का जवाब देते हुए कहा, भारतीय विमानों को चलाने में सक्षम पायलट मालदीव की सेना के पास

नहीं है। कुछ सैनिकों ने पिछले समझौतों के तहत उन्हें उड़ाने की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी, लेकिन वे ट्रेनिंग के अलग- अलग चरणों को पार नहीं कर सके और ट्रेनिंग पूरी नहीं कर पाए। इसलिए, इस समय हमारी सेना में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसके पास दो हेलिकॉप्टर और डोर्नियर को उड़ाने के लिए लाइसेंस हो या वो पूरी तरह से ऑपरेट कर सके। वही, घासन के बयान के उलट जब मुइज्जु विपक्ष में थे, तो वे भारतीय सैनिकों को लेकर पिछली सरकार की आलोचना करते थे। मुइज्जू और उनकी पार्टी का दावा था कि मालदीव की सेना के पास ट्रेन्ड पायलट हैं, फिर भी सरकार भारतीय सैनिकों को मालदीव में बुला रही है। दरसअल, भारतीय सैनिक पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद, अब्दुल्ला यामीन और इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के कार्यकाल में मालदीव गए थे। इन सैनिकों का काम मालदीव की सेना को ट्रेनिंग देना था। हालांकि, मालदीव के सैनिक ट्रेनिंग पूरी नहीं कर पाएं। इसी के चलते अब समझौते के तहत भारत के सिविलियन्स अब मालदीव के पायलट्स को ट्रेनिंग भी देंगे। मालदीव में करीब 88 भारतीय सैनिक थे। ये दो हेलिकॉप्टर और एक एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन संभालते थे। आमतौर पर इनका इस्तेमाल रेस्क्यू या सरकारी कामों में किया जाता है। मालदीव में इंडियन हेलिकॉप्टर और एयरक्राफ्ट मानवीय सहायता और मेडिकल इमरजेंसी में वहां के लोगों की मदद करते रहें थे। अब इनके ऑपरेशन को संभालने के लिए नागरिकों के टेक्निकल स्टाफ को भेजा गया है।

# बारिश और बाढ़ से 315 की मौत

## 1600 से ज्यादा लोग घायल, 2000 घर बहे, कई राज्यों में दो हफ्ते से बिजली नहीं

काबुल, 13 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में दो हफ्तों से हो रही भारी बारिश के कारण 315 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई हैं। तालिबानी अधिकारियों का कहना है कि अभी भी मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन के मुताबिक, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) ने 12 मई को बताया कि सबसे ज्यादा नुकसान बदख्शां, घोर, बगलान और हेरात में हुआ है।

भारी बारिश के कारण 1600 लोग घायल हैं और 2000 से ज्यादा घर बह चुके हैं। डब्ल्यूएफपी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि अचानक आई बाढ़ ने अफगानिस्तान को तबाह कर दिया। बगलान में सबसे ज्यादा मौत हुई है।

बगलान में 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। अधिकारियों का कहना बगलान को जाने वाली सड़क बह चुकी, जिससे वहां राहत पहुंचाने में देरी हो रही है। वहां से लोगों को निकालने के लिए सेना भेजी

गई है। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने 11 मई को बताया कि बगलान में लोगों को निकालने के लिए वायुसेना को लगाया गया है। इस बीच अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बिना देर करे मदद करने को कहा है। तालिबान के मुताबिक, अगर संगठनों ने मदद नहीं की तो हजारों लोग मर जाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय बचाव समिति (आईआरसी) के मुताबिक, अफगानिस्तान के ज्यादातर राज्यों में इमरजेंसी जैसे हालात हैं। इमरजेंसी की अलग-अलग टीमें राहत बचाव कार्य में लगी हैं।

आईआरसी के निदेशक सलमा बेन आइसा ने बताया कि इस बाढ़ से मानवीय संकट आ गया है। अफगानिस्तान के लोग पहले इस साल की शुरुआत में आए भूकंप की मार झेल रहे थे। लेकिन, अब बाढ़ ने उनको और ज्यादा गरीबी में धकेल दिया है। अफगानिस्तान के कई राज्यों में दो हफ्ते से बिजली नहीं है। लोगों के पास एक वक्त के खाने के लिए लेकर संसाधन नहीं है। पिछले महीने ही अफगानिस्तान के हेलमंद और काजाकी जिलों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण घर ढह जाने से नौ लोगों की मौत हो गई थी।

# अमेरिकी विदेश सचिव ने इजराइल रक्षा मंत्री को किया फोन

### राफा ऑपरेशन का किया विरोध

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। गाजा के राफा शहर में एक प्रमुख सैन्य अभियान का अमेरिका विरोध कर रहा है। अमेरिकी विदेश सचिव ने इस्राइल रक्षा मंत्री को फोन पबात की। जिसमें उन्होंने गाजा की स्थिति और बंधकों की रिहाई के बारे में बातचीत की। हमास और इस्राइल के बीच युद्ध चल रहा है। रविवार की रिपोर्ट के अनुसार जैसे-जैसे राफा आक्रमण और तीव्र हो रहा है, इजराइली सैन्य टैंक जबालिया शरणार्थी शिविर में जाते जा रहे हैं। रविवार को सलाह अल-दीन स्ट्रीट को पार कर इजराइली टैंक शिविर में घुस गए। क्योंकि हमास के आतंकवादियों और इजराइली बलों के बीच लड़ाई बढ़ गई थी।

वहीं अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को इस्राइली मंत्री के साथ फोन पर बातचीत की। उन्होंने इस्राइल की सुरक्षा और हमास की हार आदि के बारे में अमेरिका का पक्ष रखा।

# 5 महीने के लिए दोस्त बनेंगे ग्रीस-तुर्किये

## 50 साल पुराना सीमा विवाद सुलझाने के लिए पहल, दोनों के बीच ग्रीस का साथ देता है भारत

अंकारा, 13 मई (एजेंसियां)। तुर्किये और ग्रीस सालों की दुश्मनी को खत्म करने के लिए एक नई पहल करने वाले हैं। दोनों देश पांच महीने की दोस्ती करके 50 साल पुराने सीमा विवाद का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। इसके लिए ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस सोमवार (13 मई) को तुर्किये जाएंगे। मित्सोटाकिस तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से मुलाकात करेंगे। दोनों के बीच समुद्री सीमाओं, व्यापार और ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। ये सब ऐसे वक्त पर हो रहा है जब दोनों देशों में इजराइल-हमास युद्ध के चलते मतभेद हैं। तुर्किये खुलकर हमास का साथ दे रहा है, जबकि ग्रीस इजराइल का समर्थन करता है।

पिछले हफ्ते मित्सोटाकिस ने कहा था कि हम (ग्रीस) हमेशा तुर्किये के साथ बातचीत के पक्ष में हैं। तुर्किये भी हमसे अच्छे संबंध रखना चाहता है। इसी में दोनों देशों की भलाई है। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सहमति नहीं

बनी, फिर भी दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते हमेशा खुले रहने चाहिए। एजियन सागर को लेकर ग्रीस और तुर्किये में तनातनी चलती रहती है। इसके अलावा दोनों नाटो देशों के बीच साइप्रस द्वीप के बंटवारे को लेकर भी विवाद है। ये विवाद 1974 से है। जब ग्रीस समर्थित सैन्य तख्तापलट के जवाब में तुर्किये के लड़ाकों ने इस द्वीप पर हमला किया था। बाद में कब्जा किए गए इलाके को तुर्किये ने टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉर्दन साइप्रस नाम दे दिया। तुर्किये के देश बनने से पहले भी यूनानियों और तुर्कों के बीच दुश्मनी का एक लंबा इतिहास रहा है। इस मुद्दे पर भारत ने हमेशा से ग्रीस का साथ दिया है। वहीं, ग्रीस भी कश्मीर मुद्दे पर भारत का समर्थन करता है। ग्रीस यूएनएससी में भी भारत की परमानेंट सीट का हिमायती है।

रिश्ते सुधारने के लिए तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने पिछले साल दिसंबर में ग्रीस का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों ने इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट, एजुकेशनल टूर के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की बात कही थी। इसके बदले ग्रीस ने तुर्की के नागरिकों को इस साल गर्मी में घूमने के लिए ऑन-द-स्पॉट वीजा दिया है। इस वीजा से तुर्किये के लोग ग्रीस के 10 द्वीप पर जा सकेंगे। इस पर ग्रीस के प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह दोनों देशों के बीच इकोनॉमी को मजबूत करेगा। साथ ही दोनों देशों के बीच शांति लाएगा। लेकिन कुछ हफ्ते पहले ही तुर्किये के राष्ट्रपति ने इस्तांबुल में एक बाइजेंटाइन युग के चर्च को तोड़कर एक मस्जिद बनाने की घोषणा की, जिसके बाद ग्रीस के ऑर्थोडॉक्स चर्च ने इसकी आलोचना की थी।

# पीओके में हिंसा के बाद लॉन्ग मार्च

## मुजफ्फराबाद के लिए रवाना हुए प्रदर्शनकारी, पाकिस्तान ने मिलिट्री रेंजर्स तैनात किए

इस्लामाबाद, 13 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ती मंहगाई और बिजली की कीमतों को लेकर लगातार चौथे दिन प्रदर्शन जारी है। रविवार को जम्मू कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) की पीओके सरकार के साथ बातचीत विफल रही थी। इसके चलते आज प्रदर्शनकारी जेएएसी के नेतृत्व में रावलकोट से पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद तक लॉन्ग मार्च कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कोहाला-मुजफ्फुराबाद रोड को बंद कर दिया। ये सड़क 40 किलोमीटर लंबी है और कोहाला शहर को मुजफ्फराबाद से जोड़ती है। हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 100 से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल हैं। इनमें ज्यादातर पुलिसवाले हैं। हालातों को काबू में लाने के लिए पाकिस्तान की पैरामिलिट्री के रेंजर्स को तैनात किया गया है।

वहीं, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज पीओके की स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। उन्होंने हिंसक झड़पों को लेकर चिंता भी जाहिर की है। शरीफ ने कहा कि बातचीत, शांतिपूर्ण धरने और बहस लोकतंत्र की खुबसूरती है। हालांकि, हम उन लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं।

शरीफ ने आगे कहा कि उन्होंने पीओके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक से बात की है और पीओके में सभी पार्टी पीएमएल-एन के पदाधिकारियों को एक्शन कमेटी के नेताओं से बात करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा,'मैं सभी पक्षों से मांग करता हूं कि वे शांतिपूर्ण तरीके से मामले को सुलझाएं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी आज इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति ने पाक अधिकृत कश्मीर में बने हालातों को सुधारने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। मुजफ्फराबाद और पुंछ संभागों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट और व्यापारिक केंद्र बंद रहे। मीरपुर में आंशिक हड़ताल रही। पीओके सरकार और जेएएसी के बीच बातचीत विफल

होने के बाद रावलकोट के एक नेता ने कहा है कि सरकार प्रदर्शनों को रोकने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। इस मीटिंग में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अलग-अलग जिलों के काउंसलर्स पहुंचे थे। मीटिंग में शामिल हुए रावलकोट के काउंसलर सरदार उमर नाजिर ने कहा कि वह सिर्फ आश्वासन से अपने प्रदर्शन नहीं रोकेंगे। जब तक उनकी मांगों को लेकर अधिसूचना जारी नहीं होगी, प्रदर्शन चलता रहेगा।

नाजिर ने सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने किसी भी मुद्दे पर एक भी अधिसूचना जारी नहीं की है। सरकार बातचीत के नाम पर सिर्फ टाल-मटोल, देरी की रणनीति, झूठ और धोखाधड़ी हो रही है। तनाव को देखते हुए पीओके में धारा 144 लागू है। पीओके की सरकार ने सार्वजनिक जगहों पर इकट्ठा होने, रैली और जुलूस निकालने पर बैन लगाया है। वहां के कई इलाकों जैसे भिंबेर, बाघ टाउन, मीरपुर में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सर्विस बंद कर दी गई हैं। चार दिन पहले पीओके में रोजमर्रा की चीजों के बढ़ते दामों को लेकर प्रदर्शन शुरू हुए थे। लोग शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस के अधिकारों ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया था। जिसके कारण महिलाओं और स्कूली बच्चों को चोट लगी थी। पाकिस्तान पुलिस के वीडियो भी वायरल हुए थे। पुलिस की हिंसा के बाद लोगों ने और प्रदर्शनों का ऐलान कर दिया। वो सड़कों पर उतरे। पुलिस ने जब फिर से उन पर प्रदर्शनकारियों पर लाठी चलाना शुरू किया तो वे उग्र हो गए। उन्होंने पलटवार में पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में 1 पुलिसकर्मी की मौत हो गई, वहीं 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता के बीच देश की आर्थिक हालात खराब हो चुकी। यहां महंगाई दर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पाकिस्तान की जनता भुखमरी और बेरोजगारी से परेशान है।

# भारत की नाक के नीचे चीन का बढ़ा सैन्य दबदबा

## ड्रैगन की मदद से बांग्लादेश ने बनाया नौसैनिक अड्डा, रुक सकेंगी सबमरीन

ढाका, 13 मई (एजेंसियां)। चीन की ओर से बांग्लादेश में लगातार अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं। चीन की मदद से पनडुब्बियों और युद्धपोतों के लिए बांग्लादेश में एक नेवल डॉक तैयार किया गया है। वैश्विक खुफिया अनुसंधान नेटवर्क द इंटेल लैब के शोधकर्ता डेमियन साइमन ने भारतीय सीमा के पास से बांग्लादेश में बने ड्राई डॉक की सैटेलाइट तस्वीरें कुछ समय पहले जारी की थी। ये नेवल डॉक अपनी समुद्री क्षमताओं को बढ़ाते हुए भारत के बैकयार्ड में बीजिंग के बढ़ते सैन्य प्रभाव को भी दिखाता है। डेमियन साइमन ने भी नेवल डॉक की तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि चीन के इस उन्नत रक्षा सहयोग प्रयास से बीजिंग को बांग्लादेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्लेषकों का कहना है कि इस नेवल डॉक के लिए भारत को फिलहाल बहुत चिंतित होने की जरूरत है क्योंकि यह बांग्लादेश की अपनी नौसैनिक महत्वाकांक्षाओं को मजबूत करने की इच्छा को ज्यादा

दर्शाती है। हालांकि एक्सपर्ट ये भी मानते हैं कि दिल्ली को क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति के प्रति सतर्क रहना चाहिए। भारत को इसलिए सतर्कता की जरूरत है क्योंकि इस नेवल डॉक के जरिए चीन को बांग्लादेश के साथ रक्षा संबंध बढ़ाने के साथ ही बंगाल की खाड़ी में अपनी पनडुब्बियों के लिए एक नया बेस भी मिल जाएगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के डिफेंस एंड सिक्योरिटी इंस्टीट्यूट के रिसर्च फेलो ट्रॉय ली ब्राउन ने कहा है कि बांग्लादेश की नेवी कॉक्स बाजार में नए शेख हसीना पनडुब्बी बेस पर ड्राई डॉक का निर्माण कर रही थी। ये करीब 1.21 बिलियन अमेरिकी डॉलर से तैयार हुई है। इसका उद्घाटन पिछले साल मार्च में बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने चीनी अधिकारियों की उपस्थिति में एक समारोह में किया था। हसीना ने उद्घाटन के मौके पर कहा कि यह बेस बांग्लादेश की अपनी समुद्री सीमा की रक्षा करने की क्षमता को मजबूत करेगा। यह एक समय में छह पनडुब्बियों और आठ युद्धपोतों की मेजबानी करने में सक्षम होगा। साथ ही आपातकालीन स्थिति में पनडुब्बियों की सुरक्षित और तेज आवाजाही की अनुमति मिलेगी।

# कोल्ड लावा से 3 दिन में 41 मौतें

## मरने वालों में 2 बच्चे भी, बाढ़-लैंडस्लाइड से सैकड़ों घर-मस्जिद तबाह

जकार्ता, 13 मई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के सुमात्रा आईलैंड में 11 मई से हो रही भारी बारिश से अब बाढ़ आ गई है। इससे कई इलाकों में लैंडस्लाइड हुई। चट्टानों और पहाड़ों के पत्थर-मलबे के साथ ही ज्वालामुखी का ठंडा लावा भी रिहायशी इलाकों तक पहुंचकर तबाही मचा रहा है। अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है। आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। 17 से ज्यादा लोग लापता हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, सुमात्रा आईलैंड के अगम और तनाह दातार जिले में सबसे ज्यादा

तबाही हुई है। यहां के कई शहरों में सड़कें टूट गईं, 100 से ज्यादा घर, मस्जिदें तबाह हो गई हैं। सुमात्रा डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी अफसर इल्हम वहाब ने कहा- रविवार देर रात (12 मई) 37 लोगों की लाश मिली थी, यह आंकड़ा सोमवार सुबह (13 मई) तक 41 हो गया। इनमें 2 बच्चे हैं।

ठंडा लावा को लहर के नाम से भी जाना जाता है। इसमें राख, रेत और कंकड़ पाए जाते हैं। ये भारी बारिश से ज्वालामुखी की ढलानों से नीचे आते हैं। कई अकादमिक रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोल्ड लावा का तापमान 0°C से 100°C हो सकता है। आमतौर पर यह 50°C से कम ही होता है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने कहा कि बहते हुए ठंडे लावा से कई इलाकों में कीचड़ हो गया है।

इसलिए रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं। 11 मई से वेस्ट सुमात्रा आईलैंड के अगम और तनाह दातार जिले में बारिश हो रही है। इससे बाढ़ आई। यहां माउंट मरापी भी स्थित है। इस पर्वत पर अक्सर ज्वालामुखी फटते रहते हैं। मेरापी पर्वत का ज्वालामुखी 1930 से इंडोनेशिया का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है।

# ईरान का चाहबार पोर्ट लीज पर लेगा भारत

## 10 साल के लिए समझौता, इससे अफगान-सेंट्रल एशिया में व्यापार के लिए पाकिस्तान की जरूरत खत्म होगी

तेहरान, 13 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के बीच ईरान के चाबहार पोर्ट को लेकर भारत एक बड़ी डील करने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत रणनीतिक और व्यापारिक रूप से अहम चाबहार पोर्ट को 10 साल के लिए लीज पर लेगा। इसके बाद पोर्ट का पूरा मैनेजमेंट भारत के पास होगा। भारत को इसके जरिए अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया से व्यापार करने के लिए नया रूट मिल जाएगा।

विदेश मंत्री ने एस जयशंकर ने सोमवार (12 मई) को बताया कि केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को चाबहार पोर्ट की डील के लिए ईरान भेजा गया है। सोनोवाल के दौरे से ईरान चाबहार पोर्ट के मैनेजमेंट से जुड़े समझौते को अंतिम रूप देने वाला है। भारत और ईरान दो दशक से चाबहार पर काम कर रहे हैं। भारत दुनियाभर में अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है। चाहबार पोर्ट इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। भारत इस पोर्ट की मदद से ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के साथ सीधे व्यापार कर सकता है। ईरान और भारत ने 2018 में चाबहार पोर्ट तैयार करने का समझौता किया था। पहले भारत से अफगानिस्तान कोई भी माल भेजने के लिए उसे पाकिस्तान से गुजरना होता था। चाबहार बंदरगाह के विकास के बाद से अफगानिस्तान माल भेजने का यह सबसे अच्छा विकल्प है। भारत अफगानिस्तान को गेंहू भी इस रास्ते से भेज रहा है। अफगानिस्तान के अलावा यह पोर्ट भारत के लिए मध्य एशियाई देशों के भी रास्ते खोलेगा।

इन देशों से गैस और तेल भी इस पोर्ट के जरिए लाया जा सकता है। अमेरिका ने भारत को इस बंदरगाह के लिए हुए समझौतों को लेकर कुछ खास प्रतिबंधों में छूट दी है। चाहबार को पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट की तुलना में भारत के रणनीतिक पोर्ट के तौर पर देखा जा रहा है।

# बांसवाड़ा सहित 20 जिलों में खुलेंगे नए छात्रावास, सर्वे शुरू

बांसवाड़ा, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के 20 जिलों में नए छात्रावास खुलेंगे। यह नए छात्रावास प्रधानमंत्री जनजाति उन्नति ग्राम मिशन के अन्तर्गत प्रारंभ किए जाएंगे। इसके लिए प्रदेश के 200 गांवों में सर्वे एवं सत्यापन सोमवार से शुरू होगा। जनजातीय परिवारों के बच्चों को सहज शिक्षा सुलभ कराए जाने के लिए अंत्योदय मिशन के तहत भारत सरकार द्धारा बीते दिनों में सर्वे करवाया गया था। सर्वे में राज्य के 20 जिलों के कुल 200 गांवों में जनजातीय परिवारों के बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा का अभाव पाया गया। इसके चलते भारत सरकार द्धारा जनजातीय बच्चों के लिए छात्रावास खोले जाने की कार्य योजनाओं को मूर्तरुप देने

कि तैयारी शुरू कर दी गई है।

13-15 मई तक चयनित गांवों का होगा सर्वे

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् राज्य परियोजना निदेशक अविचल चतुर्वेदी के निर्देशानुसार गठित टीम तीन दिन 13 से 15 मई 2024 तक चयनित गांवों का सर्वे करेगी। प्रत्येक चनयति गांवों में परियोजना निदेशक द्धारा गठित टीम पहुंचेगी, जो तीन दिन में मौका स्थिति कि सत्यापन रिपोर्ट तैयार करेगी। इसे लेकर विभिन्न जिलों में उपनिदेशक परिषद् कार्यालय, सहायक निदेशक परिषद् कार्यालय, एडीपीसी या पीओ जिला कार्यालय, जेईएन जिला कार्यालय, सबधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को टीम में शामिल किया गया है।

बांसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर जिलों में सर्वे के लिए 2-2 टीम का गठन

बांसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर जिलों में सर्वे के लिए दो-दो टीम का गठन किया गया है। शेष जिलों में एक-एक टीम का गठन किया गया है। 20 जिलों के 200 गांवो में होने वाले सर्वे में सर्वाधिक बांसवाड़ा जिले के घाटोल, बासंवाड़ा, तलवाड़ा, गढी, सज्जनगढ, कुशलगढ, छोटीसरवन ब्लॉक के 57 गांवों एवं डूंगरपुर जिले के चिकली, दोबड़ा, सागवाड़ा, बिछावाडा ब्लॉक के 51 गांवों में सर्वे होगा।

# पूर्व सीएम गहलोत ने चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

## कहा- चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी की बजाय एक पार्टी के पक्ष में खड़ा

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से वोटिंग के फाइनल आंकड़े जारी करने में देरी को लेकर सहयोगी दलों को लिखे गए पत्र पर जहां केंद्रीय चुनाव आयोग ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है तो वहीं अब पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं।

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की ओर से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को लिखे गए पत्र पर चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया पूरी तरह से अनुचित

और अनचाही है। खरगे की ओर से उठाए गए जायज सवालों पर चुनाव आयोग के इस पत्र की भाषा एक संवैधानिक संस्था से ज्यादा राजनीतिक दल की लग रही है।

चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी से काम करने की बजाए इस चुनाव में एक पार्टी के पक्ष में खड़ा दिखाई दे रहा है जो आमजन के मन में शंकाएं पैदा कर रहा है।

चुनाव आयोग की छवि के लिए भी उचित नहीं है। गहलोत ने कहा कि चुनाव आयोग पार्टियों के बीच हो रहे आंतरिक वार्तालाप पर तो प्रतिक्रिया दे रहा है लेकिन विपक्षी दलों की ओर से दी गई शिकायतों पर संज्ञान नहीं ले रहा है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी 20 से अधिक शिकायतें दर्ज करवाई हैं पर उन पर नोटिस तक जारी नहीं किए गए हैं।

# कांग्रेस की शिकायत पर निर्वाचन विभाग ने उठाया सख्त कदम

## मदन दिलावर को जारी की चेतावनी

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। कोटा निर्वाचन अधिकारी ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सख्त चेतावनी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी, कोटा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि वह किसी भी प्रकार का कोई ऐसा कार्य अथवा वक्तव्य प्रसारित नहीं करें, जिससे समाज के बीच वैमनस्यता उत्पन्न हो और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो। आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर कांग्रेस की ओर से की गई शिकायतों के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी, कोटा

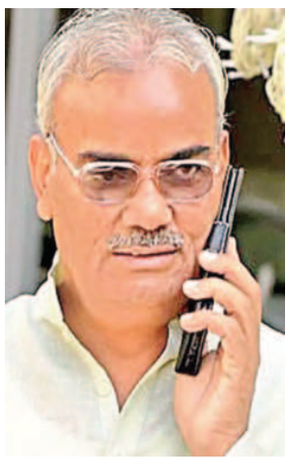

ने यह कार्रवाई की है।

**कांग्रेस ने 20 से अधिक शिकायतें दीं**

कांग्रेस ने पिछले माह आचार संहिता उल्लंघन को लेकर प्रदेश में निर्वाचन अधिकारियों को 20 से अधिक शिकायतें दीं, जिनमें कार्रवाई नहीं होने को लेकर कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व ने हाल ही चुनाव आयोग के सामने मुद्दा उठाया। इन शिकायतों में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के सात अप्रेल को एक टीवी चैनल पर आए बयान से संबंधित मामला भी शामिल है।

# नोएडा के बाद जयपुर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

## ब्लास्ट की बरसी पर आए ईमेल

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। नोएडा के बाद शरारती तत्वों के निशाने पर अब जयपुर आ गया है। जयपुर के कई बड़े स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। इनमें स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जयपुर में बम धमाकों की बरसी पर मिले इन ईमेल ने पुलिस की नींद उड़ा दी है। बम निरोधक दस्ते सक्रिय हो गए हैं। स्कूलों में तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

जिन स्कूलों को ईमेल मिले हैं, वहां पुलिस टीमें पहुंच गई हैं। खोजी श्वान दल के साथ पहुंचे बम निरोधक दस्ते ने स्कूल खाली करवाए और जांच शुरू कर दी है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि अब तक चार बड़े स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना है। बम निरोधक दस्ते के साथ पुलिस टीमें स्कूलों में पहुंच गई हैं। छात्रों और स्टाफ सदस्यों को स्कूल से बाहर निकालकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश कर रही है।वहीं, डीसीपी ईस्ट कवियेंद्र सागर ने बताया कि विद्याश्रम, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के मोती डूंगरी और मालपुर ब्रांच के साथ ही माणक चौक स्थित सेंट टेरेसा स्कूल को ई-मेल के जरिए यह धमकियां मिली थी। इसके बाद स्कूलों में तत्काल पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है। अब तक कोई बम नहीं मिला है। बम निरोधक दस्ते मौके पर हैं। स्कूलों को खाली करवा लिया गया है।

**जयपुर एयरपोर्ट को भी मिली थी धमकी**

एक दिन पहले यानी जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ-साथ देश के कई हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। ईमेल में लिखा गया था कि दिल्ली, जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद, गुवाहाटी, जम्मू, लखनऊ, पटना, अगरतला, औरंगाबाद, बागडोगरा, भोपाल और कालीकट एयरपोर्ट की बिल्डिंग में बम छिपाए गए हैं। कुछ घंटों में ब्लास्ट होगा।

इस मेल को धमकी मत मानिएगा। बम को निष्क्रिय कर दीजिए, नहीं तो कई निर्दोष लोगों की जान जाएगी। सीआईएसएफ की ऑफिशियल आईडी पर आए ई-मेल से एयरपोर्ट प्रशासन में हड़कम्प मच गया था। हालांकि, किसी भी एयरपोर्ट पर कुछ नहीं मिला था।

**नोएडा के स्कूलों को भी मिले थे ईमेल**

इससे पहले करीब दो हफ्ते पहले नोएडा के स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। स्कूलों को खाली कराया गया था। हालांकि, किसी भी स्कूल में बम नहीं मिला था।

**13 मई 2008 को जयपुर में आठ जगह हुए थे धमाके**

13 मई 2008 को जयपुर के परकोटे में आठ जगह सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इनमें 73 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 185 घायल हुए थे। इस मामले में कोर्ट ने बम धमाकों के दोषियों को 20 दिसंबर 2019 को फांसी की सजा सुनाई थी। 24 गवाह बचाव पक्ष ने पेश किए थे, जबकि सरकार की ओर से 1270 गवाह पेश हुए थे।

सरकार की ओर से वकीलों ने 800 पेज की बहस की थी। कोर्ट ने 2500 पेज का फैसला सुनाया था। हालांकि, पिछले साल इन सभी दोषियों को राजस्थान हाईकोर्ट ने बरी कर दिया था।

# मौलाना हत्याकांड : अश्लील वीडियो दिखाकर बच्चों से कुकर्म करता था मौलाना

## खौफनाक कहानी सुन पुलिस के उड़े होश

अजमेर, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में मौलाना मोहम्मद माहिर हुसैन की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। मौलाना की हत्या नकाबपोश बदमाशों ने नहीं 6 नाबालिगों ने की थी। मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाकर मौलाना मदरसे में बच्चों से कुकर्म करता था। ऐसे में उसकी यातनाओं और घिनौने कारनामों से तंग आकर 6 नाबालिगों ने उसका कत्ल किया था। नाबालिग बच्चों की खौफनाक कहानी सुनकर पुलिस के भी होश उड़ गए।

दरअसल, 15 दिन से पुलिस जिन चश्मदीद नाबालिगों की कहानी को सच मानकर वारदात के सिरे तलाशने में जुटी रही तथ्यों को पुनः खंगालने पर उन्हीं 'चश्मदीदों' पर शक की सुंई जा ठहरी। पुलिस ने उन्हें संदिग्ध मानकर पड़ताल की तो मौलाना

की हत्या और उसके घिनौने कृत्य का राज भी खुल गया। वारदात अंजाम देने से पहले बाल अपचारियों ने मौलाना को रायते में नींद की गोलियां घोलकर पिला दी। फिर सोते हुए मौलाना के सिर पर ताबड़तोड़ डंडे दे मारे। मौलाना ने उठने का प्रयास किया तो सभी ने मिलकर उसके गले में रस्सी का फंदा कस दिया।

**मदरसे के बच्चों ने किया था कत्ल**

पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि मौलाना मोहम्मद माहिर हुसैन की हत्या मस्जिद के मदरसे में पढ़ने वाले यूपी के 6 विधि से संघर्षरत बालकों ने अंजाम देना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल रस्सी, इमाम का मोबाइल बरामद कर लिया। वारदात में 6 से 16 साल तक के बाल अपचारी शामिल हैं, जो वारदात के बाद मनगढ़ंत कहानी से पुलिस को गुमराह करते रहे थे।

**अश्लील वीडियो दिखाकर बच्चों से कुकर्म करता था मौलाना**

एसपी विश्नोई ने बताया कि वारदात में तमाम तथ्यों को खंगालने के बाद चश्मदीद बच्चों को दायरे में लेकर पड़ताल की तो वारदात खुल गई। दो बालअपचारी ने वारदात अंजाम देना कबूल लिया। पूछताछ में बताया कि मौलाना माहिर 5 बालकों के साथ दो साल से अश्लील वीडियो दिखाकर कुकर्म कर रहा था।

**चुप रहने को पैसे का दिया लालच**

रमजान में गांव जाने के बाद मौलाना एक और बालक को लेकर लाया। उसने 25 अप्रेल को उसके साथ भी कुकर्म का प्रयास किया तो उसने शिकायत की धमकी दी। मौलाना ने उसे चुप रहने के लिए पैसे का लालच दिया। उसने साथियों को मौलाना की हरकत बताई तो सबने अपनी पीड़ा जाहिर कर दी। उन्होंने बताया कि यूपी रामपुर से लौटने के बाद भी मौलाना ने उनके साथ कुकर्म किया। आखिर सबने 26 अप्रेल रात को उसको मारने का षड़यंत्र रच डाला।

# गर्लफ्रेंड से बात करता था बेस्टफ्रेंड, तो कर दिया मर्डर

## अंकित हत्याकाण्ड में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

सवाई माधोपुर, 13 मई (एजेंसियां)। शराब पिलाकर युवक अंकित मीना की नृशंस हत्या करने के मामले का पुलिस ने एक आरोपी सलमान पुत्र रहमान को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दो नाबालिगों को निरुद्ध किया है। पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का कारण सामने आया है। मृतक अंकित मीना आरोपी सलमान तेली की महिला मित्र से बात करता था। इस रंजिश में उसने अपने दो नाबालिग साथियों के साथ मिलकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। वहीं जब आरोपी को सदर थाने से सीओ कार्यालय ले जा रहे थे, तो रास्ते में पेशाब करने उतरे आरोपी ने भागने का प्रयास किया। इससे उसके पैर में मोच आ गई। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात को

सालोदा निवासी अंकित मीना की तीन जनों ने मिलकर जयपुर रोड पर एक भूखण्ड में चाकू तथा पत्थरों से वार कर हत्या कर दी थी। घटना के विरोध में सर्वसमाज के आह्वान पर शहर के बाजार बंद रहे।

**आश्वासन के बाद भी धरने से नहीं हटे**

युवक अंकित मीणा की निर्मम हत्या के बाद सोमवार को कलेक्ट्रेट में तीए की बैठक हुई। महिला और पुरुषों ने श्रंद्धाजलि अर्पित की। तीन दिन से परिजन और हिंदूवादी संघठन और सर्व समाज के लोग धरने पर बैठे हैं। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के आश्वासन के बाद भी परिजन धरने से नहीं हटे।

**सरकार में हूं, वरना मैं भी धरने पर बैठता: डॉ. किरोड़ी**

धरने पर पहुंचे कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने प्रशासन से बात करने के बाद कहा कि पीड़ित परिवार की मांग जायज हैं। पचास लाख रुपए, संविदा पर नौकरी के लिए सीएम से बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनके महाराष्ट्र में व्यस्त होने के कारण सम्पर्क नहीं हो पाया। वे जयपुर जाकर इस सम्बंध में वार्ता कर उनकी मांगों को रखेंगे। इसके अलावा जिला कलक्टर तथा पुलिस अधीक्षक को मामले को केस ऑफिसर स्कीम में लेने, आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए सही दिशा में तथ्यों के साथ जांच करने के निर्देश दिए हैं। धरनार्थियों को कहा कि वे उनके साथ हैं, लेकिन सरकार में होने के कारण धरने पर नहीं बैठ सकते हैं। कोई भी मंत्री किसी धरने पर नहीं जाता है, लेकिन मेरे इससे फर्क नहीं पड़ता है। धरना खत्म करना या नहीं करना आपका निर्णय है। इसके बाद डा. किरोड़ी रवाना हो गए।

# रेस्टोरेंट के बाहर नकाबपोश बदमाशों ने की हवाई फायरिंग

## पर्ची फेंककर एक करोड़ की रंगदारी मांगी

अलवर, 13 मई (एजेंसियां)।

एक रेस्टोरेंट के बाहर दो बाइक सवार नकाबपोश बदमाश हवा में फायरिंग करके रेस्टोरेंटकर्मी को एक करोड़ रुपये की मांग वाली रंगदारी की पर्ची देकर फरार हो गए। पर्ची में लिखा था अभी तो ट्रेलर था, एक करोड़ चाहिए नहीं तो अगली गोली माथे में लगेगी।

मामला अलवर शहर के जेल सर्किल के पास साईं लीला रेस्टोरेंट का है। यहां दो नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग की और रेस्टोरेंट के रिसेप्शन पर बैठे कर्मचारियों को रंगदारी की पर्ची थमाकर फरार हो गए। पर्ची में लिखा था- एक करोड़ चाहिए, नहीं तो अगली गोली माथे में लगेगी, अभी तो ट्रेलर था। रंगदारी की पर्ची में चार बदमाशों के नाम भी लिखे हुए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन ने शहर में नाकेबंदी कर दी और शहर से बाहर जाने वाले व शहर की तरफ आने वाले सभी रास्तों पर देर रात तक वाहनों की जांच-पड़ताल की गई। एसएचओ राजपाल सिंह ने बताया कि रात करीब 10 बजे साईं लीला रेस्टोरेंट पर बदमाशों ने हवाई फायरिंग कर रंगदारी की पर्ची फेंककर एक करोड़ रुपये की डिमांड की। दोनों बदमाश नकाब पहने हुए थे पुलिस नाकेबंदी करके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों की तलाश कर रही है।

## शिक्षा नगरी को लगा ये कैसा ग्रहण!

# सुसाइड के बाद अब कोटा से लापता हो रहे कोचिंग स्टूडेंट्स

कोटा, 13 मई (एजेंसियां)। देशभर में शिक्षा नगरी के नाम से प्रसिद्ध कोटा शहर में सुसाइड के बाद अब स्टूडेंट्स के लापता होने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कोटा से ऐसी ही हैरान देने वाली खबर सामने आई है। कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के पीजी में रहकर नीट कर तैयारी कर रहा एक छात्र शनिवार देर रात लापता हो गया। वह अपने कमरे में एक नोट भी छोड़कर गया है, जिसमें नीट का पेपर खराब होने का जिक्र है।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि बिहार निवासी छात्र अमन कुमार सिंह (19) एग्जॉटिका गार्डन के पास स्वर्ण विहार कॉलोनी में पीजी में रहा है। वह नीट की तैयारी कर रहा है। शनिवार देर रात 1-2 बजे के बीच

वह पीजी से निकल गया।

**छात्र के कमरे में मिला सुसाइड नोट**

उसके कमरे में एक नोट लिखा मिला है। इस नोट में उसने लिखा हे कि उसका नीट का एग्जाम खराब हुआ है। उसके अच्छे अंक नहीं आएंगे। पापा को क्या जवाब दूंगा। थानाधिकारी ने कहा कि उन्हें कुछ सुराग हाथ लगे हैं, छात्र को जल्द खोज लिया जाएगा।

**इस साल बढ़े कोचिंग स्टूडेंट के लापता होने के केस**

बता दें कि पिछले साल के मुकाबले साल 2024 में स्टूडेंट्स सुसाइड मामलों में कमी आई है। लेकिन, कोचिंग स्टूडेंट के लापता होने के केस लगातार बढ़ रहे है। बच्चे अपने माता-पिता, हॉस्टल प्रबंधन या कोचिंग इंस्टीट्यूट में किसी को भी बताए बिना लापता हो रहे हैं। खास बात ये है कि कई केस तो ऐसे हैं, जब स्टूडेंट्स ने सुसाइड नोट छोड़ा और फिर लापता हो गए।

हाल ही में 9 मई को भी गंगापुर सिटी जिले के बामनवास निवासी छात्र राजेंद्र मीणा गायब हो गया था। कोटा में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी की तैयारी कर रहे छात्र ने पहले अपने परिजनों को फोन पर मैसेज किया कि वह घर छोड़कर जा रहा है, आगे की पढ़ाई उससे नहीं हो पाएगी। इसके बाद वह लापता हो गया था।

## मौसम अलर्ट

### दो दिन आंधी और बारिश की चेतावनी

अलवर, 13 मई (एजेंसियां)। मौसम में बदलाव का दौर जारी है। बादलों और सूरज के बीच लुकाछिपी का खेल चल रहा है। हालांकि गर्मी के तेवर बरकरार हैं। मौसम विभाग ने एक बार फिर अंधड़ और बारिश की चेतावनी दी है। अगले 48 घंटे में जिले में कुछ जगहों पर मौसम में यह बदलाव देखने को मिल सकता है। शहर में भी गर्मी का असर तेज रहा। दिन में चिलचिलाती धूप ने लोगों को पसीने छुड़ाए। हालांकि बादलवाही भी देखने को मिली। शाम को भी गर्म हवा का असर रहा। अलवर जिले का अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज किया गया। आगामी दिनों में रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है। आगामी 72 घंटों में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री बढ़ोतरी होने तथा 15 मई को पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री से. के आसपास दर्ज होने की संभावना है। 16 मई से राज्य में एक और नया हीट वेव का दौर शुरू होने की प्रबल संभावना है।

# डीजल भरवाकर भागा स्कॉर्पियो सवार बदमाश

## रोकने के प्रयास में सेल्समैन की मौत

अजमेर, 13 मई (एजेंसियां)। सेल्समैन की मौत के बाद पंप पर बड़ी संख्या में मृतक के परिजन और परिचित एकजुट हुए। लोगों हंगामा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने जल्द ही गिरफ्तारी का अश्वासन देकर मामला शांत कराया। पाली में पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाकर बिना पैसे दिए भाग रहे स्कॉर्पियो सवारों को रोकने के प्रयास में सेल्समैन की जान चली गई। स्कॉर्पियो को रोकने के लिए सेल्समैन ने प्रयास किया। हादसे में वो बुरी तरह घायल हो गया। उसे जोधपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पंप पर बड़ी संख्या में मृतक के परिजन और परिचित एकजुट हो गए। सदर थाना प्रभारी अनिल कुमार के अनुसार बीती रात पुनायता बाईपास के पेट्रोल पंप पर बिना नम्बर की सफेद स्कॉर्पियो आई। यहां पर स्कॉर्पियो चालक ने पंप पर नियुक्त कर्मचारी विशाल पुत्र कानाराम से तीन हजार रुपये का डीजल भरवाया। इसके बाद चालक बिना पैसे दिए गाड़ी लेकर भागने लगा। तभी विशाल कार के पीछे दौड़ा और खिड़की पर लटक गया।

ये देख स्कॉर्पियो सवार बदमाश गाड़ी तेजी से भगाने लगा। इस दौरान विशाल का हाथ फिसला और वो सिर के बल गिर गया। वहीं दूसरी ओर परिजनों ने आरोप लगाया है कि कार सवारों ने लोगों ने उसे धक्का देकर गिराया है। इस घटना के बाद घायल विशाल को बांगड़ अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसको जोधपुर रेफर कर दिया गया। वहां देर रात उपचार के दौरान विशाल की मौत हो गई। युवक की मौत जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में मृतक के परिजन और परिचित पेट्रोल पंप पर जुट गए। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ़ हत्या की धारा में मामला दर्ज कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। वहीं घटना को लेकर कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने एसपी चूनाराम जाट से बात की।

# आसिफाबाद में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ

आसिफाबाद 13 मई ( स्वतंत्र वार्ता): आसिफाबाद जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच खुशनुमा मौसम में चौथे चरण का लोक सभा चुनाव छिटपुट घटनाओं को अपवाद में रख सोमवार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। मतदान का शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न करवाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों का वाहन अल सुबह से ही सड़कों पर दौड़ने लगी। औसत सभी केंद्र पर 10 से 20 मिनट देरी से मतदान शुरू हुआ। तब तक में मतदान केंद्रों पर महिला एवं पुरुषों की दो अलग-अलग लंबी कतार लग गई जो अपराह्न तक यथावत रही। केंद्र पर पुरुष मतदाता के अपेक्षा महिला मतदाताओं की कतार लंबी देखी गई। मौसम खुशनुमा हो जाने से मतदाताओं की लंबी कतार खुले आकाश में रहने के बावजूद उनके उत्साह में कोई कमी नहीं ला सकी। इस चुनाव में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आसिफाबाद जिला में आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र मे 22%208 मतदाताओं में से 152%06 मतदाताओं ने मतदान किया। सिरपुर विधानसभा क्षेत्र में 229101 मतदाताओं में से 15698 मतदाताओं ने मतदान किया। आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र में 6%.21 प्रतिशत मतदान हुआ और सिरपुर विधानसभा क्षेत्र में 68.14% मतदान हुआ। आसिफाबाद जिला नक्सलवादी प्रांतीय होने के कारण मतदान का समय शाम 4:00 बजे तक का ही था। शाम 4:00 के बाद मतदान केंद्र के दरवाजे अधिकारियों ने बंद किए। धूप अधिक होने के कारण कई लोग शाम 4:00 के बाद मतदान करने के लिए आए लेकिन मतदान का समय पूरा होने के कारण उनका मतदान केंद्र के अंदर भीतर आने से अधिकारियों ने रोका और कई मतदाता मायूस होकर वापस चले गए। आसिफाबाद जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, आसिफाबाद जिला एसपी के सुरेश कुमार ने भी मतदान केंद्र में लाइन में खड़े होकर मतदान किया।

## सीबीएसई 10वीं कक्षा के नतीजों में भी चमका तेलंगाना

**99.55 उत्तीर्ण प्रतिशत**

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को घोषित सीबीएसई माध्यमिक विद्यालय परीक्षा (दसवीं कक्षा) के नतीजों में भी, तेलंगाना ने उत्तीर्ण प्रतिशत के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में जगह बनाते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। तमिलनाडु 99.84 पास प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है, पुडुचेरी 99.81 के साथ, केरल 99.79 के साथ, आंध्र प्रदेश 99.66 के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि तेलंगाना 99.55 पास प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर है। सीबीएसई दसवीं कक्षा के लिए 25,010 लड़कों और 20,659 लड़कियों सहित कुल 45,669 छात्र उपस्थित हुए, जिनमें से 24,881 लड़के और 20,584 लड़कियां परीक्षा में उत्तीर्ण हुईं। पास प्रतिशत के मामले में लड़कों ने 99.48 और लड़कियों ने 99.64 अंक हासिल किए।

## तेलंगाना में मतदान शांतिपूर्ण रहा : डीजीपी

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में मतदान प्रक्रिया पूरे राज्य में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। डीजीपी रवि गुप्ता, एडिशनल डीजीपी महेश एम भागवत, संजय कुमार जैन ने डीजीपी कार्यालय में नियंत्रण केंद्र की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की, जहां लाइव वीडियो उपलब्ध हैं। विशेष रूप से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मतदान शाम 4:00 बजे तक बिना किसी घटना के संपन्न हो गया। डीजीपी ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी, जिसके परिणामस्वरूप एक घटना मुक्त चुनाव हुआ। आज तक कुल नकद 98.82 करोड़, शराब 10.81 करोड़, नशीला पदार्थ 7.11 करोड़,धातु 62.77 करोड़, मुफ्त उपहार 11.65 करोड़ जब्त किया गया। कुल 191.16 करोड़ रुपये कीमत है।

# तीन गांवों के निवासियों ने किया मतदान का बहिष्कार

आदिलाबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तीन गांवों के निवासियों ने सड़क और बिजली आपूर्ति सहित सुविधाओं की मांग को लेकर सोमवार को मतदान का बहिष्कार किया और विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों के हस्तक्षेप और समाधान का आश्वासन देने के बाद ही विरोध प्रदर्शन वापस लिया गया और वोट डाले गए। बजरहथनूर मंडल के सुदूर मनकापुर गांव में ग्रामीण गांव तक सड़क की मांग को लेकर मतदान से दूर रहे। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों द्वारा समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिए जाने के बाद उन्होंने विरोध वापस ले लिया।

आंतरिक गांव के निवासी गोल्लूर अर्जुन ने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता चुनौती का समाधान करने का वादा करेंगे, लेकिन जब उनकी पार्टियां सत्ता में आ जाएंगी तो वे इसे भूल जाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, वे मतदान में भाग नहीं लेंगे। उन्हें अफसोस है कि उन्हें पड़ोसी गांवों तक पहुंचने के लिए बैलगाड़ी से यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

विरोध के बाद दोपहर तक गांव में वोट नहीं पड़े। स्थानीय एमआरओ द्वारा ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करने और इसे जल्द से जल्द आईटीडीए-उटनूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता के ध्यान में लाकर समस्या का समाधान करने का वादा करने के बाद ही वे वोट डालने के लिए आगे आए। इसी तरह, इकोडा मंडल के बाबजीपेट गांव में सड़क सुविधा और तीन चरण की बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर निवासी दोपहर तक मतदान से दूर रहे।

कलेक्टर राजर्षि शाह द्वारा जल्द ही संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके चुनौतियों का समाधान करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन देने के बाद उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर मंडल के जगन्नाथपुर गांव के बोरीगांव टोले में सड़क सुविधा की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए मतदान में हिस्सा नहीं लिया। प्रभारी मंत्री सीताक्का और भाजपा के स्थानीय नेताओं द्वारा चुनाव के बाद सड़क बनाने का आश्वासन देने के बाद उन्होंने अपना विरोध वापस ले लिया।

पवन भुवानिया एवम सुमन भुवानिया ने मतदान किया।

मैने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव चिन्ह दिखाते हुए महावीर प्रसाद अग्रवाल, रेखा अग्रवाल।

आम चुनाव 2024 में अपने मताधिकार कप प्रयोग करने के बाद महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग एवं श्रीमती संतोष बंग।

## चुनाव ड्यूटी के दौरान प्रिंसिपल की मौत

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्कूल के प्रिंसिपल की चुनाव ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। प्रिंसिपल एस नरसिम्हा को सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र के रेड हिल्स में बूथ संख्या 151 पर मतदान संबंधी कार्य के लिए नियुक्त किया गया था। सोमवार को उन्होंने बेचैनी की शिकायत की और मतदान केंद्र पर गिर पड़े। चिकित्सा सहायता की व्यवस्था होने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई।

## करीमनगर में ट्रांसजेडरों ने किया मतदान, कलेक्टर ने बढ़ाया उत्साह

करीमनगर, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आमतौर पर मतदान प्रक्रिया से दूर रहने वाले ट्रांसजेंडरों ने सोमवार को पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में हुए लोकसभा चुनाव में अपने मतों का प्रयोग किया। ट्रांसजेंडर पहले मतदान करने या यहां तक कि मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आते थे। इन्हें मतदान प्रक्रिया में शामिल करने के लिए चुनाव आयोग ने विशेष पहल की थी। मतदाता सूची में एक अलग कॉलम की व्यवस्था करने के अलावा, उन्हें अपने वोट के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। परिणामस्वरूप, 102 ट्रांसजेंडरों ने करीमनगर संसद क्षेत्र में अपना नाम दर्ज कराया, जबकि 103 ने पेद्दापल्ली में पंजीकरण कराया।

मतदान प्रक्रिया की जांच करते समय करीमनगर कलेक्टर पामेला सत्पथी ने सुभाषनगर सरकारी हाई स्कूल मतदान केंद्र पर कुछ ट्रांसजेंडरों से मुलाकात की और उनसे अन्य ट्रांसजेंडरों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने उनके साथ फोटो खींचवाकर उनका उत्साह भी बढ़ाया।

## आदिलाबाद में बारिश से मतदाता खुश, मतदान कर्मियों को असुविधा

आदिलाबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बारिश से चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे मतदाताओं को पिछले कुछ हफ्तों से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में तकनीकी खराबी आने की छिटपुट घटनाओं को छोड़कर, आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र में आम चुनाव सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। समाज के सभी वर्गों के मतदाता सुबह से ही लम्बी कतारों में लग गए और शाम तक सक्रिय रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। हल्की से मध्यम बारिश के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट के कारण भीषण गर्मी की स्थिति कम हो गई, इस खंड में शाम 5 बजे तक 69.81 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 में 75.34 प्रतिशत मतदान हुआ था। 77 नंबर मतदान केंद्र पर एक ईवीएम में खराबी आ गई।

## कोत्तागुडेम में कुछ स्थानों पर मतदान से दूर रहे ग्रामवासी, मतदान में हुई देरी

कोत्तागुडेम, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती खम्मम जिले में सोमवार को खम्मम और महबुबाबाद लोकसभा सीटों के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया और कुछ स्थानों पर ग्रामीणों द्वारा मतदान का बहिष्कार किए जाने के कारण अधिकारियों को मतदाताओं को वोट डालने के लिए मनाना पड़ा। कोत्तागुडेम जिले के येलांडु मंडल के लाचागुडेम में ग्रामीणों ने समस्याओं का समाधान करने में सरकार की विफलता के विरोध में चुनावों का बहिष्कार किया है।

विशेष उप कलेक्टर कसैया ने ग्रामीणों के साथ बातचीत की और उन्हें मतदान करने के लिए राजी किया, जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला को सूचित किया। कलेक्टर के निर्देश पर, मधु कोठागुडेम विधानसभा क्षेत्र में लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल के रेगला गांव पहुंचे क्योंकि ग्रामीणों ने यह कहते हुए मतदान का बहिष्कार किया था कि कई बार नेताओं से गुहार लगाने के बाद भी गांव की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ।

उन्होंने साइड नालियों के निर्माण, सड़कों की मरम्मत और पीने के पानी के लिए गांव में बोरिंग की मांग को लेकर कुछ देर तक धरना दिया। उन्होंने कुछ ग्रामीणों को पोडु पट्टों की कमी, पेंशन और राशन कार्ड जारी नहीं करने की भी शिकायत की। अधिकारियों द्वारा गांव की समस्या के समाधान के लिए कदम उठाने का वादा करने के बाद ग्रामीण वोट डालने के लिए राजी हुए।

इसी तरह खम्मम जिले के एनकूर मंडल के रायमदारम गांव में ग्रामीणों ने गांव में एनएसपी नहर पर पुल के निर्माण जैसे अपने मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए चुनावों का बहिष्कार किया है। उन्होंने शिकायत की कि राजनीतिक दलों के नेता पिछले 40 वर्षों से उनकी समस्या का समाधान करने में विफल रहे हैं। जिला कलेक्टर वीपी गौतम के निर्देश के बाद चुनाव और मतदान अधिकारियों ने गांव का दौरा

## कांग्रेस ने बीजेपी, बीआरएस नेताओं के खिलाफ सीईओ से की शिकायत

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस ने भाजपा उम्मीदवारों और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज के पास शिकायत दर्ज कराई और उनसे उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने कहा कि भाजपा मलकाजगिरी के उम्मीदवार इटेला राजेंदर ने निर्वाचन क्षेत्र के गुड्डूर गांव में अपना वोट डाला। उन्होंने तब मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था कि मोदी फिर से सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव संहिता के खिलाफ है और उन्होंने सीईओ से भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ मामला दर्ज करने को कहा। इसी तरह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सिकंदराबाद के उम्मीदवार जी किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र के बरकतपुरा में अपना वोट डालने के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिया, जो चुनाव संहिता का उल्लंघन भी था। कांग्रेस ने भी रामा राव की शिकायत करते हुए कहा कि सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नंदी हिल्स में अपना वोट डालने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की और कहा कि उन्होंने अपना वोट उस पार्टी के पक्ष में डाला जो तेलंगाना राज्य लेकर आई और उस नेता को वोट दिया। राज्य इसके अलावा मतदाताओं से इसी तरह वोट करने की अपील भी कर रहे हैं।

वरिष्ठ चिकित्सक व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. मोहन गुप्ता ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मतदान किया।

## नगरकर्नूल के मतदाताओं ने सुविधाओं की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगरकर्नूल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कुछ बूथों पर मतदाताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति, सड़कों और खनन परमिट को खत्म करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। बालमुर मंडल के मायलाराम में मतदान केंद्र संख्या 179 पर मतदाताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और मतदान से परहेज किया। सरकार से क्षेत्र में खनन गतिविधि बंद करने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की जाती तब तक कोई मतदान नहीं होगा।

अधिकारियों द्वारा मतदाताओं को समझाने की कोशिश के बावजूद वे नहीं माने। मतदाताओं के मतदान से दूर रहने के कारण मतदान कर्मियों और एजेंटों को लगभग पूरे दिन खाली बैठना पड़ा। खबरों के मुताबिक, आखिरी रिपोर्ट आने तक बूथ पर मुश्किल से पांच से 10 वोट ही पड़े थे।

इसी तरह, कोल्लापुर मंडल के अंतर्गत अमरगिरि चेंचुगुडेम में चेंचू कॉलोनी के मतदाताओं ने बिजली आपूर्ति, सड़क संपर्क और अन्य सुविधाओं की कमी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

मतदान कर चुनाव चिन्ह दिखाते हुए व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए. गौतम जैन व अन्य।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल अपनी पत्नी संतोष अग्रवाल, पुत्र रामा अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, पुत्रवधु पिंकी अग्रवाल, सारिका अग्रवाल के साथ मतदान किया

## कांग्रेस पर लगा बूथ कैप्चरिंग का आरोप

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान नलगोंडा संसदीय क्षेत्र के 13 संवेदनशील गांवों में कांग्रेस पर बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया और इसकी शिकायत भारत चुनाव आयोग (ईसीआई) में दर्ज कराई। पार्टी ने आशंका जताई कि सत्तारूढ़ कांग्रेस अपने पद का दुरूपयोग करके और आधिकारिक मशीनरी को प्रभावित करके इन गांवों में बूथ कैप्चरिंग का सहारा ले सकती है।

ईसीआई को दी गई शिकायत में बीआरएस महासचिव सोमा भरत कुमार ने कहा कि पार्टी को अपने स्थानीय नेताओं से जानकारी मिली है कि सोमवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस के समर्थकों द्वारा ईवीएम पर नियंत्रण करने और बूथों में धांधली करने की धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि आशंका है कि नलगोंडा संसदीय क्षेत्र के चिंतालपालेम मंडल के थम्मारम, शोभनाद्रीगुडेम, नक्कागुडेम और पिक्कलनायक थांडा गांवों के मतदान केंद्रों पर कांग्रेस समर्थकों द्वारा कब्जा किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में अपनी स्थिति का फायदा उठा रही है और कई गांवों में मतदाताओं को उसे वोट देने के लिए डरा रही है।

## हज यात्रा से पहले तीर्थ यात्रियों ने डाले वोट

**तेलंगाना में मतदान के बाद हज यात्रा शुरू**

जेद्दा, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई हज यात्रियों ने तीर्थयात्रा पर सऊदी अरब के लिए प्रस्थान करने से पहले सोमवार को अपना वोट डालने का फैसला किया। दूर-दराज के इलाकों से कई लोगों को हैदराबाद की यात्रा करने और आव्रजन सुविधाओं को पूरा करने में समय की कमी के कारण दुविधा का सामना करना पड़ा। सोमवार को हैदराबाद से मदीना के लिए 3 चार्टर्ड उड़ानें निर्धारित की गईं और राज्य के विभिन्न हिस्सों से तीर्थयात्रियों को यात्रा के लिए निर्धारित किया गया। तीर्थयात्रियों को अपनी निर्धारित उड़ान से 8 घंटे पहले रिपोर्ट करना आवश्यक है।

## मतदान करना सभी लोगों की जिम्मेदारी : कलेक्टर

निर्मल, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर ने निर्मल शहर के जेडडीपी कार्यालय में 237-मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और उन्होंने ने कहा कि मतदान करना सभी लोगों की जिम्मेदारी है। बाद में उन्होंने निर्मल शहर के ईद गाम स्थित सरकारी हाई स्कूल में बनाए गये मतदान केंद्र संख्या 252 25 का दौरा किया। इस मौके पर कलेक्टर ने वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और मतदान कर्मियों से संबंधित बातों की जानकारी ली। वहां मतदाताओं के लिए की गई सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। बाद में, उन्होंने निर्मल मंडल में सिद्धूपुर सरकारी स्कूल के मतदान केंद्र संख्या 253 का दौरा किया। वहां मतदान व्यवस्था की जांच की गई। कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी में सतर्क रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पिरजादीगुडा स्थित समस्त राजपुरोहित समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओफ्ल के सानिध्य में राजपुरोहित समाज के अराध्य ब्रह्मलीन गुरुदेव श्री खेतारामजी महाराज की 40वीं पुण्यतिथि पर आयोजित जागरण, पुजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थी बिंजराजसिंह, प्रवीणसिंह, हनुमानसिंह गुन्देचा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

तेलंगाना राज्य बजरंगसेना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने वोट डालकर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग किया।

# 20 छक्के लगाए, 81 बॉल में ठोके 182 रन

## जो विराट पूरे करियर में ना कर पाए वो रजत पाटीदार ने कर दिखाया

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अब रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन लग रहा है. आईपीएल 2024 में बेहद ही खराब शुरुआत करने वाली आरसीबी अब जीत के रथ पर सवार हो चुकी है. इस टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को भी हरा दिया. आरसीबी की ये लगातार पांचवीं जीत है और इस सीजन लगातार पांच जीत हासिल करने वाली वो पहली टीम बन गई है. आरसीबी की इस कामयाबी में विराट कोहली का बहुत बड़ा हाथ है. वो हर मैच में कमाल की बैटिंग कर रहे हैं. विराट के बल्ले से 661 रन निकल चुके हैं. लेकिन आपको बता दें विराट के साथ-साथ रजत पाटीदार भी वो खिलाड़ी हैं जिन्होंने आरसीबी को लगातार पांच मैच जिताने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. उन्होंने तो

इस सीजन वो कारनामा कर दिखाया है जो विराट पूरे आईपीएल करियर में ना कर पाए.

**रजत नहीं सोना हैं पाटीदार!**

रजत पाटीदार कैसे विराट कोहली से बहुत आगे निकल गए है ये आपको आगे बताएंगे लेकिन पहले जानिए कि दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने किस कदर विरोधी गेंदबाजों की धुनाई की है. रजत पाटीदार ने इस सीजन पांच अर्धशतक लगाए हैं और ये सभी अर्धशतक 30 से कम गेंदों पर लगे हैं. रजत पाटीदार ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 19 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी. पंजाब किंग्स, केकेआर के खिलाफ उनके बल्ले से 21-21 गेंदों में हाफसेंचुरी निकली. मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने 26 गेंदों में पचासा जड़ा और दिल्ली के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 29 गेंदों में अर्धशतक जमाया.

**स्पिनर्स का काल हैं रजत**

रजत पाटीदार ने इस सीजन स्पिनर्स को बहुत ही बुरी तरह पीटा है. वो फिरकी के फनकारों के खिलाफ इतने विध्वंसक साबित हुए हैं कि इस मामले में विराट कोहली उनके आगे कहीं आसपास नहीं ठहरते हैं. रजत ने इस सीजन स्पिन बॉलर्स की 81 गेंदों का सामना किया है जिसमें उनके बल्ले से 182 रन निकल चुके हैं. रजत के बल्ले से 20 छक्के निकले हैं और उन्होंने इस दौरान पांच चौके जड़े हैं.रजत पाटीदार का स्पिनर्स के खिलाफ 91 का औसत है और उनका स्ट्राइक रेट 224 से ज्यादा का है.

अब अगर विराट कोहली की बात की जाए तो ये दिग्गज खिलाड़ी हमेशा स्पिनर्स के आगे फंसता नजर आता है. हालांकि इस सीजन ये खिलाड़ी स्पिनर्स के खिलाफ लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 261 रन बना चुका है जिसमें 13 छक्के शामिल हैं. पिछले चार सीजंस की बात करें तो विराट ने 2023 में स्पिनर्स के खिलाफ 113 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे. 2022 में ये स्ट्राइक रेट 108 था. 2021 में 100 और 2020 में उनका स्पिनर्स के खिलाफ स्ट्राइक रेट महज 108 था. विराट कोहली जैसे बल्लेबाज जब स्पिनर्स के आगे इस तरह फंसते हैं तो आप अंदाजा लगाइए कि रजत पाटीदार किस लेवल की बैटिंग कर रहे हैं. साफ है आरसीबी को विराट कोहली के बाद एक क्लास और टेक्निकली साउंड बल्लेबाज मिल चुका है. अगले सीजन से पहले अगर रजत पाटीदार को आरसीबी रीटेन करती नजर आए तो आप चौंकिएगा नहीं.

# निशानेबाजी में ईशा और अनीष का जलवा बरकरार

## ओलंपिक चयन ट्रायल में दर्ज की दूसरी जीत

भोपाल, 13 मई (एजेंसियां)। महिला 25 मीटर पिस्टल और पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल के ट्रायल जीतकर ओलंपिक चयन ट्रायल में दूसरी जीत दर्ज की। अनीष ने दिल्ली में इसी स्पर्धा का पहला ट्रायल जीता था, जबकि ईशा ने भी दिल्ली में कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल के दूसरे ट्रायल में जीत दर्ज की थी।

मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी (एमपीएसएसए) रेंज में ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल ट्रायल में पहली जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में 43 अंक जुटाए। उनका स्कोर इसी महीने बाकू विश्वकप में कोरिया की किम येजी के विश्व रिकॉर्ड स्कोर से एक अंक अधिक है।

पुरुष रेपिड फायर पिस्टल फाइनल में अनीष ने दबदबा

बनाया। उन्होंने पांच निशानों की शुरुआती तीन सीरीज में सभी सटीक निशाने लगाए। उन्होंने 36 अंक के साथ खिताब जीता। विजयवीर सिद्धू 31 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि अंकुर गोयल ने 19 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

आदर्श सिंह और भावेश शेखावत क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। ये सभी 10 निशानेबाज सोमवार को ओलंपिक चयन ट्रायल के चौथे और अंतिम ट्रायल में हिस्सा लेंगे। शुरुआती टीम ट्रायल के बाद महिला स्पोर्ट पिस्टल में मुन ने ईशा पर बढ़त बना रखी है जबकि पुरुष रेपिड फायर पिस्टल में अनीष दूसरे स्थान पर चल रहे विजयवीर से काफी आगे हैं।

# बजरंग का एक्सपायरी किट से सैंपल लेने पहुंचे डीसीओ को हटाया

## नाडा ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग का एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने पहुंचे डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को हटा दिया गया है। नाडा ने डीसीओ के खिलाफ कार्रवाई मामले की प्रारंभिक जांच के बाद की है। वहीं ट्रायल में सैंपल नहीं दिए जाने के आरोप में अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किए गए बजरंग ने नाडा को नोटिस का जवाब दे दिया है। उन्होंने इस मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है।

अपने पास से पुरानी किट ले गया डीसीओ

जांच में पाया गया कि 13 दिसंबर, 2023 को डीसीओ बजरंग के आवास पर सैंपल की किट नाडा ऑफिस से ले जाने की बजाय अपने पास से पुरानी किट ले गया था। सैंपल देने का समय सुबह आठ बजे था। बजरंग ने यूरिन सैंपल दे दिया था, लेकिन ब्लड सैंपल देने वाली किट एक्सपायरी थी, जिसे बजरंग सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नाडा पर एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने का आरोप लगाया था। इसके बाद 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान उन्होंने डोप सैंपल नहीं दिया। साथ ही एक्सपायरी किट का जवाब देने को कहा। नाडा ने उन्हें इसके बाद अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया।

जल्द होगी सुनवाई

बजरंग ने अस्थायी प्रतिबंध के नोटिस जवाब में कहा है कि वह इस मामले की जल्द से जल्द सुनवाई चाहते हैं। सूत्र बताते हैं कि उनकी सुनवाई अगले सप्ताह किसी भी दिन हो सकती है। अगर बजरंग सुनवाई के दौरान अपने को निर्दोष साबित नहीं कर पाए तो उन पर दो से चार वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है।

# मैं विराट कोहली की इज्जत करता हूं

## आयरलैंड को दूसरे टी20आई में हराने के बाद पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने ऐसा क्यों कहा ?

इस्लामाबाद, 13 मई (एजेंसियां)। चलो पाकिस्तान को जीत तो मिली. नहीं तो पहले टी20आई में आयरलैंड ने जिस तरह से हराया था, उसे देखकर लगा था कि कहीं दूसरे टी20 में भी उन्हें हार का सामना ना करना पड़े. कहीं उन्हें सीरीज ना गंवानी पड़ जाए. लेकिन, पाकिस्तान ने खुद को संभाल लिया. बाबर आजम के 4 गेंदों पर खाता नहीं खोलने के बाद भी वो आयरलैंड को हराने में कामयाब हुआ. पाकिस्तान की इस जीत के हीरो मोहम्मद रिजवान बने. अब सवाल ये है कि इन सबके बाद आयरलैंड में विराट कोहली का नाम क्यों गूंजा? क्यों रिजवान को आयरलैंड में ये कहना पड़ा कि वो विराट की इज्जत करते हैं? 12 मई को खेले सीरीज के दूसरे टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया. आयरलैंड पहले बल्लेबाजी पर उतरी और 20 ओवर में 7 विकेट पर 193 रन बना दिए.

पाकिस्तान के सामने 194 रन का लक्ष्य था, जो कि पिछले मैच में उनका खेल देखने के बाद थोड़ा मुश्किल लग रहा था लेकिन अंत में बाजी उनके नाम रही क्योंकि मोहम्मद रिजवान और फखर जमां क्रीज पर उतरकर जम गए. और, जो कसर बाकी रह गई, उसे आजम खान ने 10 गेंदों में पूरा कर दिया.

**रिजवान और फखर ने पाकिस्तान को संभाला**

सिर्फ 13 रन पर बाबर आजम और सायम अयूब का विकेट गंवाकर पाकिस्तान मुश्किल में दिख रहा था. लेकिन , उसके बाद मोहम्मद रिजवान ने पारी को संभाल लिया. उन्होंने फखर जमां के साथ मिलकर 140 रन की साझेदारी की. मोहम्मद रिजवान ने 46 गेंदों पर 163.04 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 75 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. वहीं फखर जमां ने सिर्फ 40 गेंदों में 6 छक्के और 6 चौके के साथ 78 रन बनाए. फखर का स्ट्राइक रेट 195 का रहा.

**आजम खान ने 10 गेंदों में लिखा मैच का अंजाम**

पाकिस्तान का स्कोर 153 रन था जब फखर जमां का विकेट गिरा था. पारी का 15वां ओवर चल रहा था और लक्ष्य अभी भी 41 रन दूर था. ऐसे में नए बल्लेबाज के तौर पर मैदान में उतरे आजम खान ने सिर्फ 10 गेंदों में ही 300 की स्ट्राइक रेट से 30 रन जड़ दिए और टीम 19 गेंद पहले ही पाकिस्तान की टीम जीत गई.

**आयरलैंड को हराकर रिजवान ने क्यों की विराट कोहली की बात?**

आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल में मिली जीत में मोहम्मद रिजवान प्लेयर ऑफ द मैच बने. इस अवॉर्ड को लेने के बाद उन्होंने विराट कोहली की बात की. दरअसल, T20 इंटरनेशनल में सिर्फ विराट और रिजवान का ही बैटिंग औसत 50 से ऊपर है. इसी से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए रिजवान ने कहा विराट अच्छे खिलाड़ी हैं. हमने उनसे काफी कुछ सीखा है. मैं उनकी बड़ी इज्जत करता हूं. उन्होंने कहा कि औसत देखने वाले खिलाड़ी औसत दर्जे के होते हैं. खिलाड़ी वो अच्छा है जो मैच के हालात और कंडीशन में ढलकर खेले, जैसे विराट कोहली खेलते हैं.

# भारत की दीक्षा ने रचा कीर्तिमान

## महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। भारतीय ट्रैक एथलीट के एम दीक्षा ने लॉस एंजिल्स में साउंड रनिंग ट्रैक महोत्सव में महिलाओं की 1500 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। वहीं, अविनाश साबले पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे। दीक्षा ने शनिवार को आयोजित प्रतियोगिता में 4 मिनट 4.78 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने हरमिलन बैंस का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2021 में वारंगल में राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4 मिनट 5.39 सेकंड के समय के साथ रिकॉर्ड बनाया था।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा के रहने वाली दीक्षा का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 मिनट 6.07 सेकंड था जो उन्होंने 2023 में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में हासिल किया था। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारूल चौधरी 15 मिनट 10.69 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही जबकि अंकिता ने इसी स्पर्धा में 15 मिनट 28.88 सेकंड का समय लेकर दसवां स्थान हासिल किया।

साबले ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 13 मिनट 20.37 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी गुलवीर सिंह ने 13 मिनट 31.95 सेकंड में दौड़ पूरी की। साबले का 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13 मिनट 19.30 सेकंड है। कार्तिक कुमार ने पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 28 मिनट 7.66 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

# कार्लसन ने जीता रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट

## प्रगनानंदा को चौथा स्थान, 10वें नंबर पर रहे गुकेश

वारसॉ, 13 मई (एजेंसियां)। मैग्नस कार्लसन ने सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। अंतिम दिन

कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से आठ अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

चीन के वेई यी अंतिम दिन 2.5 अंक की बढ़त के साथ उतरे थे, लेकिन अंतिम नौ बाजियों में पांच ही अंक जुटा सके और दूसरे स्थान पर रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन ने अंतिम दिन सात बाजी जीती और दो ड्रॉ की। उन्होंने कुल 26 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वेई उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे।

पोलैंड के डुडा यान क्रिस्टोफ ने 19.5 अंक के साथ तीसरा, जबकि प्रगनानंदा ने 19 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। भारत के अर्जुन एरिगेसी 18 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने 17.5 अंक के साथ छठा, जबकि किरिल शेवचेनकोव ने 17 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

भारत के ही अनीष गिरी 14 अंक के आथ आठवें स्थान पर रहे। जर्मनी के विन्सेंट केमेर उनसे आधा अंक पीछे नौवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के सबसे युवा चैलेंजर भारत के स्टार चेज खिलाड़ी डी गुकेश ने 12.5 अंक के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

# क्वालीफाइंग नहीं, सीधे फेड कप फाइनल में खेलेंगे नीरज और किशोर

भुवनेश्वर, 13 मई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को भुवनेश्वर में 15 मई को होने वाले फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है। नीरज और किशोर ने अपने करियर में कई बार 75 मीटर का न्यूनतम क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया है, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश देने का फैसला किया गया है।

दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे नीरज

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज ने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और वह 88.38 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। नीरज महज दो सेंटीमीटर से शीर्ष

स्थान हासिल करने से चूक गए थे। हालांकि एशियाई खेलों के रजत विजेता जेना का डायमंड लीग में पदार्पण निराशाजनक रहा था क्योंकि वह 76.31 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 में छठे स्थान पर रहे डीपी मनु की नजरें 85.50 मीटर के स्तर को पार करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी होंगी और वह भी सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे नीरज

नीरज चोपड़ा तीन साल में पहली बार भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने बताया कि 26 वर्षीय नीरज इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। नीरज ने 2022 और 2023 में किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि वह विदेश में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह पिछली बार घरेलू टूर्नामेंट में मार्च 2021 में फेडरेशन कप में खेले थे। पता चला है कि नीरज दोहा से भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन वह मंगलवार को भुवनेश्वर पहुंचेंगे। एएफआई चाहता था कि नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद और पेरिस खेलों से पहले एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लें।

**नौ एथलीटों को सीधे फाइनल्स में मिला प्रवेश**

भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने एएफआई के क्वालीफिकेशन नियमों का हवाला देते हुए कहा, वे सभी जो 75 मीटर के स्तर को पार कर चुके हैं, वे मंगलवार को क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। जिन लोगों ने प्रविष्टियां दी हैं उनमें नीरज और जेना सहित ऐसा करने वाले नौ खिलाड़ी हैं। वे सीधे बुधवार को फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। 75 मीटर से कम थ्रो करने वाले बाकी खिलाड़ी क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा करेंगे और शीर्ष तीन खिलाड़ी फाइनल में 75 मीटर से ऊपर भाला फेंकने वाले नौ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्ध करेंगे।

# फ़ुटबॉल: एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे बोले

## गुजरात खेल में पेशेवर रूप से आगे बढ़ाने के लिए केंद्र के रूप में उभरा

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि गुजरात अपने बुनियादी ढांचे और खेल समर्थक नीति के साथ युवा खिलाड़ियों के लिए खेलों से जुड़ने, प्रगति करने और आगे बढ़ने के लिए केंद्र के रूप में आमने आया है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के संयुक्त सचिव की भी भूमिका निभाने वाले चौबे पहली गुजरात सुपर लीग (जीएसएल) के समापन दिवस पर बोल रहे थे।

इस लीग के सभी मैचों की फीफा प्लस पर 'लाइव स्ट्रीम' की गई।

चौबे ने कहा, '2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'खेल महाकुंभ' जैसा एक छोटा सा कदम उठाया जिसने ना केवल लाखों युवाओं को खेलों में अवसर दिया बल्कि उसी पहल ने 'खेलो इंडिया' के विचार को जन्म दिया जो खेल में महाशक्ति बनने का मार्ग है।'

उन्होंने कहा, '2014 में प्रधान मंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने इस विचार को देश तक पहुंचाया। एक दशक में खेलो इंडिया ने देश के लिए असंख्य खिलाड़ी तैयार किए हैं। हम सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के प्रदर्शन को देख सकते हैं।'

# माधवी लता ने मुस्लिम वोटर का बुर्का हटवाया

## वोटर आईडी लेकर चेहरा मिलाया, ओवैसी के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद से एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ चुनाव लड़ रहीं भाजपा कैंडिडेट माधवी लता विवादों में घिर गई हैं। माधवी ने हैदराबाद के एक बूथ पर कुछ मुस्लिम महिला वोटर्स के आईडी मांगे। उनके चेहरे से बुर्का हटवाया और आईडी से मिलान की। इस पर विवाद छिड़ गया है।

घटना का वीडियो सामने आने के बाद माधवी लता के खिलाफ हैदराबाद के मलकपेट पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले पर हैदराबाद कलेक्टर ने कहा है कि माधवी लता के खिलाफ धारा 171सी, 186, 505(1)(सी) और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 132 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

माधवी लता ने कहा, मैं एक उम्मीदवार हूं। कानून के अनुसार उम्मीदवार को फेसमास्क के बिना आईडी कार्ड की जांच करने का अधिकार है। मैं एक पुरुष नहीं हूं, मैं एक महिला हूं और बहुत विनम्रता के साथ, मैंने उनसे केवल अनुरोध किया है। अगर कोई इसे बड़ा मुद्दा बनाना चाहता है, तो इसका मतलब है कि वे डरे हुए हैं।

**मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया :**

इससे पहले माधवी लता हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र के आजमपुर में मतदान केंद्र संख्या 122 के दौरे पर पहुंची थीं। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा था कि कई मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां वरिष्ठ नागरिक मतदाता तो आ रहे हैं, लेकिन उनका नाम सूची से हटा दिया गया है। उनमें से कुछ गोशामहल के निवासी हैं, लेकिन उनके नाम रंगारेड्डी की सूची में जोड़ दिए गए हैं।

## मुस्लिम महिलाओं के चेहरे की जांच करने के लिए माधवी लता के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुस्लिम महिलाओं के चेहरे की जांच करने के लिए हैदराबाद से भाजपा सांसद उम्मीदवार माधवी लता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

लोकसभा चुनाव के तहत, भाजपा उम्मीदवार ने सोमवार को पुराने शहर के एक मतदान केंद्र का दौरा किया और कम से कम दो महिलाओं से उनके पहचान पत्र में उनके चेहरे से मिलान करने के लिए बुर्का उठाने को कहा।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया है और कई लोगों ने चुनाव संहिता के उल्लंघन के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रॉस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी किए। निर्देशों का पालन करते हुए, मलकपेट पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 171सी, 186, 505(10)(सी) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 132 के तहत मामला दर्ज किया गया। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत, हैदराबाद से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र में मतदान प्रक्रिया की जांच की। बूथ पर बैठी महिला मुस्लिम मतदाताओं से बुर्का हटाने को कहा गया और मतदाता पहचान-पत्रों का सत्यापन किया गया। यह सत्यापन शहर के आजमपुर इलाके के मतदान केंद्र संख्या 122 पर किया गया। घटना से नाराज एआईएमआईएम नेताओं ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए माधवी लता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। निर्देश के बाद भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस बीच माधवी लता ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए कहा कि कानून के मुताबिक उम्मीदवार को बिना मास्क के मतदाता पहचान-पत्र जांचने का अधिकार है। उन्होंने कहा, मैं पुरुष नहीं, बल्कि महिला हूं। इसलिए मैं उनसे बहुत विनम्रता से अनुरोध करती हूं। अगर कोई इसे बड़ा मुद्दा बनाना चाहता है, तो यह समझ में आता है कि वे डरे हुए हैं। हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र से माधवी लता का मुकाबला चार बार के लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और बीआरएस के गद्दाम श्रीनिवास यादव के रूप में एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी से है। यह पहली बार है जब भाजपा ने हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र से किसी महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। असदुद्दीन 2004 से हैदराबाद से निर्वाचित प्रतिनिधि हैं।

**पुलिस पर हमले का मामला**

# टीडीपी के चंद्रबाबू नायुडू और नक्का की बढ़ी मुश्किलें

## हाईकोर्ट का केस रद्द करने से इनकार

औरंगाबाद, 13 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू और टीडीपी नेता नक्का आनंद बाबू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने नायुडू और बाबू के खिलाफ महाराष्ट्र में 2010 में पुलिसकर्मियों पर कथित रूप से हमला करने के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है।

न्यायमूर्ति मंगेश पाटिल और न्यायमूर्ति शैलेश ब्रह्मे की खंडपीठ ने 10 मई को अपने फैसले में कहा कि कथित अपराध में नायुडू और बाबू की संलिप्तता को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त सबूत है। इस बात को लेकर अदालत को कोई संदेह नहीं है। अदालत ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख नायुडू और बाबू द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में धर्माबाद पुलिस में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की गई थी।

बता दें, प्राथमिकी एक लोक सेवक के खिलाफ हमला करने या आपराधिक बल का उपयोग करने, खतरनाक हथियारों से नुकसान पहुंचाने, दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वाले जल्दबाजी के कामों, शांति भंग करने और आपराधिक धमकी को भड़काने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने के आरोपों में दर्ज की गई थी।

**अदालत ने कहा- पर्याप्त सबूत**

पीठ ने अपने आदेश में कहा कि उसे इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि इस मामले में दोनों आवेदकों (नायुडू और बाबू) की संलिप्तता का खुलासा करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि प्राथमिकी में स्पष्ट रूप से नायुडू पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने साथी कैदियों को उकसाया और यहां तक कि दोनों राज्यों के बीच लड़ाई होने की धमकी भी दी।

पीठ ने कहा कि गवाहों ने अपने बयानों में अपराध में नायुडू और बाबू की भूमिका होने की बात कही है और चिकित्सा प्रमाणपत्रों से पता चलता है कि कई पुलिस अधिकारियों को चोटें आई थीं। इससे साफ है कि पुलिसकर्मियों पर हमला करने के साझा इरादे से अपराध को अंजाम दिया गया।

इसमें कहा गया है कि प्राथमिकी तुरंत दर्ज की गई और यहां तक कि घायल पुलिसकर्मियों की भी तुरंत चिकित्सा जांच की गई। पीठ ने दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया, लेकिन दोनों के वकील सिद्धार्थ लूथरा के अनुरोध पर पूर्व में दी गई अंतरिम सुरक्षा को आठ जुलाई तक बढ़ा दिया।

**क्या है मामला :**

तेलंगाना के पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायुडू के खिलाफ वर्ष 2022 में हत्या के प्रयास और दंगा भड़काने के मामले में केस दर्ज किया गया था। मामला अन्नामय्या का है। जहां चंद्रबाबू नायुडू की पार्टी ओर से निकाली गई एक जनसंपर्क यात्रा के दौरान टीडीपी और वाईएसआरसीपी कार्यकर्ता के बीच झड़प हुई थी। इस घटना के बाद अन्नामय्या जिला पुलिस ने चंद्रबाबू नायुडू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

ये मामला वाईएसआरसीपी नेता उमापति रेड्डी ने मुदीवेदु पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने पुंगनूर में दंगों के पीछे एक साजिश का आरोप लगाया था। एफआईआर में चंद्रबाबू का नाम ए1 कर दिया गया है। ए2 के रूप में देवीनेनी उमा और ए3 के रूप में अमरनाथ रेड्डी के नाम जोड़े गए थे।

## सीपी ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त तरूण जोशी ने आज हो रहे लोकसभा चुनाव की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने महेश्वरम जोन, एलबीनगर जोन, मलकाजीगिरी जोन और भोनगिरी जोन के कई मतदान केंद्रों का दौरा किया और वहां चुनाव पैटर्न की जांच की। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया बिना किसी समस्या के शांतिपूर्वक चल रही है।

2500 अतिरिक्त केंद्रीय बलों के साथ राचकोंडा से संबंधित छह हजार पुलिसकर्मी संयुक्त रूप से सुरक्षा कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले से किये गये सुरक्षा उपायों के कारण सशस्त्र व्यवस्था के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं होती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया अकाउंट राचकोंडा आईटी सेल द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं और यदि कहीं कोई अप्रिय घटना हो रही है, तो इसे तुरंत उनके ध्यान में लाया जाना चाहिए। वोट देने का अधिकार रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति से आह्वान किया जाता है कि वे स्वेच्छा से आगे आएं और अपने वोट देने के अधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि वे चुनाव प्रक्रिया को बिना किसी परेशानी के निष्पक्ष रूप से संचालित करने के लिए चुनाव अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं। आयुक्त के साथ संबंधित क्षेत्रों के डीसीपी भी थे। यदाद्री भुवनगिरी के डीसीपी राजेश चंद्रा एलबी नगर के डीसीपी प्रवीण कुमार, मल्काजीगिरी के डीसीपी पद्मजा, महेश्वरम के डीसीपी सुनीता, एसीपी और अन्य अधिकारी साथ रहे।

## हैदराबाद मेट्रो क्या बिकने वाली है?

### एलएंडीटी कंपनी के प्रेसीडेंट ने कहा गंभीरता से विचार जारी

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। हैदराबाद मेट्रो क्या बिकने वाली है? इसके 90 प्रतिशत शेयर रखने वाली कंपनी एल एंड टी के प्रेसीडेंट आर शंकर रमण इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। एल एंड टी 2026 के बाद हैदराबाद मेट्रो प्रोजेक्ट को बेचने की प्लानिंग कर रही है। एल एंड टी को हैदराबाद मेट्रो प्रोजेक्ट 65 साल की लीज पर मिला था। देश में यह पहला मामला है कि कोई कंपनी मेट्रो प्रोजेक्ट को बेचने पर विचार कर रही है।

कंपनी के निदेशक आर शंकर रमण ने कहा कि एलएंडटी 2026 के बाद हैदराबाद मेट्रो परियोजना को बेचने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई मुफ्त बस योजना (महालक्ष्मी बस योजना) के कारण मेट्रो में यात्रियों की संख्या कम हो गई है। एक साक्षात्कार में एल एंड टी के प्रेसीडेंट और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) आर शंकर रमन ने कहा कि महिलाएं बसों में अधिक यात्रा कर रही हैं। हालांकि, सरकार ने बसों की संख्या में वृद्धि नहीं की है।

**क्या है महालक्ष्मी बस योजना :**

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव पिछले साल 30 नवंबर को हुआ था और नतीजे 3 दिसंबर को आए थे। इस विधानसभा चुनाव में पहली नजर में टक्कर के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी के बीच थी। कांग्रेस ने इस दौरान 6 लोक-लुभावन वादे अपने घोषणा-पत्र में किए। इसी में एक महालक्ष्मी बस योजना थी। इस योजना के तहत कांग्रेस ने वादा किया था कि तेलंगाना निवासी सभी आयु वर्ग की लड़कियां और महिलाएं और ट्रांसजेंडर व्यक्ति तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। वादों का ऐसा असर हुआ कि बीआरएस और भाजपा बेहद कम सीटों पर सिमट गए और राज्य में कांग्रेस की बड़े मार्जिन से सरकार बन गई।

**कितना हो रहा खर्च :**

कांग्रेस सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में नौ दिसंबर को अपनी शीर्ष नेता सोनिया गांधी के जन्मदिन के मौके पर महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के योजना की शुरूआत की। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना सरकार पर 3.14 लाख करोड़ का कर्ज है। तेलंगाना सरकार को अपने 6 लोक-लुभावन वादे पूरे 70,000 करोड़ का खर्च वहन पड़ेगा।

**सोनिया गांधी ने आज भी की तारीफ :**

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के बीच सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी की ओर से 'महालक्ष्मी' योजना के रूप में दी गई गारंटी से देश की महिलाओं की जिंदगी बदलने में मदद मिलेगी। उन्होंने एक संदेश में यह भी कहा कि महिलाओं की मेहनत और तपस्या के साथ न्याय करने के लिए कांग्रेस ने यह क्रांतिकारी कदम उठाया है। सोनिया गांधी ने कहा, कर्नाटक और तेलंगाना में पहले ही हमारी गारंटियों ने करोड़ों परिवारों की जिंदगी बदल दी है। चाहे मनरेगा हो, सूचना का अधिकार हो, शिक्षा का अधिकार हो या भोजन सुरक्षा। हमारी योजनाओं से कांग्रेस पार्टी ने लाखों भारतीयों को ताकत दी है। 'महालक्ष्मी' योजना हमारे इस काम को आगे बढ़ाने की सबसे नई गारंटी है।

## दो दिनों में रिकॉर्ड 1.50 करोड़ लोगों ने बसों में यात्रा की : वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने आम चुनाव में मतदान के अपने अधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने सोमवार को अपने परिवार के सदस्यों के साथ कोंडापुर चिरक पब्लिक स्कूल के मतदान केंद्र पर वोट डाला। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री सज्जनार ने कहा कि भारत के संविधान ने सभी को जाति, धर्म और समुदाय की परवाह किए बिना समान रूप से वोट देने के अधिकार का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने निःस्वार्थ भाव से वोट का उपयोग करके सक्षम नेताओं को चुनने का आह्वान किया जो स्वतंत्र वातावरण में भविष्य का आश्वासन देता है। सभी मतदाताओं को संसदीय चुनाव में भाग लेना चाहिए और अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को मतदान को सामाजिक जिम्मेदारी समझकर संसदीय चुनाव के मतदान में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी ने मतदान के लिए अपने गृहनगर जाने वालों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि दो दिनों में रिकॉर्ड 1.50 करोड़ लोगों ने बसों में यात्रा की। उन्होंने कहा कि वापसी यात्रा के दौरान भी असुविधा से बचने के उपाय किये जा रहे हैं।

## चुनावी जांच के दौरान 23 करोड़ 87 लाख जब्त : रोनाल्ड रॉस

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में गठित विभिन्न प्रवर्तन टीमों द्वारा अब तक 23 करोड़ 87 लाख 06 हजार 012 रुपये नकद, 26,06,11,049 रुपये के अन्य सामान और 28,150.805 लीटर शराब जब्त की गई है। चुनाव आचार संहिता के कार्यान्वयन, चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा। उन्होंने कहा कि अवैध शराब पर कार्रवाई के तहत 380 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किये गये हैं और 383 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले 24 घंटे में दो लाख 70 हजार रुपये नकद, 2 लाख 98 हजार 132 रुपये का अन्य सामान और 434.84 लीटर शराब जब्त कर 26 मामले दर्ज किये गये हैं और 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नकदी एवं अन्य मदों के संबंध में 28 शिकायतें प्राप्त हुईं तथा 27 का परीक्षण एवं समाधान किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रॉस ने बताया कि मांडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस संदर्भ में अब तक अन्य पुलिस प्राधिकरण/आईटी विभाग द्वारा 6,05,28,955 रुपये नकद, 3,57,85,665 रुपये की अन्य वस्तुएं, 3,57,85,665 रुपये की अन्य वस्तुएं, 17,48,26,817 रुपये नकद, 21,71,03,004 रुपये मूल्य की अन्य वस्तुएं अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा जब्त की गईं। उन्होंने बताया कि 33,50,240 रुपये नकद और 77 लाख 22 हजार 380 रुपये मूल्य की अन्य वस्तुएं जब्त की गईं। चुनाव को लेकर अब तक 755 शिकायतें प्राप्त हुई हैं और सभी का समाधान कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 499 एफआईआर दर्ज की गई हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी रोनाल्ड रॉस ने बताया कि चुनाव में गड़बड़ी की 72 शिकायतें मिली हैं और सभी पर कार्रवाई की गयी है।

## वोट डालने के बाद 75 वर्षीय महिला की मौत

सिद्दीपेट, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वोट डालने वाली एक बुजुर्ग महिला, आई सरोजना (75) की सोमवार को चेरियाल शहर के बॉयज़ हाई स्कूल में मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। वह पेद्दम्मा गड्डा इलाके की रहने वाली थी और अपने परिवार के सदस्यों की मदद से चलकर मतदान केंद्र तक गई थी। वोट डालने के बाद उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की और गिर गईं, जिससे मतदान केंद्र पर मौजूद सभी लोग सदमे में आ गए। उसके परिवार के सदस्यों ने कहा कि उसने वोट डालने पर जोर दिया, हालांकि बहुत गर्मी थी। चेरियाल शहर जनगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जो भुवनागिरी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है।

## फिल्मी हस्तियां मतदान करने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचीं

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को फिल्म अभिनेता और अन्य हस्तियां हैदराबाद के विभिन्न मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए पहुंचीं। मेगा स्टार चिरंजीवी कोनिडेला और उनके परिवार, जूनियर एनटीआर और अल्लू अर्जुन ने जुबली हिल्स के विभिन्न मतदान केंद्रों पर अपना वोट डाला। उल्लेखनीय है कि राम चरण, नागा चैतन्य, महेश बाबू, नानी, श्रीकांत, मांचू मनोज, एमएम कीरवानी, कोटा श्रीनिवास राव और फिल्म निर्माता एसएस राजामौली और तेजा जैसी अन्य फिल्मी हस्तियां भी मतदान केंद्रों पर पहुंचीं और साथी नागरिकों के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग किया।

फिल्म अभिनेता चिरंजीवी ने मतदान के महत्व पर जोर दिया और लोगों से चुनाव में भाग लेकर अपनी शक्ति का प्रयोग करने का आह्वान किया। इसी तरह, अल्लू अर्जुन ने भी दिन में मतदान करने के बाद इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने प्रत्येक नागरिक की वोट देने की जिम्मेदारी पर जोर दिया, चाहे वह किसी भी राजनीतिक संबद्धता का हो, और अगले पांच वर्षों के लिए देश के भविष्य को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

## खम्मम और महबूबाबाद सीटें जीत रही है बीआरएस : वड्डीराजू

खम्मम, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के राज्यसभा सांसद वड्डीराजू रविचंद्र ने आज कहा कि खम्मम के सांसद नामा नागेश्वर राव और महबूबाबाद के सांसद मलोथ कविता 18वीं लोकसभा चुनाव में खम्मम और महबूबाबाद संसदीय क्षेत्रों से जीत हासिल करेंगे। खम्मम के एनएसटी रोड पर डॉ बी आर अंबेडकर कॉलेज के मतदान केंद्र पर अपने परिवार के साथ वोट डालने वाले सांसद ने कहा कि खम्मम संयुक्त जिले और महबूबाबाद संसदीय सीट पर मतदान पैटर्न को देखते हुए उन्हें उम्मीद है कि बीआरएस पार्टी दोनों सीटों पर जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि लोग केसीआर को अपने दिल में रखकर चुनावों में बीआरएस पार्टी का समर्थन करेंगे, जिन्होंने राज्य में कल्याणकारी शासन प्रदान किया है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि बीआरएस सरकार, जिसने कल्याणकारी योजनाएं प्रदान की हैं, जो देश के किसी अन्य राज्य में लागू नहीं हुई हैं, निश्चित रूप से लोगों के समर्थन से सत्ता में वापस आएगी।

सांसद वड्डीराजू रविचंद्र ने लोगों से खम्मम जिले के साथ-साथ महबूबाबाद संसदीय क्षेत्र में भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.